

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 76 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 15 नवम्बर 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

लखनऊ में अधिवक्ताओं का प्रदर्शन, बैरिकेडिंग तोड़कर विधानसभा गेट पर दिया धरना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर शनिवार को सैकड़ों वकील सड़कों पर उतर आए। कैसरबाग स्थित न्यायालय परिसर में सुबह करीब 10 बजे एकत्र हुए अधिवक्ताओं ने विधानसभा की ओर कूच किया। पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। इस दौरान वकीलों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और आगे बढ़ गए। उन्होंने लोहे की जाली तथा बांस-बल्लियां भी तोड़ डालीं। कुछ प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग को अपने साथ लेकर जाते दिखाई दिए। इसके बाद अधिवक्ता विधानसभा के गेट पर धरने पर बैठ गए और नारेबाजी की। वकीलों ने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांग स्वीकार नहीं करती, आंदोलन जारी रहेगा। बाद में अधिवक्ताओं ने संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) बबलू कुमार को ज्ञापन सौंपा और प्रदर्शन समाप्त कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया तो मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।



माइक्रोसॉफ्ट की सभी प्रमुख सेवाएं बहाल, एक दिन से अधिक समय तक ठप रहने के बाद लौटीं सामान्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। एक दिन से अधिक समय तक ठप रहने के बाद माइक्रोसॉफ्ट की आउटलुक, टीम्स और कोपायलट सहित सभी प्रमुख सेवाएं बहाल हो गई हैं। कंपनी ने 13 नवंबर को सोशल मीडिया मंच एक्स पर बयान जारी कर ग्राहकों और सहयोगी कंपनियों से हुई परेशानी के लिए माफी मांगी। माइक्रोसॉफ्ट ने स्पष्ट किया कि इस व्यवधान के पीछे न तो कोई साइबर हमला था और न ही एआई एजेंट की भूमिका थी। इसकी वजह नेटवर्क क्षमता बढ़ाने के दौरान आई तकनीकी खामी थी। कंपनी के अनुसार, पुराने नेटवर्क क्षमता उन्नयन के दौरान पैदा हुई समस्या हाल में किए गए एक अन्य नेटवर्क बदलाव के बाद सामने आई और इससे कई सेवाएं प्रभावित हुईं। समस्या की मूल वजह ठीक कर ली गई है, हालांकि कुछ ग्राहकों और क्षेत्रों में सेवाओं को पूरी तरह सामान्य करने का काम जारी था। आउटेज का असर एक्सचेंज ऑनलाइन, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट, शेयरपॉइंट ऑनलाइन और डिफेंडर एक्सडीआर पर पड़ा। डाउनडिटेक्टर के आंकड़ों के अनुसार, समस्या चरम पर पहुंचने के दौरान आउटलुक के लिए करीब 1.30 लाख और माइक्रोसॉफ्ट 365 के लिए 47 हजार से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। कंपनी ने बताया कि सर्वर दोबारा शुरू करने और इंटरनेट यातायात का मार्ग बदलने जैसे शुरुआती प्रयासों से स्थायी सुधार नहीं हुआ। इसके बाद सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से बहाल किया गया और हर चरण में व्यवस्था की स्थिरता जांची गई। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा है कि पूरे घटनाक्रम की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा पूरी होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या से बचा जा सके।

छठ महापर्व का आज खरना, प्रसाद ग्रहण कर शुरू होगा 36 घंटे का निर्जला व्रत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। लोक आस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन शनिवार को खरना मनाया जा रहा है। इस अवसर पर छठ व्रतियों ने घरों में मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से आग जलाकर गुड़ की खीर और रोटियां तैयार कीं। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू होगा। रविवार को डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आवास पर भी छठ पूजा का आयोजन हो रहा है। यहां राज्यपाल और मुख्यमंत्री सम्राट कुमार सहित कई विशिष्ट अतिथि खरना का प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने भी छठ का व्रत रखा और लोगों को महापर्व की शुभकामनाएं दीं। मोकामा विधायक अनंत सिंह भी उनके आवास पर प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे। पटना में छठ को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। दीघा घाट करीब तीन किलोमीटर लंबा है, जहां सबसे अधिक भीड़ जुटने की संभावना है। श्रद्धालुओं के लिए सात हजार वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। दानापुर से दीदारगंज तक 90 गंगा घाटों और कई अस्थायी तालाबों पर अर्घ्य देने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पटना जंक्शन पर यात्रियों की सुविधा के लिए छह हजार वर्गफीट में अस्थायी छाया स्थल बनाया गया है। भीड़ की निगरानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कैमरों से की जा रही है। पूर्वी बिहार के किशनगंज में सूर्यास्त सबसे पहले होगा, जबकि पश्चिमी हिस्से के भभुआ में करीब 19 मिनट बाद सूर्यास्त होगा।

घरेलू विवाद में बुजुर्ग की हत्या, बेटे और बहू के खिलाफ मामला दर्ज



महानगर मेट्रो ब्यूरो

तरनतारन। पंजाब के तरनतारन जिले के वल्टोहा गांव में घरेलू विवाद के चलते एक बुजुर्ग की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में मृतक के बेटे हरप्रीत सिंह लभा और बहू जसन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक लखविंदर सिंह लखा का अपने बेटे और बहू के साथ घरेलू विवाद चल रहा था। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद को वारदात की वजह माना जा रहा है। हालांकि, हत्या से जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही वल्टोहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। दोनों नामजद आरोपियों की कथित भूमिका और वारदात से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साबरमती एक्सप्रेस में आग हादसा नहीं, सुनियोजित साजिश थी: पूर्व एसआईटी प्रमुख

राकेश अस्थाना का सोनिया गांधी के किताब में किए गए दावे पर तीखा पलटवार

सोनिया गांधी की किताब में गोधरा कांड की आग के कारणों को बताया गया विवादित, अस्थाना बोले- जांच में पेट्रोल डालकर कोच जलाने की साजिश हुई थी साबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली/अहमदाबाद। वर्ष 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड को लेकर करीब 24 साल बाद एक बार फिर देश की राजनीति में बहस तेज हो गई है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की पुस्तक में साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में लगी आग के कारणों को विवादित बताए जाने के बाद गुजरात पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) के तत्कालीन प्रमुख और पूर्व सीबीआई विशेष निदेशक राकेश अस्थाना ने कड़ा पलटवार किया है। अस्थाना ने स्पष्ट कहा है कि साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने की घटना कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि पहले से रची गई सुनियोजित साजिश थी। उनके इस बयान ने एक बार फिर गोधरा कांड की जांच, न्यायिक फैसलों और राजनीतिक बयानों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

सोनिया गांधी की पुस्तक से फिर उठा विवाद

सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' में वर्ष 2002 के घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने और 59 कारसेवकों की मौत का जिक्र किया गया है। पुस्तक में आग लगने के कारणों को लेकर बहस जारी रहने की बात कही गई है। इसी टिप्पणी पर अस्थाना ने आपत्ति जताते हुए जांच के निष्कर्षों और न्यायिक प्रक्रिया का हवाला दिया है।

अस्थाना का दावा- पेट्रोल डालकर जलाया गया कोच

अस्थाना के मुताबिक, जांच में सामने आया था कि भीड़ ने ट्रेन के कोच की खिड़कियां तोड़कर अंदर करीब 140 लीटर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। उनके अनुसार, कुछ ही मिनटों में एस-6 कोच आग की चपेट में आ गया। इस भयावह घटना में 27 महिलाओं, 10 बच्चों और 22 पुरुषों सहित कुल 59 लोगों की जान चली गई। अस्थाना ने इसे सामान्य आगजनी नहीं, बल्कि यात्रियों को निशाना बनाकर अंजाम दी गई आपराधिक साजिश बताया।

अंतरराष्ट्रीय संपर्कों की जांच का भी किया उल्लेख

अस्थाना ने जांच के दौरान गोधरा के अमन गेस्ट हाउस, उसके मालिक अब्दुल रजाक कुरकुर और कथित अंतरराष्ट्रीय संपर्कों का भी उल्लेख किया। उन्होंने पाकिस्तान से हुई फोन बातचीत और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े कथित संपर्कों को जांच का हिस्सा बताया। हालांकि, इन दावों को जांच अधिकारी के बयान के रूप में ही देखा जाना चाहिए और इनके संबंध में न्यायिक अभिलेखों तथा प्रमाणित तथ्यों का संदर्भ महत्वपूर्ण है।

बनर्जी आयोग की रिपोर्ट पर भी उठाए सवाल

पूर्व एसआईटी प्रमुख ने तत्कालीन रेल मंत्री द्वारा गठित न्यायमूर्ति यू.सी. बनर्जी आयोग की उस रिपोर्ट को भी खारिज किया, जिसमें आग लगने की घटना को दुर्घटनावश हुआ बताया गया था। अस्थाना ने गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि जांच और न्यायिक प्रक्रिया में साजिश के पहलू सामने आ चुके हैं तथा इस मामले में दोषियों को सजा भी सुनाई गई। अस्थाना ने राजनीतिक बयानबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी भी धर्म के व्यक्ति की हत्या को केवल राजनीतिक नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। मौत, मौत होती है और अपराध, अपराध। गोधरा कांड में मारे गए 59 लोगों की पीड़ा और घटना की गंभीरता को राजनीतिक बहस में कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। करीब ढाई दशक बाद सोनिया गांधी की पुस्तक में की गई टिप्पणी और अस्थाना के जवाब ने गोधरा कांड को फिर राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श में ला खड़ा किया है। अब बहस केवल पुस्तक में लिखे शब्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि जांच के निष्कर्षों, न्यायिक फैसलों और ऐतिहासिक घटनाओं की व्याख्या तक पहुंच गई है। सवाल यह है कि इतने वर्षों बाद भी क्या राजनीतिक बयानबाजी से ऊपर उठकर इस संवेदनशील घटना को तथ्यों और न्यायिक रिकॉर्ड के आधार पर ही देखा जाएगा?

राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर हमला, बोले- देश की राजनीतिक और संवैधानिक संस्थाएं दबाव में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को हैदराबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'भारत शिखर सम्मेलन-2026' के समापन समारोह में केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने वर्ष 2014 के बाद देश की राजनीति, चुनावी व्यवस्था और आर्थिक नीतियों में आए बदलावों पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश की राजनीतिक व्यवस्था में धनबल का प्रभाव बढ़ा है और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता प्रभावित हो रही है। राहुल गांधी ने कहा कि वर्ष 2014 का चुनाव



पिछले चुनावों से बिल्कुल अलग था। उनके अनुसार, उस दौरान राजनीति में बड़े पैमाने पर विदेशी मुद्रा और धन का प्रवाह हुआ, जिसने देश के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीति में बढ़ते धनबल ने पूरी व्यवस्था को भ्रष्टाचार की ओर धकेला है।

चुनावी व्यवस्था और मतदाता सूची पर उठाए सवाल

राहुल गांधी ने चुनावी प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए मतदाता सूची और मतदान के अधिकार से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2024 के चुनावों को लेकर 14 करोड़ मतदाताओं के मतदान के लिए पात्र नहीं होने का सवाल सामने आया है। उन्होंने पूछा कि यदि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित होते हैं तो चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

मोदी-अडानी पर लगाए गंभीर आरोप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडानी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश के प्रमुख बंदरगाहों, हवाई अड्डों और खनन क्षेत्रों में अडानी समूह का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर भी दबाव है और विपक्ष को लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा का किया उल्लेख

राहुल गांधी ने कहा कि संस्थागत चुनौतियों के बावजूद उन्होंने जनता के बीच पहुंचने का रास्ता चुना। कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान करोड़ों लोगों से सीधे संवाद करने और देश को करीब से समझने का अवसर मिला।

शराब तस्कर से कथित सांठगांठ के आरोप में पुलिस हेड कांस्टेबल निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जामनगर। गुजरात में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस विभाग का ही एक हेड कांस्टेबल संदेह के घेरे में आ गया है। शराब तस्कर के साथ कथित संपर्क और मिलीभगत के आरोप में राजकोट रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक निर्लिप्त राय ने हेड कांस्टेबल कृपालसिंह जाडेजा को निलंबित कर दिया है। निलंबन के बाद उनका मुख्यालय राजकोट ग्रामीण निर्धारित किया गया है। यह कार्रवाई कॉल विवरण रिकॉर्ड और मोबाइल टावर लोकेशन के आधार पर की गई प्रारंभिक जांच के बाद की गई है। मामले के अनुसार, गत 4 अक्टूबर को गांधीनगर की राज्य निगरानी शाखा की टीम ने जामनगर के बी डिवीजन थाना क्षेत्र के नागहेड़ी गांव स्थित जीआईडीसी इलाके में छापेमारी की थी। इस दौरान अंग्रेजी शराब की 10,409 बोतलें बरामद की गईं, जिनकी कीमत करीब 37.21 लाख रुपये आंकी गई। शराब सहित कुल 1.37 करोड़ रुपये का सामान जब्त किया गया था। इस कार्रवाई के बाद मुख्य आरोपी राम उर्फ रामको मोढवाडिया सहित अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान हेड कांस्टेबल कृपालसिंह जाडेजा के मोबाइल नंबर और मुख्य आरोपी के बीच कई बार संपर्क होने की जानकारी सामने आई। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी की मां के नाम पर पंजीकृत सिमकार्ड से भी हेड कांस्टेबल को फोन किए गए थे। कॉल के समय उनकी मोबाइल लोकेशन पहले जामनगर पुलिस मुख्यालय और कुछ ही मिनट बाद नागहेड़ी गांव में दर्ज होने की बात सामने आई। जांच में एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि जिस रात अवैध शराब के ठिकाने पर छापेमारी हुई, उस रात भी हेड कांस्टेबल की मोबाइल टावर लोकेशन नागहेड़ी गांव में पाई गई थी। इसी दौरान उनके मोबाइल से व्हाट्सऐप और फेसबुक के जरिए कुछ कॉल किए जाने की जानकारी भी मिली। उस समय वह स्थानीय अपराध शाखा में तैनात थे। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई कि अवैध शराब के कारोबार पर नजर रखने की जिम्मेदारी निभाने के बजाय वह कथित रूप से शराब तस्कर के संपर्क में थे। मोबाइल कॉल और लोकेशन से सामने आए इन तथ्यों के बाद पुलिस विभाग ने कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया। हालांकि, कथित मिलीभगत के आरोपों की अंतिम पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही होगी।

झाबुआ के आसमान में दिखे सेना के चार माइक्रो लाइट विमान, 24 दिन के रोमांचक अभियान पर निकली माउंटेन ईगल्स टीम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झाबुआ। शनिवार को झाबुआ के आसमान में एक साथ चार छोटे विमानों को उड़ते देखकर शहरवासियों की निगाहें आसमान पर ठहर गईं। भारतीय सेना के चार माइक्रो लाइट विमान महू से उड़ान भरकर झाबुआ की गोपालपुरा हवाई पट्टी पर उतरे। ये विमान सेना के 24 दिवसीय विशेष हवाई अभियान 'विंग्स ऑफ वेलोर एंड यूनिटी एक्सपीडिशन-2026' का हिस्सा हैं। माउंटेन ईगल्स टीम ने यहां ईंधन भरने और तकनीकी तैयारियों के लिए करीब एक घंटे का पड़ाव लिया। नाश्ते और आवश्यक जांच के बाद चारों विमान वडोदरा के लिए रवाना हो गए। इस अभियान का उद्देश्य भारतीय सेना के साहस, हवाई कौशल, अनुशासन और राष्ट्रीय एकता का संदेश देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाना है। गोपालपुरा हवाई पट्टी पर उतरे विमानों में रोटैक्स इंजन लगे हैं। इनकी सामान्य उड़ान गति 95 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा है और ये लगातार पांच से छह घंटे तक उड़ान भर सकते हैं। माउंटेन ईगल्स टीम के सदस्य मनकंवल जीत के अनुसार वडोदरा के बाद विमान स्टैच्यू ऑफ यूनिटी से होते हुए गुजरात के तटीय क्षेत्रों की ओर बढ़ेंगे। अभियान के दौरान दीव, पोरबंदर और जामनगर के रास्ते समुद्र के ऊपर से उड़ान भरते हुए टीम मुंद्रा और भुज पहुंचेगी। भुज में दो दिन का पड़ाव रहेगा, जहां हवाई प्रदर्शन भी आयोजित किया जाएगा। इस अभियान का एक खास आकर्षण गांधीधाम में गुजरात-अमृतसर राजमार्ग पर माइक्रो लाइट विमानों की उतरने और उड़ान भरने की क्षमता का परीक्षण होगा। इसी राजमार्ग पर ईंधन भरने की व्यवस्था भी की जाएगी। छोटे विमानों के साथ इस तरह का प्रयोग अभियान को तकनीकी दृष्टि से भी खास बना रहा है। महू से शुरू हुआ यह अभियान मालवा और धार के आसमान से गुजरते हुए झाबुआ पहुंचा है। आगे गुजरात के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के ऊपर से उड़ान भरने के बाद वापसी में टीम राजस्थान और मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरेगी।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के एसडीओ के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा, 7.60 करोड़ की संपत्ति का खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पचमढ़ी/छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त की कार्रवाई में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के एसडीओ संजीव शर्मा की कथित बेहिसाब संपत्ति का बड़ा खुलासा हुआ है। शनिवार सुबह लोकायुक्त की दो टीमों ने पचमढ़ी और छिंदवाड़ा स्थित उनके ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। अब तक की तलाशी में करीब 7 करोड़ 60 लाख रुपये की संपत्ति का पता चला है। इसमें 26 लाख रुपये नकद, करीब 2.5 किलो सोना और 1.6 किलो चांदी के अलावा दो होटल-रिसॉर्ट तथा जमीनों से जुड़े दस्तावेज शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में उनकी संपत्ति आय से 228 प्रतिशत अधिक होने का अनुमान था, लेकिन छापे के दौरान अब तक मिले साक्ष्यों और गणना के आधार पर यह आंकड़ा करीब 560 प्रतिशत तक पहुंचने की बात सामने आई है। लोकायुक्त की टीमों ने शनिवार सुबह 7 बजे से कार्रवाई शुरू की। पचमढ़ी में लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक सुनील पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने एसडीओ के सरकारी आवास और कार्यालय की तलाशी ली, जबकि छिंदवाड़ा में पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में दूसरी टीम ने उनके पैतृक मकान की जांच की। इस कार्रवाई के लिए नर्मदापुरम की विशेष अदालत से तलाशी वारंट प्राप्त किया



गया था। संजीव शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त ने पहले गोपनीय सत्यापन कराया था। प्रारंभिक जांच में संपत्ति और ज्ञात आय के बीच बड़ा अंतर सामने आने पर यह कार्रवाई की गई। तलाशी के दौरान पचमढ़ी स्थित सरकारी आवास से मटकुली के इकोटेल होटल एंड रिसॉर्ट के दस्तावेज मिले हैं। बताया गया है कि इसे वर्ष 2016-17 में खरीदा गया था और इसकी अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ रुपये है। इसके अलावा पचमढ़ी के सेरेनिटी द विला होटल के दस्तावेज भी मिले हैं। इसे वर्ष 2014 में खरीदे जाने की जानकारी सामने आई है और इसकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ रुपये बताई गई है। दोनों संपत्तियों का वास्तविक मूल्यांकन अभी कराया जाना बाकी है। लोकायुक्त को जमीनों की खरीद-बिक्री से संबंधित 28 दस्तावेज और समझौते भी मिले हैं। छिंदवाड़ा और होशंगाबाद में भूखंडों तथा अन्य संपत्तियों से जुड़े कागजात की जांच की जा रही है। इसके अलावा दुकानों में निवेश की जानकारी भी सामने आई है। अधिकारियों की टीम बैंक खातों, निवेश और अन्य वित्तीय अभिलेखों की पड़ताल कर रही है। जब्त दस्तावेजों के आधार पर संपत्तियों के वास्तविक स्वामित्व और खरीद के लिए इस्तेमाल की गई रकम का पता लगाया जाएगा। लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, अभी होटल-रिसॉर्ट, जमीनों, भूखंडों और दुकानों का विस्तृत मूल्यांकन होना बाकी है। ऐसे में तलाशी में सामने आई संपत्ति का कुल आंकड़ा आगे बढ़ सकता है। नकदी और कीमती धातुओं के अलावा अचल संपत्तियों का पूरा ब्योरा जुटाया जा रहा है। जांच का मुख्य आधार यह पता लगाना है कि अधिकारी की ज्ञात आय और अर्जित संपत्ति के बीच इतना बड़ा अंतर कैसे बना। मध्यप्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान आय से अधिक संपत्ति के मामलों में 11 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारियों के ठिकानों पर छापेमारी हो चुकी है। इन कार्रवाइयों में करोड़ों रुपये की संपत्ति, नकदी और सोना-चांदी मिलने के मामले सामने आए हैं। संजीव शर्मा के ठिकानों पर हुई ताजा कार्रवाई ने एक बार फिर सरकारी पदों पर बैठे अधिकारियों की संपत्ति और आय के स्रोतों की जांच को चर्चा में ला दिया है। फिलहाल लोकायुक्त की जांच जारी है और अंतिम संपत्ति का आकलन दस्तावेजों के सत्यापन तथा मूल्यांकन के बाद ही स्पष्ट होगा।

अंबाला का शहीदी स्मारक 15 नवंबर से आम लोगों के लिए खुलेगा, पहले महीने निशुल्क प्रवेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में नवनिर्मित शहीदी स्मारक 15 नवंबर, रविवार से आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। यहां रोजाना 500 लोगों को निशुल्क प्रवेश मिलेगा। हालांकि, शुरुआती एक महीने तक स्मारक देखने के लिए ऑनलाइन बुकिंग अनिवार्य रहेगी। बिना बुकिंग के किसी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। दर्शक सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक स्मारक का भ्रमण कर सकेंगे। स्मारक में कुल 22 गैलरियां बनाई गई हैं। इनमें 40-40 दर्शकों के समूह को मार्गदर्शक के साथ प्रवेश दिया जाएगा। ऑनलाइन बुकिंग का प्रिंटआउट साथ लाना अनिवार्य होगा। प्रवेश द्वार पर इसकी जांच के बाद ही अनुमति मिलेगी। बच्चों को छोड़कर सभी दर्शकों को आधार कार्ड भी साथ रखना होगा। वार स्मारक के निदेशक डॉ. कुलदीप सैनी के अनुसार, उद्घाटन दिवस पर सुबह 7:30 बजे हवन होगा और इसके बाद 9 बजे पहले समूह को प्रवेश दिया जाएगा। सभी गैलरियां देखने में करीब पांच घंटे लगेंगे। स्मारक के 2500 दर्शकों की क्षमता वाले खुले रंगमंच में पहलेएक महीने तक प्रकाश एवं ध्वनि कार्यक्रम निशुल्क दिखाया जाएगा। इसके बाद इसके लिए टिकट लेना होगा। कार्यक्रम में दो बड़ी जल-पर्दों, संग्रहालय की दीवारों और 63 मीटर ऊंचे टावर पर 1857 की क्रांति की घटनाओं और शहीदों के योगदान की कहानी प्रदर्शित की जाएगी।



आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर मोहित ने भारत को बनाया अंडर-19 एशिया कप चैंपियन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अल अमीरात। अंडर-19 एशिया कप के रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर नौवीं बार खिताब अपने नाम कर लिया। एक समय मुकाबले में पाकिस्तान की जीत लगभग तय मानी जा रही थी, लेकिन आखिरी पलों में नंबर-10 पर बल्लेबाजी करने उतरे मोहित उल्वा ने तूफानी पारी खेलकर मैच का रुख बदल दिया। 338 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 252 रन पर आठ विकेट गंवा दिए थे। पाकिस्तान को खिताब बचाने के लिए 51 गेंदों में केवल दो विकेट लेने थे। ऐसे मुश्किल हालात में मोहित ने महज 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन ठोक दिए।

सात करोड़ के कृत्रिम बुद्धिमत्ता तंत्र से होगी कर्मचारियों की निगरानी, वेतन पर भारी खर्च के बाद भी कामकाज पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नगर पालिकाओं और स्थानीय स्वशासी संस्थाओं में कर्मचारियों के कामकाज और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कर्मचारियों के वेतन और भत्तों पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार नहीं होने की शिकायतों के बीच अब उनकी निगरानी के लिए करीब सात करोड़ रुपये की लागत से कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तंत्र लगाने की तैयारी की जा रही है। इस प्रस्ताव ने सरकारी धन के उपयोग और अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर नई बहस छेड़ दी है। इस व्यवस्था को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कर्मचारियों के वेतन और सुविधाओं पर पहले से ही जनता के कर का बड़ा हिस्सा खर्च हो रहा है, तो उनके कामकाज पर नजर रखने के लिए अलग से सात करोड़ रुपये खर्च करने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है? क्या मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्था कर्मचारियों से निर्धारित जिम्मेदारियां पूरी करवाने में सक्षम नहीं है? यह भी सवाल उठ रहा है कि कर्मचारियों की निगरानी, उनके काम का मूल्यांकन और कार्यों की समीक्षा करना विभागीय अधिकारियों तथा पर्यवेक्षकों की जिम्मेदारी है। यदि यह काम भी अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तंत्र के भरोसे किया जाएगा, तो उच्च अधिकारियों की भूमिका और जवाबदेही किस तरह तय होगी? लाखों रुपये वेतन पाने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल व्यवस्था चलाना है या कर्मचारियों से काम करवाना भी उनकी जवाबदेही में शामिल है? इससे पहले भी शहरों में सड़कों के खोजने, सफाई व्यवस्था पर नजर रखने और नागरिकों की शिकायतों के निस्तारण के लिए आधुनिक तकनीक आधारित योजनाओं की घोषणाएं की जाती रही हैं। लेकिन इन योजनाओं से जमीन पर कितना सुधार हुआ, कितनी शिकायतों का समय पर समाधान हुआ और खर्च की गई राशि का कितना लाभ मिला, इसका पारदर्शी मूल्यांकन सामने आना जरूरी है। नई व्यवस्था लागू करने से पहले पुरानी योजनाओं की सफलता और विफलता का हिसाब सार्वजनिक किया जाना चाहिए।

गांधीनगर में बनेगा आधुनिक पुलिस फायरिंग प्रशिक्षण केंद्र, जमीन की तलाश शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा पुलिसकर्मियों की हथियार चलाने की क्षमता में सुधार के लिए गांधीनगर में आधुनिक फायरिंग प्रशिक्षण केंद्र बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए जिला पुलिस प्रशासन ने उपयुक्त जमीन की तलाश शुरू कर दी है। जिला पुलिस प्रमुख रवि तेजा वासम शेट्टी की पहल पर पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम सरकारी जमीनों का सर्वे कर रही है। फिलहाल गांधीनगर के पुलिस अधिकारियों और जवानों को नियमित निशानेबाजी अभ्यास के लिए दूसरे जिलों या निर्धारित प्रशिक्षण केंद्रों पर जाना पड़ता है। स्थानीय स्तर पर आधुनिक फायरिंग केंद्र बनने से पुलिसकर्मियों को नियमित अभ्यास की सुविधा मिलेगी और उनका समय भी बचेगा। बदलते अपराधों और सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए पुलिसकर्मियों के लिए हथियारों के संचालन तथा सटीक निशानेबाजी का नियमित प्रशिक्षण आवश्यक माना जा रहा है। विशेष रूप से आपात स्थिति, गंभीर आपराधिक घटनाओं और आतंकवादी हमलों जैसी परिस्थितियों में प्रशिक्षित जवान अधिक प्रभावी ढंग से कार्रवाई कर सकेंगे। प्रस्तावित केंद्र के लिए आबादी से सुरक्षित दूरी पर जमीन चुनी जा रही है, ताकि फायरिंग अभ्यास के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा प्रभावित न हो। जमीन का चयन और आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बाद यहां आधुनिक निशानेबाजी क्षेत्र, लक्ष्य स्थल और सुरक्षा दीवार सहित जरूरी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यह केंद्र बनने से नए भर्ती हुए जवानों से लेकर अनुभवी अधिकारियों तक को नियमित प्रशिक्षण मिल सकेगा। हालांकि, परियोजना के निर्माण और संचालन की समय-सीमा अभी स्पष्ट नहीं हुई है।

गांधीनगर सिविल अस्पताल में एचआईवी जांच एवं परामर्श केंद्र के नए विभाग का उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। लाभ पंचम के अवसर पर गांधीनगर सिविल अस्पताल में एचआईवी से संबंधित जांच एवं परामर्श केंद्र के नए विभाग का उद्घाटन किया गया। इस सुविधा के शुरू होने से अस्पताल में आने वाले जोखिम वाले मरीजों को परामर्श और जांच की सेवाएं अधिक सुविधाजनक एवं त्वरित रूप से मिल सकेंगी। नए विभाग का मुख्य उद्देश्य एचआईवी के प्रति जागरूकता बढ़ाना, लोगों को जांच के लिए प्रेरित करना और संक्रमण की समय पर पहचान सुनिश्चित करना है। अस्पताल में यह केंद्र वर्ष 2022 से संचालित है। नए विभाग के शुरू होने से इसकी सेवाओं का विस्तार होगा और मरीजों को बेहतर मार्गदर्शन मिल सकेगा। उद्घाटन अवसर पर जीएमईआरएस अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मीता पारिख, सहायक चिकित्सा अधीक्षक एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. गौरीशंकर श्रीमाली, एसएसके एवं आईसीटीसी केंद्र प्रभारी डॉ. किरण पटेल तथा आरएमओ डॉ. कौशर सहित विभिन्न विभागों के चिकित्सक और कर्मचारी उपस्थित रहे। इनमें सूक्ष्मजीव विज्ञान, एआरटी, विजन सीएससी और एसटीआई विभाग के कर्मचारी भी शामिल थे। अस्पताल प्रशासन को उम्मीद है कि नई सुविधा से मरीजों को जांच, परामर्श और उपचार संबंधी मार्गदर्शन बेहतर ढंग से मिल सकेगा। साथ ही गांधीनगर क्षेत्र में एचआईवी के प्रति जागरूकता और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी।



तेज रफ्तार कार की टक्कर से झाड़ू बेचने वाले की मौत, चालक वाहन छोड़कर फरार

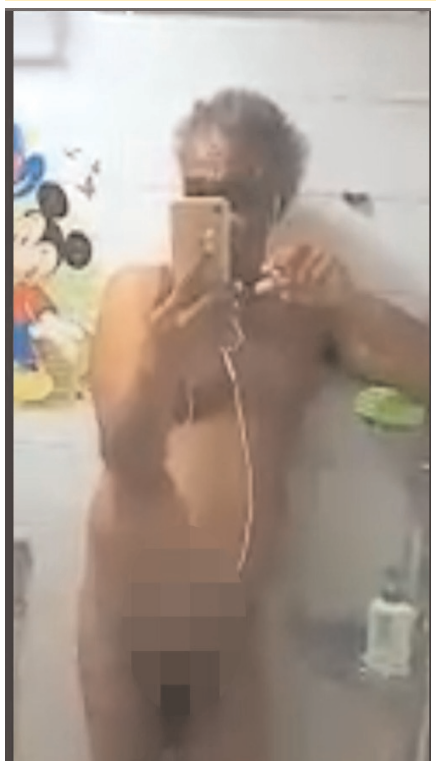
महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। शहर में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जी-5 सर्कल से जी-6 सर्कल जाने वाली सड़क पर सफरोनी गर्ल्स हॉस्टल के पास एक कार ने सड़क पर झाड़ू बेच रहे व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सेक्टर-21 पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान रामदेव मालदेभाई परमार (40) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से देवभूमि द्वारका जिले के भंवड़ तालुका का निवासी था और वर्तमान में गांधीनगर के सेक्टर-24 स्थित जी रोड पर परिवार के साथ रहता था। दिवाली के अवसर पर झाड़ू बेचने के व्यवसाय के लिए वह गांधीनगर आया हुआ था। 13 नवंबर की शाम वह जी-5 सर्कल से जी-6 सर्कल जाने वाली सड़क पर सफरोनी गर्ल्स हॉस्टल के पास खड़ा था। इसी दौरान जीजे-18-बीएल-0951 नंबर की सफेद कार के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रामदेव के सिर में गंभीर चोटें आईं और काफी खून बहने लगा।

सागर चंद्र सागर विवाद से जैन समाज में हलचल

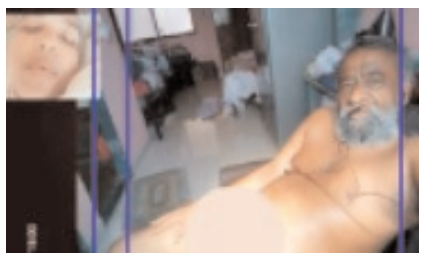
वायरल चैट और ऑडियो की निष्पक्ष जांच के साथ धार्मिक ट्रस्टों के चढ़ावे का हिसाब सार्वजनिक करने की उठी मांग, महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव रिपोर्ट

फोरेंसिक जांच और धार्मिक संस्थाओं के स्वतंत्र लेखा परीक्षण की मांग



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन





मंदसौर/पालिताना/अहमदाबाद। जैन धर्म की अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और त्याग की परंपरा के बीच सागर चंद्र सागर से जुड़ा विवाद धार्मिक जगत में चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित व्हाट्सऐप चैट, ऑडियो रिकॉर्डिंग और तस्वीरों ने जैन समाज के भीतर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला अब केवल व्यक्तिगत आरोपों और प्रत्यारोपों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि धार्मिक मर्यादा, साधु जीवन की प्रतिष्ठा, वायरल सामग्री की प्रमाणिकता और धार्मिक संस्थाओं के आर्थिक कामकाज की पारदर्शिता तक पहुंच गया है। समाज के विभिन्न वर्गों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और तथ्यों के आधार पर स्थिति स्पष्ट की जाए।न विवाद के केंद्र में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही कथित चैट और ऑडियो रिकॉर्डिंग हैं। इन सामग्रियों को लेकर कुछ महिलाओं और साध्वियों से कथित संबंधों के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि, वायरल सामग्री की स्वतंत्र रूप से पुष्टि होना अभी बाकी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रसारित चैट और रिकॉर्डिंग वास्तविक हैं या फिर किसी ने तकनीक का इस्तेमाल कर इन्हें तैयार अथवा परिवर्तित किया है। धार्मिक समाज के लोगों का कहना है कि न तो केवल वायरल सामग्री के आधार पर किसी को दोषी ठहराया जाना चाहिए और न ही गंभीर आरोपों को बिना जांच के नजरअंदाज किया जाना चाहिए। इस पूरे विवाद में डिजिटल फोरेंसिक जांच की मांग भी उठ रही है। जांच के जरिए कथित चैट के मूल स्रोत, उनकी प्रमाणिकता और प्रसारित ऑडियो की आवाज की पहचान की आवश्यकता बताई जा रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के दौर में तस्वीरों, आवाजों तथा संदेशों में बदलाव संभव होने के कारण विशेषज्ञ एजेंसियों से निष्पक्ष परीक्षण कराने की मांग महत्वपूर्ण हो गई है। समाज चाहता है कि जांच के नतीजे सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किए जाएं, ताकि किसी निर्दोष की प्रतिष्ठा को नुकसान न पहुंचे और यदि आरोप प्रमाणित होते हैं तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो। विवाद ने धार्मिक ट्रस्टों के आर्थिक प्रबंधन को लेकर भी बहस तेज कर दी है। जैन मंदिरों, तीर्थस्थलों और धार्मिक संस्थाओं में श्रद्धालु अपनी आस्था के साथ बड़ी रकम दान करते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि करोड़ों रुपये के चढ़ावे और दान का उपयोग किस प्रकार किया जाता है तथा आय-व्यय का हिसाब श्रद्धालुओं के सामने कितना पारदर्शी है। धार्मिक ट्रस्टों के स्वतंत्र लेखा परीक्षण, बैंक खातों और संपत्तियों से जुड़े लेन-देन की जांच तथा पदाधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग उठाई जा रही है। अभय चोपड़ा सहित कुछ पदाधिकारियों और मीडिया समन्वय से जुड़े लोगों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर ही हो सकती है। समाज के लोगों का कहना है कि धार्मिक संस्थाओं में पद संभालने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह दान और संपत्तियों से जुड़े मामलों में पारदर्शिता बनाए रखे। श्रद्धालुओं की ओर से दिया गया दान किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि धार्मिक और सामाजिक उद्देश्यों के लिए सौंपा गया विश्वास है। इसलिए उसके उपयोग का स्पष्ट हिसाब होना चाहिए।

महनगर मेट्रो का बड़ा खुलासा

खुलासे के घेरे में धार्मिक संस्थाओं का आर्थिक प्रबंधन, वायरल चैट और ऑडियो की प्रमाणिकता पर भी सवाल। श्रद्धालुओं के करोड़ों के दान का हिसाब सार्वजनिक करने की मांग तेज। अब सवाल है कि डिजिटल साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच कौन कराएगा और धार्मिक संस्थाओं में जवाबदेही कब तय होगी? आस्था के नाम पर मिले धन और विश्वास का हिसाब आखिर कौन देगा?

मंदसौर में सागर चंद्र सागर के प्रस्तावित व्याख्यान, शिविर और अन्य कार्यक्रमों को लेकर भी विरोध के स्वर सामने आने की बात कही जा रही है। कुछ हिंदू और जैन समाज के लोगों ने कथित विवाद की निष्पक्ष जांच होने तक कार्यक्रमों के बहिष्कार की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि जब तक पूरे मामले की सच्चाई सामने नहीं आती, तब तक धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक मंचों पर उठ रहे सवालों का जवाब देना जरूरी है। अब इस पूरे विवाद में तीन प्रमुख सवाल समाज के सामने हैं–वायरल चैट और ऑडियो की वास्तविकता क्या है, धार्मिक संस्थाओं के आर्थिक लेन-देन का स्वतंत्र और पारदर्शी हिसाब कैसे सुनिश्चित होगा तथा आरोपों की जांच की जिम्मेदारी कौन उठाएगा? धार्मिक आस्था और किसी भी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, दोनों की रक्षा तथ्यों और निष्पक्ष जांच से ही संभव है। ऐसे में पुलिस-प्रशासन, संबंधित धार्मिक संस्थाओं और जिम्मेदार पदाधिकारियों से अपेक्षा है कि वे सामने आकर स्थिति स्पष्ट करें। फिलहाल, वायरल सामग्री से जुड़े आरोपों की पुष्टि होना बाकी है और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच के परिणामों का इंतजार जरूरी है।

कर्नाटक के हरंगी जलाशय में नाव पलटने से सूरत के दंपती की मौत, दो बेटियों को सुरक्षित बचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सूरत/कोडागु। कर्नाटक घूमने गए सूरत के एक परिवार के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। कोडागु (कूर्ग) जिले के कुशलनगर तालुका स्थित हरंगी जलाशय के पिछले जलक्षेत्र में नौकायन के दौरान अचानक नाव पलट गई। हादसे में सूरत निवासी दंपती की डूबने से मौत हो गई, जबकि उनकी दो छोटी बेटियों को सुरक्षित बचा लिया गया। इस घटना से परिवार और परिचितों में शोक की लहर फैल गई है। जानकारी के अनुसार, सूरत का यह परिवार कर्नाटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कूर्ग घूमने गया था। शुक्रवार शाम परिवार के चारों सदस्य हरंगी जलाशय के पिछले जलक्षेत्र में नौकायन का आनंद ले रहे थे। इसी दौरान अचानक नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में पलट गई। नाव पलटते ही परिवार के चारों सदस्य पानी में डूबने लगे और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग और बचावकर्मी तुरंत सहायता के लिए पहुंचे। स्थानीय तैराकों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों बच्चियों को सुरक्षित पानी से बाहर निकाल लिया, लेकिन दंपती को बचाया नहीं जा सका। अधिक गहराई और पानी के बहाव के कारण बचाव कार्य में कठिनाई आई। हादसे के बाद पर्यटन स्थलों पर जलक्रीड़ा गतिविधियों के दौरान सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

शेधावदर की सांस्कृतिक विरासत पर स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पनशेरिया ने जताया गर्व

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शेधावदर। गुजरात के गांवों में आज भी जीवित सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं भारतीय विरासत की समृद्धि को दर्शाती हैं। ऐसी ही अनूठी परंपरा शेधावदर गांव में वर्षों से निभाई जा रही है, जिस पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पनशेरिया ने गर्व व्यक्त किया है।उन्होंने बताया कि गांव के पवित्र खोडियार माताजी मंदिर के आसपास की बेटियों ने श्रीमद्भगवद्गीता के सभी अध्याय कंठस्थ कर रखे हैं। बेटियां लयबद्ध तरीके से गीता के पवित्र श्लोकों का मौखिक पाठ करती हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी तक आध्यात्मिक ज्ञान, संस्कार और भारतीय संस्कृति पहुंचाने का माध्यम भी है।मंत्री पनशेरिया ने कहा कि वे बचपन से इस परंपरा को देखते आ रहे हैं। समय और पीढ़ियां बदलने के बावजूद गांव की बेटियों ने आस्था, भक्ति और समर्पण के साथ इस विरासत को जीवित रखा है।उन्होंने बेटियों की अद्भुत स्मरण शक्ति, अध्ययन के प्रति लगन और सांस्कृतिक समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। वास्तविक समृद्धि केवल भौतिक विकास में नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान, संस्कृति और संस्कारों की विरासत सौंपने में भी निहित है।

महमदाबाद में अवैध कॉम्प्लेक्स पर कार्रवाई के आदेश बेअसर

कलेक्टर के दो निर्देशों के बावजूद एमजीवीसीएल अधिकारियों पर निष्क्रियता के आरोप, प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंची शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महमदाबाद। गुजरात के महमदाबाद में कथित अवैध कॉम्प्लेक्स के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जिला कलेक्टर के दो स्पष्ट आदेश जारी होने के बावजूद करीब तीन महीने बीत जाने पर भी मध्य गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (एमजीवीसीएल) की ओर से संबंधित कॉम्प्लेक्स का बिजली कनेक्शन नहीं काटे जाने पर अधिकारियों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है।जानकारी के अनुसार, स्थानीय नागरिकों ने कॉम्प्लेक्स के कथित अवैध निर्माण के संबंध में दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ राज्य सरकार के स्वागत कार्यक्रम में शिकायत प्रस्तुत की थी। मामला प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक भी पहुंचा, जहां से उचित कार्रवाई के निर्देश जारी किए जाने की बात सामने आई है। इसके बाद जिला कलेक्टर ने भी संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए।हाल ही में आयोजित स्वागत बैठक और समीक्षा बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया। बताया जाता है कि कलेक्टर ने एमजीवीसीएल के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद बिजली कनेक्शन यथावत रहने से प्रशासनिक आदेशों की पालना पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायतकर्ताओं ने बिल्डर और संबंधित अधिकारियों के बीच कथित मिलीभगत की आशंका भी जताई है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।अब सवाल यह है कि कलेक्टर के आदेशों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी या फिर प्रशासनिक निर्देश इसी तरह फाइलों तक सीमित रहेंगे?

'स्वच्छ सर्वेक्षण अवॉर्ड 2025-26' का ग्रैंड अनाउंसमेंट; अहमदाबाद के मेयर ने मिलकर नेशनल अवॉर्ड लिया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/नई दिल्ली। गुजरात ने एक बार फिर सफाई और शहरी विकास के क्षेत्र में देश में अपनी पहचान बनाई है। अहमदाबाद और साणंद शहर की जोड़ी ने केंद्र सरकार के प्रतिष्ठित 'स्वच्छ सर्वेक्षण अवॉर्ड 2025-26' के तहत बहुत अहम मानी जाने वाली 'स्वच्छ शहर जोड़ी' कैटेगरी में पूरे भारत में सबसे ऊंचा पहला स्थान हासिल करके एक ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। इस ग्रैंड जीत के साथ, गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद और इंडस्ट्रियल हब माने जाने वाले साणंद ने सफाई के स्टैंडर्ड के मामले में पूरे देश के लिए एक नई मिसाल कायम की है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में हुए एक बड़े और शानदार समारोह में भारत के माननीय राष्ट्रपति की खास मौजूदगी में इन अवॉर्ड्स की ऑफिशियल घोषणा की गई। जब देश भर के अलग-अलग राज्यों और शहरों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में 'क्लीन सिटी पेयर' कैटेगरी में पहले विनर के तौर पर अहमदाबाद और साणंद के नाम अनाउंस किए गए, तो पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। गुजरात के लिए बहुत गर्व के इस पल में, राज्य सरकार और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के बड़े अधिकारियों ने यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड स्वीकार किया। गुजरात राज्य के कैबिनेट मिनिस्टर कनुभाई देसाई, राज्य मंत्री दर्शन वाघेला और अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेयर हितेश बारोट ने मिलकर मंच पर यह राष्ट्रीय सम्मान स्वीकार किया और गुजरात का गौरव बढ़ाया। शहरी सफाई, साइंटिफिक वेस्ट मैनेजमेंट, डोर-टू-डोर कलेक्शन, रीसाइक्लिंग और लोगों की सक्रिय भागीदारी के मेल से अहमदाबाद और साणंद की जोड़ी को यह बड़ी सफलता मिली है। एक तरफ, मेगा सिटी अहमदाबाद का एडवांस्ड सैनिटेशन सिस्टम और दूसरी तरफ, तेजी से बढ़ते इंडस्ट्रियल शहर साणंद की सफाई के प्रति लगन ने दोनों शहरों को देश की सबसे अच्छी जोड़ी के तौर पर स्थापित किया है। इस ऐतिहासिक जीत पर पूरे राज्य में खुशी की लहर देखी जा रही है।

सूरत नगर निगम के 216 करोड़ के कचरा ठेके पर भ्रष्टाचार के आरोप, आखिर किसकी निगरानी में हुआ इतना बड़ा खेल?

सीडी ट्रांसपोर्ट एजेंसी के साथ अनुबंध की पारदर्शिता पर सवाल, पायल सकारिया ने अधिकारियों की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर आपराधिक कार्रवाई की मांग उठाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सूरत। शहर की सफाई व्यवस्था और कचरा निपटान के नाम पर जनता के धन से किए जा रहे करोड़ों रुपये के खर्च की जवाबदेही अब सवालों के घेरे में है। सूरत नगर निगम के करीब 216 करोड़ रुपये के कचरा निपटान और परिवहन ठेके को लेकर अनियमितताओं तथा भ्रष्टाचार के आरोप सामने आने के बाद नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सीडी ट्रांसपोर्ट एजेंसी के साथ हुए इस बड़े अनुबंध को लेकर नेता पायल सकारिया ने न केवल ठेके की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं, बल्कि जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 216 करोड़ रुपये जैसी भारी-भरकम सार्वजनिक धनराशि से जुड़े अनुबंध में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए क्या व्यवस्था अपनाई गई? ठेके की शर्तें क्या थीं, काम की गुणवत्ता की निगरानी किसने की और भुगतान किस आधार पर किया गया? यदि पूरी प्रक्रिया नियमानुसार हुई है तो प्रशासन को इन सवालों का स्पष्ट जवाब देने में परेशानी क्यों होनी चाहिए? पायल सकारिया ने आरोप लगाया है कि अनुबंध की प्रक्रिया और उसके क्रियान्वयन में पारदर्शिता की कमी रही है। ठेके की शर्तों, कामकाज की निगरानी और भुगतान प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों तथा एजेंसी की भूमिका की जांच की मांग की है। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और भ्रष्टाचार अथवा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर जिम्मेदार अधिकारियों तथा एजेंसी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने की मांग उठाई है। यह मामला केवल एक ठेके या किसी एजेंसी तक सीमित नहीं है, बल्कि नगर निगम के वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक धन के उपयोग से जुड़ा है। शहर के नागरिक कर चुकाते हैं ताकि उन्हें बेहतर सफाई और कचरा निपटान जैसी बुनियादी सुविधाएं मिल सकें। ऐसे में 216 करोड़ रुपये के अनुबंध पर उठे सवालों को केवल राजनीतिक आरोप बताकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रशासन को अनुबंध की पूरी जानकारी, भुगतान का विवरण, कार्य की प्रगति और निगरानी व्यवस्था सार्वजनिक करनी चाहिए। हालांकि, फिलहाल सामने आए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। नगर निगम प्रशासन और संबंधित एजेंसी का पक्ष भी सामने आना आवश्यक है। लेकिन सवाल अपनी जगह कायम है–क्या इतने बड़े ठेके में सब कुछ नियमों के मुताबिक हुआ, या जनता के धन की निगरानी करने वाले ही अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे?

यूरोप से डाक पार्सल में भेजी गई 10.8 किलो एम्फेटामिन जब्त, राजस्व खुफिया निदेशालय की बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/सूरत/वडोदरा। गुजरात में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं। इसी बीच तस्करी का नया तरीका सामने आया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने यूरोप से डाक पार्सल के माध्यम से भारत भेजी गई 10.8 किलोग्राम एम्फेटामिन नामक प्रतिबंधित मादक पदार्थ की खेप जब्त की है। बरामद पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। कार्रवाई के बाद एजेंसियों ने पार्सल भेजने वाले और इसके वास्तविक प्राप्तकर्ता की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, डीआरआई अधिकारियों को सूचना मिली थी कि यूरोप के एक देश से भारत के लिए संदिग्ध डाक पार्सल भेजा गया है। सूचना के आधार पर अधिकारियों ने डाक और पार्सल व्यवस्था के माध्यम से आने वाली खेप पर निगरानी रखी। संदिग्ध पार्सल की जांच करने पर उसमें से 10.8 किलोग्राम एम्फेटामिन बरामद हुआ। एजेंसियों के अनुसार, तस्कर सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचने के लिए डाक और पार्सल सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस मामले में पार्सल की बुकिंग, प्रेषक और प्राप्तकर्ता से संबंधित जानकारियां जुटाई जा रही हैं। एम्फेटामिन एक कृत्रिम मनो-सक्रिय पदार्थ है, जो केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करता है। इसका गैरकानूनी सेवन मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है।

अहमदाबाद में पति-पत्नी के विवाद में आया नया मोड़, डॉक्टर पति ने करवाई पत्नी की जासूसी; तस्वीरों को पत्नी ने बताया कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद में एक डॉक्टर दंपती के वैवाहिक विवाद का मामला चर्चा में है। पत्नी के चरित्र पर संदेह होने के बाद डॉक्टर पति ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निजी जासूस की मदद ली। जासूस ने पत्नी की एक कैफे में दूसरे युवक के साथ मौजूदगी की तस्वीरें और वीडियो जुटाने का दावा किया। हालांकि, जब पति ने ये तस्वीरें पत्नी के सामने रखीं तो उसने उन्हें फर्जी बताते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार किए जाने का आरोप लगाया। जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद में रहने वाले डॉक्टर की शादी को कुछ वर्ष हो चुके हैं। पिछले कुछ समय से पत्नी के व्यवहार में बदलाव और देर रात तक मोबाइल पर व्यस्त रहने के कारण पति को संदेह होने लगा था। इसके बाद उसने सीधे विवाद करने के बजाय निजी जासूसी एजेंसी से संपर्क किया और पत्नी की गतिविधियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी सौंपी,बताया जा रहा है कि निजी जासूसों ने कई दिनों तक महिला की गतिविधियों पर नजर रखी।

भावनगर में राज्य निगरानी प्रकोष्ठ की बड़ी कार्रवाई, लाखों रुपये का अवैध सामान जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर/गांधीनगर। दिवाली के बाद लाभ पंचम के शुभ अवसर पर जहां व्यापारी नए कामकाज की शुरुआत कर रहे थे, वहीं गांधीनगर से पहुंची राज्य निगरानी प्रकोष्ठ (एसएमसी) की टीम ने भावनगर में छापेमारी कर लाखों रुपये का अवैध सामान जब्त किया। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। कार्रवाई ने क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर स्थानीय पुलिस की निगरानी व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।जानकारी के अनुसार, भावनगर क्षेत्र में लंबे समय से अवैध गतिविधियां संचालित होने की सूचना राज्य निगरानी प्रकोष्ठ को मिली थी। इसके बाद गांधीनगर की टीम ने गोपनीय तरीके से जानकारी जुटाई और निर्धारित रणनीति के तहत संबंधित स्थान पर छापेमारी की।कार्रवाई के दौरान टीम ने लाखों रुपये का अवैध सामान जब्त किया। अचानक हुई इस कार्रवाई से मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जब्त सामान के संबंध में कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

स्थानीय पुलिस की भूमिका पर सवाल

गांधीनगर की टीम द्वारा भावनगर में इतनी बड़ी कार्रवाई किए जाने के बाद स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल यह है कि यदि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध गतिविधियां संचालित हो रही थीं, तो स्थानीय पुलिस और संबंधित जांच एजेंसियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिली? अब यह भी देखा जाएगा कि मामले की जांच में स्थानीय पुलिसकर्मियों की कोई लापरवाही या संलिप्तता सामने आती है या नहीं। फिलहाल राज्य निगरानी प्रकोष्ठ की कार्रवाई के बाद पूरे पुलिस महकमे में हलचल बनी हुई है।

एक करोड़ की शराब बरामदगी मामले में पुलिसकर्मी की मिलीभगत उजागर, एलसीबी कांस्टेबल निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जामनगर/राजकोट। गुजरात में शराबबंदी के बावजूद शराब तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब जामनगर में करीब एक करोड़ रुपये की विदेशी शराब की बरामदगी के मामले में पुलिस विभाग के ही एक कर्मचारी की संदिग्ध भूमिका उजागर हुई है। जांच के दौरान स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) में कार्यरत एक कांस्टेबल की शराब तस्करों से मिलीभगत सामने आने के बाद राजकोट रेंज की पुलिस महानिरीक्षक निर्लिप्ता राय ने उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। जानकारी के अनुसार, जामनगर क्षेत्र में पुलिस की कार्रवाई के दौरान करीब एक करोड़ रुपये की विदेशी शराब जब्त की गई थी। मामले की विस्तृत जांच और पुलिस की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में स्थानीय अपराध शाखा के एक कांस्टेबल की संदिग्ध भूमिका का खुलासा हुआ। आरोप है कि वह शराब तस्करी से जुड़े लोगों के संपर्क में था और इस अवैध गतिविधि में उसकी संलिप्तता थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक निर्लिप्ता राय ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित कांस्टेबल को निलंबित करने के आदेश दिए।



सूरत के कपड़ा गोदाम में भीषण आग, काले धुएं के गुबार से इलाके में मची अफरा-तफरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सूरत। कपड़ा और हीरा नगरी सूरत में कपड़े के कचरे तथा कबाड़ के एक गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गोदाम में बड़ी मात्रा में कपड़े की कतरन और ज्वलनशील सामग्री रखी होने के कारण आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। आसमान में उठते काले धुएं के गुबार दूर तक दिखाई दिए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। जानकारी के अनुसार, सूरत के एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कपड़े के कचरे और कबाड़ के गोदाम में अचानक आग लग गई। गोदाम में सिंथेटिक कपड़े की कतरन और अन्य ज्वलनशील सामग्री बड़ी मात्रा में जमा थी। इसके चलते आग तेजी से फैल गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी कई गाड़ियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। आग की तीव्रता को देखते हुए पानी के बड़े टैंकरों की सहायता ली गई। दमकलकर्मियों ने लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने और उसे आसपास के कारखानों तथा अन्य गोदामों तक फैलने से रोकने का प्रयास किया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली। हालांकि, गोदाम में रखा कपड़े का कचरा और अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया। आग के कारण गोदाम की दीवारों और छत को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, संपत्ति को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के पीछे बिजली का शॉर्ट सर्किट या लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। दमकल विभाग की ओर से आग पूरी तरह बुझाने और शीतलन प्रक्रिया पूरी करने के बाद घटनास्थल की जांच की जाएगी।

कपड़े के कचरे और कबाड़ में आग लगने से तेजी से फैली लपटें,

शेधावदर की बेटियों ने पीढ़ियों से संजो रखी श्रीमद्भगवद्गीता की परंपरा, मंत्री प्रफुल पनशेरिया ने जताया गर्व

महानगर मेट्रो ब्यूरो



गांधीनगर/शेधावदर। गुजरात के स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रफुल पनशेरिया ने अपने पैतृक गांव शेधावदर की अनूठी सांस्कृतिक परंपरा और बेटियों की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया है। गांव में वर्षों से चली आ रही श्रीमद्भगवद्गीता के सभी अध्यायों को कंठस्थ करने और उनका पाठ करने की परंपरा आज भी जारी है। मंत्री ने इसे भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक ज्ञान और संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रेरणादायक उदाहरण बताया। जानकारी के अनुसार, शेधावदर गांव स्थित खोडियार माताजी मंदिर में बेटियां श्रीमद्भगवद्गीता के सभी अध्यायों का कंठस्थ पाठ करती हैं। छोटी उम्र से ही बेटियां इस परंपरा से जुड़कर गीता के श्लोकों का लयबद्ध उच्चारण सीखती हैं। यह परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है और गांव की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है। मंत्री प्रफुल पनशेरिया ने कहा कि वे बचपन से इस पवित्र परंपरा को देखते और इससे जुड़े रहे हैं। समय और पीढ़ियां बदलने के बावजूद गांव की बेटियां आज भी पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ इस विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। यह पूरे गांव के लिए खुशी और गर्व का विषय है। उन्होंने बेटियों की स्मरण शक्ति, अध्ययन के प्रति लगन और भारतीय संस्कृति के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल शेधावदर गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे गुजरात और समाज के लिए प्रेरणादायक है। पनशेरिया ने कहा कि वास्तविक समृद्धि केवल भौतिक विकास और बड़ी इमारतों तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान, संस्कार और सांस्कृतिक विरासत सौंपना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। शेधावदर की बेटियां अपनी इस परंपरा के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक ज्ञान की लौ को निरंतर प्रज्वलित रख रही हैं।

उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी अखिल भारत हिंदू महासभा : स्वामी चक्रपाणि महाराज

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जगतगुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज ने वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ी राजनीतिक घोषणा की है। उन्होंने कहा कि महासभा प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। इसके साथ ही हिंदुत्ववादी विचारधारा वाले राजनीतिक दलों को एक मंच पर लाने के लिए राष्ट्रीय गठबंधन बनाने की तैयारी भी की जा रही है। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि उत्तर प्रदेश भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण की पावन धरती है। प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महासभा जातिगत विभाजन और सांप्रदायिक राजनीति के बजाय हिंदुत्व की विचारधारा को मजबूत करने के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की राजनीतिक गतिविधियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी प्रस्तावित राजनीतिक साझेदारी को महासभा गंभीरता से देख रही है। उन्होंने ओवैसी की पूर्व की टिप्पणियों और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण को लेकर दिए गए बयानों पर भी आपत्ति जताई। साथ ही भाजपा से सवाल किया कि ऐसे बयानों के विरुद्ध राजनीतिक और कानूनी स्तर पर प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए। स्वामी चक्रपाणि महाराज ने कहा कि प्रदेश को ऐसा नेतृत्व मिलना चाहिए, जो हिंदुत्व की विचारधारा के साथ संतों, मठों, मंदिरों और समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करे।

जयशंकर के बयान से गरमाई सियासत, राजीव गांधी के चीन दौरे और 1980 के दशक की आर्थिक नीतियों पर छिड़ी बहस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/गांधीनगर। भारत और चीन की आर्थिक विकास यात्रा की तुलना को लेकर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के बयान के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई है। जयशंकर ने वर्ष 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के चीन दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं का आकार लगभग बराबर था। हालांकि, इसके बाद दोनों देशों की विकास यात्रा में बड़ा अंतर आ गया। जयशंकर के अनुसार, 1980 के दशक में चीन ने आधुनिकीकरण और आर्थिक सुधारों की दिशा में तेजी से कदम उठाए तथा वैश्विक बाजार के अवसरों का लाभ उठाया। दूसरी ओर, भारत उस दौर में अपेक्षित आर्थिक बदलाव नहीं कर सका। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में पुरानी आर्थिक नीतियों और तत्कालीन सरकारों के फैसलों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

आर्थिक आंकड़ों से क्या पता चलता है?

उपलब्ध आर्थिक आंकड़ों के अनुसार, 1980 के दशक की शुरुआत में भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं के बीच अंतर आज की तुलना में काफी कम था। उस समय भारत का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 186 से 200 अरब अमेरिकी डॉलर और चीन का लगभग 300 अरब अमेरिकी डॉलर बताया गया था। दोनों देशों के सामने गरीबी, कम प्रति व्यक्ति आय और सीमित संसाधनों जैसी चुनौतियां थीं। चीन ने आर्थिक सुधारों के तहत विदेशी निवेश, औद्योगिक उत्पादन और आधारभूत ढांचे के विकास को गति दी। वहीं, भारत में व्यापक आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत वर्ष 1991 में हुई।

राजनांदगांव जिले में खुले 26 नए धान खरीदी केंद्र, 18,608 किसानों को मिलेगी राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। किसानों को समर्थन मूल्य पर धान बेचने की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य शासन ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में जिले में 26 नए धान खरीदी केंद्र स्थापित किए हैं। इन केंद्रों के शुरू होने से 18 हजार 608 पंजीकृत किसानों को अपनी उपज नजदीक में ही बेचने की सुविधा मिलेगी। इससे किसानों को दूरस्थ केंद्रों तक धान ले जाने की परेशानी से राहत मिलेगी और समय, श्रम तथा परिवहन खर्च की बचत होगी। जिले में पिछले वर्ष 96 धान खरीदी केंद्र संचालित थे। इस वर्ष 26 नए केंद्र जुड़ने के बाद इनकी संख्या बढ़कर 122 हो गई है। नए केंद्रों से विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को लाभ मिलेगा। साथ ही पुराने केंद्रों पर किसानों की भीड़ का दबाव भी कम होगा, जिससे खरीदी व्यवस्था अधिक सुचारू हो सकेगी। विकासखंडवार नए केंद्रों में राजनांदगांव विकासखंड के आरला, खैरझिटी, धर्मापुर, नवागांव, बोईरडीह, चवरढाल और मासूल शामिल हैं। डोंगरगांव विकासखंड में आसरा, बन्हनीभाठा, बुदुभरदा बनहरदी, मचानपार, मोहड़ और हरदी में केंद्र बनाए गए हैं।

अहमदाबाद में भाजपा पार्षद पर महिला पुलिस अधिकारी से मारपीट और दुर्व्यवहार के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



दिल्ली। आजकल महिलाओं में योनि की कसावट बढ़ाने के नाम पर बिकने वाली गोलियों, औषधियों और जड़ी-बूटी से बने उत्पादों का चलन बढ़ रहा है। सामाजिक माध्यमों और इंटरनेट पर इनके कई तरह के दावे किए जा रहे हैं। कुछ उत्पादों को योनि की मांसपेशियों में सिकुड़न लाने और कसावट बढ़ाने वाला बताया जाता है। हालांकि, स्त्री रोग विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे उत्पादों के सुरक्षित और प्रभावी होने के पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। बिना चिकित्सकीय सलाह इनका इस्तेमाल प्रजनन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। क्या है इन गोलियों का दावा? बाजार में मिलने वाली कुछ गोलियों, कैप्सूल और योनि में रखी जाने वाली औषधियों के बारे में दावा किया जाता है कि ये घुलकर अंदरूनी मांसपेशियों को सिकोड़ती हैं। लेकिन चिकित्सकों के अनुसार योनि एक प्राकृतिक और लचीला मांसपेशीय अंग है। प्रसव और बढ़ती उम्र के कारण इसकी मांसपेशियों में बदलाव आना सामान्य प्रक्रिया है। बाहरी उत्पादों के माध्यम से इसे सुरक्षित तरीके से कसने का दावा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं है। सेहत को हो सकते हैं गंभीर नुकसान ऐसे उत्पादों के इस्तेमाल से योनि का प्राकृतिक अम्लीय संतुलन बिगड़ सकता है। इससे जीवाणु संक्रमण और फफूंद संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा उत्पादों में मौजूद रासायनिक पदार्थों और सुगंध से जलन, खुजली, एलर्जी और सूजन की समस्या हो सकती है।

1988 में भारत और चीन की आर्थिक स्थिति थी लगभग बराबर, आज चीन बहुत आगेः विदेश मंत्री एस. जयशंकर

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली। भारत और चीन की आर्थिक स्थिति में पिछले चार दशकों के दौरान बड़ा अंतर आया है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इस अंतर के पीछे की वजह बताते हुए 1980 के दशक की आर्थिक नीतियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1988 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने चीन की राजधानी बीजिंग का दौरा किया था, तब दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं का आकार लगभग बराबर था। दोनों देश विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के रूप में आगे बढ़ रहे थे, लेकिन इसके बाद दोनों की विकास यात्रा अलग-अलग दिशा में चली गई। जयशंकर के अनुसार, चीन ने 1980 के दशक में आधुनिकीकरण, औद्योगिक विकास और आर्थिक बदलावों का अवसर पहचाना तथा उसका पूरा लाभ उठाया। दूसरी ओर, भारत इस अवसर का अपेक्षित लाभ नहीं उठा सका। बाद के वर्षों में चीन ने विनिर्माण, आधारभूत ढांचे और वैश्विक निवेश को बढ़ावा देकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर ली। आर्थिक आंकड़ों के अनुसार, 1980 के दशक में दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच बहुत बड़ा अंतर नहीं था। हालांकि उपलब्ध आंकड़ों में चीन का सकल घरेलू उत्पाद भारत से अधिक था। उस समय भारत का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 186 से 200 अरब अमेरिकी डॉलर, जबकि चीन का लगभग 300 अरब अमेरिकी डॉलर बताया गया था। प्रति व्यक्ति आय, गरीबी और आम नागरिकों के जीवन स्तर के मामले में भी दोनों देशों के सामने कई समान चुनौतियां थीं। दोनों देशों में बड़ी आबादी सीमित संसाधनों पर निर्भर थी और आर्थिक विकास की गति अपेक्षाकृत धीमी थी। चीन ने आगे चलकर अपनी अर्थव्यवस्था को वैश्विक निवेश और विनिर्माण के लिए खोला तथा आधारभूत ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया। वहीं भारत में आर्थिक उदारीकरण की प्रक्रिया वर्ष 1991 में बड़े स्तर पर शुरू हुई। जयशंकर का यह बयान बताता है कि समय पर लिए गए नीतिगत फैसले किसी देश की आर्थिक दिशा और भविष्य को किस तरह प्रभावित कर सकते हैं।

बापूनगर में जलते पटाखों का करघा लेकर सड़क पर घूमता रहा युवक, वाहन चालकों की जान जोखिम में डाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के बापूनगर क्षेत्र में सामाजिक माध्यमों पर लोकप्रियता पाने के लिए एक युवक द्वारा सड़क पर खतरनाक स्टंट करने का मामला सामने आया है। युवक जलते हुए पटाखों का करघा हाथ में लेकर सार्वजनिक सड़क पर घूमता दिखाई दे रहा है। इस दौरान पटाखों से लगातार आग और धुआं निकलता रहा, जिससे वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों और पैदल यात्रियों की जान खतरे में पड़ गई। यह घटना हरदासनगर में डकैट वेस्टर्न दुकान के सामने की बताई जा रही है। प्रसारित वीडियो में युवक हाथ में जलते पटाखों का लंबा करघा लेकर सड़क पर चलता नजर आ रहा है। वीडियो पर आपत्तिजनक टिप्पणी भी लिखी गई थी। बताया गया कि यह वीडियो 9 नवंबर को बनाया गया था और बाद में प्रसारित किया गया। वीडियो बापूनगर पुलिस के संज्ञान में आने के बाद जांच की गई।

नागदा के विद्यालय में विद्यार्थियों से कथित अमानवीय मारपीट

मुर्गा बनाकर जूते और कांटेदार लकड़ी से पीटने के आरोप, निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा (उज्जैन, मध्यप्रदेश)। नागदा स्थित भारत कॉमर्स विद्यालय के प्राचार्य पर विद्यार्थियों के साथ कथित अमानवीय व्यवहार करने, उन्हें मुर्गा बनाकर जूतों से पीटने और कांटेदार लकड़ी से मारपीट करने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। घटना से संबंधित समाचार और वीडियो सामने आने के बाद भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ने गहरी चिंता जताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया है। ट्रस्ट ने इस मामले को बच्चों के मानवाधिकार, सम्मान और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए संबंधित विभागों एवं मंत्रालयों को शिकायत पत्र भेजकर उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। संगठन ने मांग की है कि जांच पूरी होने तक आरोपित प्राचार्य को विद्यार्थियों के सीधे संपर्क से दूर रखा जाए। उपलब्ध वीडियो और अन्य साक्ष्यों की जांच कर आरोप सिद्ध होने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही पीड़ित विद्यार्थियों को सुरक्षा और न्याय उपलब्ध कराया जाए तथा विद्यालय प्रबंधन की भूमिका की भी जांच हो। ट्रस्ट के राष्ट्रीय



अध्यक्ष सुनील सिंह यादव ने कहा कि विद्यालय बच्चों के भविष्य निर्माण का स्थान है, न कि भय और प्रताड़ना का केंद्र। बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की शारीरिक हिंसा या मानसिक प्रताड़ना स्वीकार्य नहीं है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। संस्थापक मालती सुनील सिंह यादव, राष्ट्रीय सचिव शिवम तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक डॉ. प्रेम कुमार वैद्य, राष्ट्रीय महामंत्री साधना सेठी, डॉ. हरीश शर्मा एवं रामवेश सिंह राजावत, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुरेंद्र प्रकाश यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधु शर्मा, युवा शाखा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा यादव, राष्ट्रीय विधिक सलाहकार इंद्रजीत सिंह चौहान, राष्ट्रीय मंत्री मनीष गुप्ता, राष्ट्रीय समन्वयक सुनील सेठिया, हेल्पलाइन प्रभारी युवराज सिंह राठौर तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन चायवाले ने संयुक्त संदेश जारी कर बच्चों की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोपरि बताया। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और समयबद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि विद्यालयों में बाल सुरक्षा नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। संगठन ने बच्चों, महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों के मानवाधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कानूनी कदम उठाते रहने का संकल्प दोहराया।



178 कार्टन अवैध शराब तस्करी के मामले में दो मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। रीको थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के मामले में करीब छह महीने से फरार चल रहे दो मुख्य सप्लायरों को ब्यावर से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी अप्रैल में मावल चौकी पर पकड़ी गई 178 कार्टन अवैध शराब की खेप के मामले में वांछित थे।पुलिस के अनुसार, 11 अप्रैल को मावल चौकी पर नाकाबंदी के दौरान एक ट्रेलर की तलाशी में 178 कार्टन अवैध शराब बरामद की गई थी। इस दौरान पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जबकि शराब के मुख्य सप्लायर पुष्पेंद्र सिंह और ओम सिंह फरार हो गए थे।दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर कई बार संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा देते रहे।

अचपुरा गांव में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 25 मरीजों की हुई जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अचपुरा (सिरोही)। पिंडवाड़ा तहसील के अचपुरा गांव में शनिवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। इसमें चिकित्सकीय दल ने 25 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। शिविर का आयोजन एम्स जोधपुर और जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग के अधीन दानवाव में संचालित जनजातीय स्वास्थ्य एवं अनुसंधान केंद्र की टेलीमेडिसिन टीम की ओर से किया गया।शिविर का निर्देशन केंद्र के प्रमुख अन्वेषक डॉ. कुलदीप सिंह ने किया। वे एम्स जोधपुर के बाल रोग एवं पारिवारिक चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष और पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता हैं। टीम में अतिरिक्त प्रोफेसर (औषध विज्ञान) डॉ. प्रदीप द्विवेदी, परियोजना समन्वयक डॉ. राखी द्विवेदी और डॉ. शिवपाल सिंह शामिल रहे।शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, सांस संबंधी समस्याओं, त्वचा रोग, स्त्री रोग, बाल रोग तथा कमर और घुटनों के दर्द की जांच की गई। चिकित्सकों ने ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों से बचाव, आयरनयुक्त भोजन, स्वच्छता और नियमित दंत सफाई के महत्व के बारे में भी जागरूक किया।गंभीर मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श और उपचार के लिए टेलीमेडिसिन सुविधा के माध्यम से अनुसंधान केंद्र भेजा गया। शिविर में केंद्र की टीम के श्रीमल, राजू, सूरज, ओमप्रकाश और गमाराम सहित सरपंच अन्दाराम व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन पर गहलोत का भजनलाल सरकार पर हमला, 45 लाख कनेक्शन के वादे के मुकाबले तीन साल में 14 लाख भी नहीं लगे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंचाने की योजना को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी सोशल मीडिया वीडियो श्रृंखला 'बजट फाइल्स' का पहला एपिसोड जारी कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। गहलोत ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि चुनावी वादों और बजट घोषणाओं के बावजूद ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन देने की रफ्तार बेहद धीमी है।गहलोत के अनुसार, भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान वर्ष 2025 तक हर घर तक पानी पहुंचाने का वादा किया था। इसके बाद फरवरी 2024 के बजट में 25 लाख और वर्ष 2025 के बजट में 20 लाख नए नल कनेक्शन देने की घोषणा की गई। इस तरह कुल 45 लाख कनेक्शन का लक्ष्य रखा गया, लेकिन उनके दावे के मुताबिक करीब तीन वित्त वर्षों में भी 14 लाख कनेक्शन का आंकड़ा पार नहीं हो सका।उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में 9.44 लाख, वर्ष 2025-26 में 2.71 लाख और चालू वित्त वर्ष में अक्टूबर तक करीब 79 से 89 हजार कनेक्शन दिए गए।गहलोत ने कांग्रेस सरकार के वर्ष 2022-23 के 13.88 लाख कनेक्शनों की तुलना भाजपा सरकार के तीन वित्त वर्षों के कुल 12.95 लाख कनेक्शनों से करते हुए सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के करीब 44 लाख ग्रामीण परिवार अब भी नल से जल मिलने का इंतजार कर रहे हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सरकार बजट में बड़ी घोषणाएं कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका लाभ लोगों तक नहीं पहुंच रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा गति बनी रही तो ग्रामीण परिवारों को पेयजल सुविधा के लिए दशकों तक इंतजार करना पड़ सकता है।

टोंक में 40 हजार लोग मधुमेह की चपेट में, 49 बच्चों का भी चल रहा उपचार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



टोंक। जिले में मधुमेह के बढ़ते मामले स्वास्थ्य विभाग के लिए चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। स्थिति यह है कि जिले में करीब 40 हजार लोग इस बीमारी से पीड़ित पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 37 वर्ष से अधिक आयु के करीब चार लाख लोगों की जांच की गई, जिसमें लगभग 10 प्रतिशत लोगों में मधुमेह की पुष्टि हुई। चिंताजनक पहलू यह है कि अब बच्चे भी इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। जिले में 49 बच्चों का उपचार चल रहा है। 14 नवंबर को बाल दिवस के साथ विश्व मधुमेह दिवस भी मनाया जाता है। ऐसे में बच्चों की बदलती जीवनशैली और खानपान को लेकर विशेष सतर्कता जरूरी है। जंक फूड, पैकेटबंद खाद्य पदार्थ, मीठे पेय पदार्थ और मोबाइल-टीवी के सामने लंबे समय तक बैठे रहने की आदत बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शैलेंद्र चौधरी के अनुसार, जिले में करीब चार लाख लोगों की जांच में 40 हजार मधुमेह पीड़ित मिले हैं। राजकीय सआदत अस्पताल में प्रतिदिन 50 से 60 मरीज मधुमेह के उपचार के लिए पहुंचते हैं, जबकि गैर संचारी रोग विभाग की बाह्य रोगी सेवा में रोजाना करीब 150 मरीज जांच करवाते हैं।अस्पताल में पांच वर्ष से अधिक उम्र के 27 बच्चों को मधुमेह की दवाएं दी जा रही हैं, राजकीय सआदत अस्पताल में प्रतिदिन 50 से 60 मरीज मधुमेह के उपचार के लिए पहुंचते हैं, जबकि गैर संचारी रोग विभाग की बाह्य रोगी सेवा में रोजाना करीब 150 मरीज जांच करवाते हैं।अस्पताल में पांच वर्ष से अधिक उम्र के 27 बच्चों को मधुमेह की दवाएं दी जा रही हैं,जबकि जनाना अस्पताल में 22 बच्चों को इंसुलिन दी जा रही है।शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जगदीश गुर्जर के अनुसार बच्चों में मुख्य रूप से टाइप-1 और टाइप-2 मधुमेह देखने को मिलती है। टाइप-1 में शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता। ऐसे में बच्चों में असामान्य प्यास लगना, बार-बार पेशाब आना, वजन घटना और अत्यधिक थकान जैसे लक्षण दिखाई देने पर अभिभावकों को तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए।

राजस्थान की सीमाओं पर तीन साल तक चलता रहा अवैध वसूली का खेल, अब होर्डिंग लगाकर जिम्मेदारी से बचने में जुटा परिवहन विभाग!

आधा दर्जन से अधिक कथित अवैध चैकपोस्टों पर रोजाना हजारों वाहनों से वसूली के आरोप, 200 करोड़ रुपए के अवैध कारोबार का अनुमान; बड़ा सवाल- तीन साल तक कहां सोया रहा विभागीय मुख्यालय?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर गंभीर सवालों के घेरे में है। सीमावर्ती इलाकों में कथित अवैध वसूली का खेल तीन साल तक चलता रहा और अब विभाग उन्हीं स्थानों पर होर्डिंग लगवाकर वाहन चालकों को बता रहा है कि यहां कोई चैकपोस्ट नहीं है। विभाग की इस पहल ने भ्रष्टाचार पर नियंत्रण के दावों के बजाय उसकी निगरानी व्यवस्था की पोल खोल दी है। सवाल यह है कि जब चैकपोस्ट बंद थीं तो तीन साल तक किसके संरक्षण में वाहनों से खुलेआम वसूली होती रही? वर्ष 2022 में परिवहन विभाग ने बॉर्डर चैकपोस्ट और कर संग्रहण केंद्रों की व्यवस्था बंद कर दी थी। इसके बावजूद आरोप हैं कि आरटीओ के उड़नदस्तों ने सीमाओं पर अपने स्तर पर अवैध जांच केंद्र बना लिए। यहां राजस्थान में प्रवेश करने वाले वाहनों से कथित तौर पर 100 से 500 रुपए तक वसूले जाते थे। अनुमान के मुताबिक, आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर रोजाना करीब चार हजार वाहन गुजरते थे। इस आधार पर तीन वर्षों में करीब 200 करोड़ रुपए की अवैध वसूली का अनुमान जताया जा रहा है।ओवरलोड वाहनों से 500 और सामान्य भार वाले वाहनों से 100

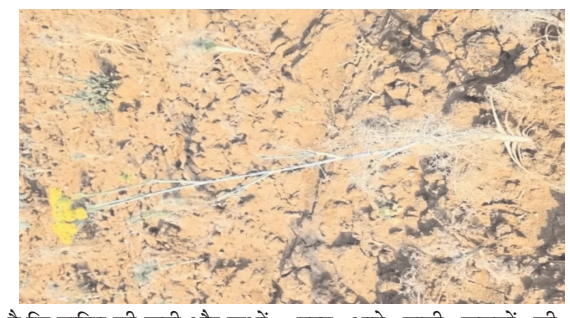


रुपए लेने की शिकायतें सामने आती रहीं। वसूली को लेकर ट्रक चालकों और उड़नदस्तों के बीच विवाद तथा मारपीट की घटनाएं भी हुईं। कुछ स्थानों पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कार्रवाई भी हो चुकी है। धौलपुर में शिकायतों के बाद चार परिवहन निरीक्षकों को हटाने की कार्रवाई की गई।धौलपुर, रतनपुर, शाहजहांपुर, मावल, मंडार, सांचौर और चित्तौड़गढ़ सहित कई सीमावर्ती स्थानों पर ऐसी अवैध चैकपोस्ट संचालित होने की शिकायतें रही हैं। इन स्थानों पर तैनाती को लेकर अधिकारियों के बीच कथित प्रतिस्पर्धा की बातें भी सामने आती रही हैं।अब विभाग ने इन स्थानों पर होर्डिंग लगवाकर वाहन चालकों को वाहन नहीं रोकने की चेतावनी दी है। परिवहन आयुक्त पुरुषोत्तम शर्मा के अनुसार, कुछ निरीक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और जागरूकता के लिए होर्डिंग लगाए गए हैं।लेकिन सबसे बड़ा सवाल अब भी अनुत्तरित है। यदि विभाग को इन गतिविधियों की जानकारी थी तो समय रहते इन्हें बंद क्यों नहीं कराया गया? क्या केवल कुछ निरीक्षकों को हटाने से करोड़ों की कथित वसूली के पूरे तंत्र की जिम्मेदारी तय हो जाएगी? तीन साल तक चलने वाले इस खेल में निगरानी अधिकारियों और उच्च स्तर के जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच कब होगी? होर्डिंग लगाना आसान है, लेकिन जनता को यह जवाब कौन देगा कि सरकारी व्यवस्था की नाक के नीचे अवैध वसूली का इतना बड़ा नेटवर्क आखिर कैसे चलता रहा?

कम बारिश ने किसानों की तोड़ी कमर, नागाणी में सूख रही लाखों की सौंफ की फसल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागाणी (सिरोही)। इस साल मानसून की कमजोर बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। पर्याप्त वर्षा नहीं होने से कुओं का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। खेतों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण सौंफ सहित अन्य फसलें सूखकर बर्बाद हो रही हैं। सबसे ज्यादा नुकसान महंगी सौंफ की खेती करने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है। जिन किसानों को फसल से लाखों रुपए की आमदनी की उम्मीद थी, वे अब अपनी आंखों के सामने मेहनत बर्बाद होते देखने को मजबूर हैं।किसानों ने खेत तैयार करने, जुताई, बीज और खाद पर हजारों से लाखों रुपए खर्च किए हैं। कई किसानों ने कर्ज लेकर बुआई की थी। अब लागत निकालना भी मुश्किल दिखाई दे रहा है। सूखती फसलों के कारण परिवार के पालन-पोषण और पशुओं के चारे की व्यवस्था को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।किसानों ने सरकार से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल विशेष गिरदावरी करवाकर वास्तविक नुकसान का आकलन करने और उचित मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही फसल बीमा योजना का लाभ शीघ्र दिलाने की अपील की है।किसान जीतू भाई घांची और लखमाराम चौधरी का कहना



है कि बारिश की कमी और कुओं में पानी घटने से फसल बचाना मुश्किल हो गया है। खेती पर किया गया खर्च भी निकलने की उम्मीद नहीं है।वहीं, कृषि विभाग सिरोही के संयुक्त निदेशक पन्नालाल चौधरी के अनुसार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत आने वाली फसलों की गिरदावरी की जा रही है। पानी की कमी होने पर किसान सिंचाई व्यवस्था का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अधिक तापमान के कारण भी फसलों को नुकसान पहुंच रहा है।

IAS शिखर अग्रवाल की मुश्किलें बढ़ीं, एसीबी ने प्रदूषण नियंत्रण मंडल से मांगा पुराना रिकॉर्ड

पर्यावरणीय मंजूरियों, एनओसी और नियमों में बदलाव का मांगा हिसाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में 40 विला-कॉटेज खरीद मामले को लेकर आईएएस शिखर अग्रवाल की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मामले की जांच का दायरा बढ़ाते हुए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल से उनके कार्यकाल के दौरान विभिन्न परियोजनाओं को दी गई पर्यावरणीय मंजूरियों का पुराना रिकॉर्ड तलब किया है। अब जांच में यह भी खंगाला जा रहा है कि किन परियोजनाओं को अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) दिए गए और क्या नियमों तथा शर्तों में कोई बदलाव किया गया था।एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र ने 9 नवंबर 2026 को प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सचिव को पत्र लिखकर प्रमाणित दस्तावेज मांगे हैं। इसमें अप्रैल 2022 से फरवरी 2024 तक जारी एनओसी, निर्माण और संचालन की सहमति से जुड़ी जांच सूची में बदलाव, भूमि रूपांतरण तथा वन संबंधी अनापत्ति की शर्तों का विवरण मांगा गया है।इसके अलावा नाहरगढ़ संवेदनशील क्षेत्र की 8 मार्च 2019 की अधिसूचना में किसी प्रकार के बदलाव और उसके औचित्य की जानकारी भी मांगी गई है। एसीबी ने यह स्पष्ट करने को कहा है कि यदि नियमों में परिवर्तन किए गए तो उन्हें किस सक्षम स्तर पर मंजूरी दी गई।इससे पहले एसीबी वित्त विभाग, उद्योग आयुक्त, जयपुर सहित उदयपुर और अलवर के जिला कलेक्टरों तथा उप-पंजीयकों समेत आठ प्रमुख स्थानों से संपत्ति खरीद और रियायती पैकेज से जुड़े दस्तावेज



मांग चुकी है। विला निर्माण करने वाली कंपनी से भी रिकॉर्ड तलब किया जा चुका है। गौरतलब है कि शिखर अग्रवाल जुलाई 2023 से सितंबर 2024 तक राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष रहे थे। अब जांच एजेंसी उनके कार्यकाल में लिए गए फैसलों और परियोजनाओं को मिली मंजूरियों से संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। हालांकि, दस्तावेज मांगे जाने का अर्थ किसी अनियमितता की पुष्टि होना नहीं है। जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पंचायत चुनाव में अव्यवस्थाओं की पोल खुली, कहीं ईवीएम खराब तो कहीं बटन दबाने के लिए डालना पड़ा तेल

टोंक के तुरकिया में दो बूथों पर तीन घंटे देरी से शुरू हुआ मतदान, दाखिया में मशीन का बटन ठीक करने के लिए लगाया तेल; मतदाताओं को हुई परेशानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। जिले में पंचायत राज चुनाव के चौथे चरण के मतदान के दौरान शनिवार को कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम मशीनों की खराबी ने निर्वाचन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। कहीं मशीनें बंद रहने से मतदान शुरू होने में देरी हुई तो कहीं बटन ठीक से काम नहीं करने के कारण मतदाताओं को परेशानी उठानी पड़ी। तुरकिया गांव में दो बूथों पर सुबह 10 बजे तक मतदान शुरू नहीं हो सका, जबकि दाखिया में मशीन के बटन में तेल डालने के बाद मतदान प्रक्रिया सुचारू हो पाई।निवाई के तुरकिया गांव के वार्ड संख्या 15 में बूथ संख्या 151 और 152 पर लगाई गई दोनों ईवीएम मशीनें खराब हो गईं। इसके चलते सुबह 7 बजे शुरू होने वाला मतदान करीब तीन घंटे तक बाधित रहा। बाद में मशीनें चालू होने पर मतदान शुरू कराया गया। देरी के कारण प्रशासन को इन बूथों पर निर्धारित समय से अधिक देर तक मतदान करवाने की व्यवस्था करनी पड़ी।इसी तरह दाखिया ग्राम पंचायत मुख्यालय स्थित स्कूल के बूथ संख्या 15 पर ईवीएम का बटन ठीक से काम नहीं कर रहा था। मतदाताओं को बटन दबाने के लिए काफी जोर लगाना पड़ रहा था, जिससे मतदान की गति धीमी हो गई। सूचना मिलने पर टोंक तहसीलदार अजीत पाल यादव मौके पर पहुंचे और मशीन के बटन में तेल डलवाया। इसके बाद बटन ने काम करना शुरू किया।उधर, हथोना के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए मतदान केंद्र पर मतदाताओं की कतारें लगी रहीं। यहां कांग्रेस प्रत्याशी अलका बैरवा भी मौजूद रहीं। मेहंदवास के राजकीय महात्मा उच्च माध्यमिक



विद्यालय में भी ग्रामीण जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान करने पहुंचे।इस चरण में टोंक, निवाई, मालपुरा के आंशिक क्षेत्र और टोडारायसिंह पंचायत समितियों के 74 वार्डों तथा जिला परिषद के 13 सदस्यों के लिए मतदान हुआ। कुल 3 लाख 76 हजार 570 मतदाताओं के लिए जिले में 414 मतदान केंद्र बनाए गए थे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर टीना डाबी के अनुसार मतदान प्रक्रिया के लिए 2641 कार्मिक तैनात किए गए थे। पंचायत चुनाव के अगले चरण में 16 नवंबर को सरपंच और वार्ड पंचों के लिए मतदान होना है।

राजस्थान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ, जैसलमेर-श्रीगंगानगर में बारिश; माउंट आबू में सबसे ज्यादा ठंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदल गया है। शनिवार को जैसलमेर और श्रीगंगानगर में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने प्रदेश के 10 से अधिक जिलों में अगले दो दिनों तक बारिश और तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम में आए बदलाव से तापमान में गिरावट के साथ ठंड का असर भी बढ़ने लगा है। पिछले 24 घंटों के दौरान बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, फलोदी, जैसलमेर और झुंझुनूं में दोपहर बाद आसमान में हल्के बादल छाए रहे। इन इलाकों में ठंडी हवाएं भी चलीं। शुक्रवार को चित्तौड़गढ़ 35.8 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ प्रदेश में सबसे गर्म रहा, जबकि बाड़मेर में 35.5 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। रात के तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सिरोही में न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री रहा।मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 14 नवंबर को छह जिलों में बादल छाने, तेज हवाएं चलने और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश का यलो अलर्ट जारी किया था। वहीं 15 नवंबर को आठ जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार 16 नवंबर से प्रदेश के अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। इससे आने वाले दिनों में सर्दी का असर और बढ़ने की संभावना है



बाल विवाह के खिलाफ 50 किशोरियों ने ली शपथ, परिवार और समाज को जागरूक करने का लिया संकल्प

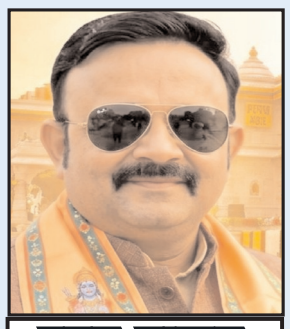
जन चेतना संस्थान ने बताए बाल विवाह के सामाजिक, शारीरिक और मानसिक दुष्परिणाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। आबूरोड। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जन चेतना संस्थान की ओर से किशोरियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 50 किशोरियों ने बाल विवाह के विरोध और इसके खिलाफ समाज को जागरूक करने की शपथ ली।कार्यक्रम में किशोरियों को बाल विवाह के सामाजिक, शारीरिक और मानसिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। बताया गया कि कम उम्र में विवाह होने से बालिकाओं की शिक्षा बाधित होती है और उनके स्वास्थ्य के साथ मानसिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।किशोरियों ने संकल्प लिया कि वे बाल विवाह का विरोध करेंगी और अपने परिवार तथा समुदाय के लोगों को भी इसके नुकसान के प्रति जागरूक करेंगी। संस्थान की ओर से बताया गया कि बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण के लिए परिवार, समुदाय और किशोरियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।इसमें करीब 50 किशोरियों ने बाल विवाह के विरोध और इसके खिलाफ समाज को जागरूक करने की शपथ ली।कार्यक्रम में किशोरियों को बाल विवाह के सामाजिक, शारीरिक और मानसिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। बताया गया कि कम उम्र में विवाह होने से बालिकाओं की शिक्षा बाधित होती है और उनके स्वास्थ्य के साथ मानसिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।किशोरियों ने संकल्प लिया कि वे बाल विवाह का विरोध करेंगी और अपने परिवार तथा समुदाय के लोगों को भी इसके नुकसान के प्रति जागरूक करेंगी। संस्थान की ओर से बताया गया कि बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण के लिए परिवार, समुदाय और किशोरियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण के लिए परिवार, समुदाय और किशोरियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।



पार्किंग शुल्क में बढ़ोतरीः अहमदाबाद के लोगों के लिए चिंता सिर्फ जेब खाली होने की नहीं, बल्कि अव्यवस्था और दुर्व्यवहार के डर की है!



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

जैसे-जैसे अहमदाबाद में जीवन की गति तेज हो रही है, शहर की सड़कों पर ट्रैफिक और पार्किंग की समस्याएं गंभीर रूप लेती जा रही हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी अगर आने वाले समय में अहमदाबाद के निवासी अपने निजी वाहनों को छोड़कर BRTS, AMTS या मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन (पब्लिक ट्रांसपोर्ट) का विकल्प चुन लें। ऐसा इसलिए है क्योंकि शहर में ट्रैफिक और पार्किंग से जुड़ी चुनौतियां कम होने वाली नहीं हैं; बल्कि, ये दिन-ब-दिन और भी गंभीर होती जाएंगी। इसी बीच, अहमदाबाद नगर निगम ने 'पे-एंड-पार्क' शुल्क बढ़ाने की तैयारी कर ली है–एक ऐसा कदम जिसने शहर के निवासियों के बीच नई चर्चा छेड़ दी है।

एक तरफ, अधिकारियों का तर्क है कि पार्किंग शुल्क बढ़ाने और कड़े नियम लागू करने से अहमदाबाद के लोगों की ट्रैफिक और पार्किंग से जुड़ी आदतें बेहतर होंगी, जिससे अंततः शहर में एक अधिक व्यवस्थित प्रणाली बनेगी। प्रशासन का मानना ??है कि अधिक खर्च लोगों को बिना जरूरत निजी वाहन निकालने से रोकेगा, जिससे सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि कागजों पर यह विचार सही और प्रगतिशील लग सकता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। सच तो यह है कि अहमदाबाद के लोगों की परेशानी का मुख्य कारण सिर्फ ज्यादा पार्किंग शुल्क देना नहीं है!

अहमदाबाद के नागरिक बेहतर सुविधाओं, समय की बचत और अपने वाहनों की सुरक्षा के लिए थोड़ा अतिरिक्त भुगतान करने को तैयार रहते हैं। लेकिन, एक आम इंसान का नाराज होना स्वाभाविक है, जब पैसे चुकाने के बावजूद उसे पार्किंग सेवाओं के नाम पर दुर्व्यवहार, दादागिरी और पूरी तरह से अव्यवस्था का सामना करना पड़े।

फिलहाल, शहर भर की ज्यादातर 'पे-एंड-पार्क' सुविधाओं में, लोगों को ठेकेदारों के कर्मचारियों के मनमाने व्यवहार और खराब प्रबंधन का सामना करना पड़ता है। पार्किंग के दौरान सही मार्गदर्शन मिलने के बजाय, लोगों को अक्सर रूखे और बदतमीजी भरे जवाब मिलते हैं। कई जगहों पर तो ऑपरेटर पार्किंग की रसीद देने से भी कतराते हैं और वाहनों की सुरक्षा की कोई जिम्मेदारी नहीं लेते। इसके अलावा, बड़े कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और मॉल में बेसमेंट में काफी बड़ी पार्किंग होने के बावजूद, अक्सर प्रवेश द्वार पर ही लोगों को यह कहकर लौटा दिया जाता है कि पार्किंग फुल है। असल में, अंदर जगह खाली होती है, लेकिन उसे कॉम्प्लेक्स के मेंटेनेंस या अपने स्टाफ के लिए रिज़र्व रखा जाता है, जबकि आम लोगों को अंदर जाने से रोक दिया जाता है।

नतीजतन, लोगों को अपनी गाड़ियां सार्वजनिक सड़कों पर खड़ी करनी पड़ती हैं, जिसके बाद उनकी गाड़ियां ट्रैफिक पुलिस की टोइंग वैन उठा ले जाती हैं या उन्हें ई-चालान मिल जाता है। एक तरफ प्रशासन का जोर इस बात पर होता है कि गाड़ियां तय पार्किंग जगहों पर ही खड़ी की जाएं, और दूसरी तरफ हकीकत यह है कि वहां कोई जगह खाली ही नहीं होती।

इस दोहरे रवैये का खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ता है। इसके अलावा, कई जगहों पर पार्किंग इतनी दूर होती है कि वहां से अपनी मंजिल तक पैदल जाना बुजुर्गों या परिवार के साथ आए लोगों के लिए बहुत मुश्किल हो जाता है।

अहमदाबाद के लोगों की उम्मीदें बहुत सीधी, जायज और स्पष्ट हैं। अगर प्रशासन पार्किंग का शुल्क बढ़ाता है, तो बदले में नागरिकों को उनकी मंजिल के पास सुरक्षित, साफ और व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा मिलनी चाहिए। प्रशासन को बड़े कॉम्प्लेक्स और इमारतों के मालिकों पर कड़ी नज़र रखनी चाहिए ताकि वे पार्किंग सुविधा होने के बावजूद 'जगह नहीं है' जैसा झूठा दावा न करें, बल्कि नियमों के अनुसार लोगों को अंदर आने दें। साथ ही, 'पे-एंड-पार्क' कॉन्ट्रैक्टर्स के कर्मचारियों को सही ट्रेनिंग दी जानी चाहिए ताकि वे नागरिकों के साथ शालीनता और सम्मान से पेश आएं। अगर पार्किंग सिस्टम में सुधार हो, पर्याप्त जगह उपलब्ध हो और कॉन्ट्रैक्टर्स की मनमानी पर रोक लगे, तो अहमदाबाद के लोग खुशी-खुशी ज्यादा शुल्क देने और नियमों का पालन करने के लिए तैयार हो जाएंगे।

वरना, सिर्फ शुल्क बढ़ाने से ट्रैफिक की समस्या हल नहीं होगी; इससे आम जनता की मुश्किलें और असंतोष और ज्यादा बढ़ जाएंगे। अहमदाबाद को ट्रैफिक मुक्त और व्यवस्थित शहर बनाने के लिए केवल पार्किंग शुल्क बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है। नगर निगम को पहले मौजूदा पार्किंग व्यवस्था की खामियों को दूर करना होगा और ठेकेदारों की जवाबदेही तय करनी होगी। पार्किंग की उपलब्धता, रसीद, सुरक्षा और कर्मचारियों के व्यवहार पर नियमित निगरानी जरूरी है।

नागरिकों से अधिक शुल्क वसूलने से पहले उन्हें यह भरोसा दिलाना होगा कि उनका पैसा बेहतर सुविधा के रूप में वापस मिलेगा। आखिरकार, स्मार्ट शहर की पहचान महंगे पार्किंग शुल्क से नहीं, बल्कि नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं और सुगम यातायात व्यवस्था से होती है।

नफरत कोई योग्यता नहीं, आग हैः जलना है या मुक्त होना है?

ज़हर खुद पीना और यह उम्मीद करना कि सामने वाला मर जाए, इसी का नाम नफरत है।



हम अपनी पूरी जिंदगी किसी को पछाड़ने, किसी से बदला लेने या किसी के प्रति अंदर ही अंदर सुलगने में बर्बाद कर देते हैं। जरा रुककर आईने के सामने खड़े होकर पूछिए– इस नफरत से नुकसान किसका हुआ? सामने वाला तो अपनी दुनिया में शांति से सो रहा है, और आपके अंदर की आग आपको ही जीते जी भस्म कर रही है।

बदला कायरों का काम है, क्षमा वीरों का हथियार

महाभारत में अश्वत्थामा से लेकर दुर्योधन तक के सभी पात्र बदले की आग में राख हो गए। बदला हमेशा विनाश लाता है। सामने वाले द्वारा किए गए अपमान या अन्याय का जवाब अगर आप नफरत से देंगे, तो आपमें और उसमें फर्क ही क्या रह जाएगा ? किसी के प्रति नफरत रखने का मतलब है अपने मन की चाबी उसके हाथ में सौंप देना। जब आप किसी से नफरत करते हैं, तो वास्तव में आप उसे अपने विचारों पर राज करने की छूट देते हैं। क्या आप इतने सस्ते हैं कि कोई भी मामूली व्यक्ति आपका पूरा दिन या आपकी मानसिक शांति बर्बाद कर जाए? सब्र (धैर्य) कायरता नहीं, शांत तूफान हैः वार हमेशा तुरंत ही नहीं करना होता। कभी-कभी समय को अपना काम करने देना चाहिए। जो धैर्य रखता है, समय अंततः उसी के पक्ष में खड़ा होता है। दया (करुणा) ऊंचे कद का लक्षण हैः जो इंसान अंदर से टूटा हुआ और भिखारी होता है, वही दूसरों को दर्द देता है। सामने वाले की गंदगी देखकर खुद गंदे न हों; उसकी मानसिक गरीबी पर तरस खाएं। माफी गर्दन झुकाना नहीं, जंजीर तोड़ना हैः माफी सामने वाले पर कोई अहसान नहीं है, बल्कि खुद को जेल से आजाद करने की चाबी है। संबंध रखना है या नहीं, यह आपका फैसला है, लेकिन मन से बैर निकाल देना आपकी आत्ममुक्ति है। (जाने दो) कूड़ेदान खाली करोः सिर पर बीते हुए समय और लोगों की कड़वाहट का कचरा उठाकर कभी ऊंची उड़ान नहीं भरी जा सकती। जो खत्म हो गया, उसे पूर्णविराम दें और आगे बढ़ें।

दुश्मन को खत्म करने का असली तरीका

अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन को उनके ही कट्टर विरोधी एडविन स्टैंटन ने सरेआम अपमानित किया था, उन्हें 'मूर्ख' और 'गोरिल्ला' कहकर नीचा दिखाया था। लेकिन जब लिंकन राष्ट्रपति बने, तब उन्होंने सेना जैसे सबसे महत्वपूर्ण मंत्रालय के प्रमुख के रूप में उसी स्टैंटन को नियुक्त किया।

लिंकन के मित्रों ने विरोध कियाः 'आपने अपने कट्टर दुश्मन को इतना बड़ा पद क्यों दिया? आपको तो उसे खत्म कर देना चाहिए!' लिंकन ने मुस्कुराते हुए कहाः 'जब मैं किसी दुश्मन को अपना मित्र बना लेता हूँ, तो क्या मैं उसे हमेशा के लिए खत्म नहीं कर देता?' लिंकन का जब निधन हुआ, तब उनके पार्थिव शरीर के सामने खड़े होकर सबसे ज्यादा फूट-फूटकर रोने वाला व्यक्ति एडविन स्टैंटन ही था। यह है नफरत के बजाय संयम और विवेक से जीतने का परिणाम। बदला लेना सस्ता है, बड़ा बनना मुश्किल है। किसी के गाल पर तमाचा मारकर उसे गिरा देना कोई बहादुरी नहीं है; कोई आप पर कीचड़ उछाले, फिर भी अपने व्यक्तित्व को बेदाग रखना असली ताकत है। नफरत के पीछे ऊर्जा जलाना मतलब सड़क पर भौंकने वाले हर कुत्ते के पीछे पत्थर लेकर दौड़ने जैसा है–मंजिल कभी नहीं मिलेगी। जिस पल आप किसी की कड़वाहट को 'जाने देते हैं', उसी पल आप साबित कर देते हैं कि आपका कद सामने वाले की गंदगी से कहीं ज्यादा ऊंचा है। किसी के शब्दों से घायल होना या हंसकर आगे बढ़ जाना, यह चुनाव पूरी तरह से आपका है। नफरत के पीछे अपनी शक्ति बर्बाद करने के बजाय, उस आग को अपने लक्ष्य, अपने सपनों और अपने आत्म-निर्माण में लगाएँ। जलाना ही है तो अपने आलस और कमजोरियों को जलाएँ; दुनिया को दिखा दें कि आपकी शांति किसी की औकात से डगमगा जाए, इतनी सस्ती नहीं है!

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवार्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर।

दिवाली के दीप बुझ गए, अब रिश्तों में उजाला करने का समय है



दिवाली के दिन अब विदा हो चुके हैं। घरों के आंगन में सजाई गई दीपों की कतारें धीरे-धीरे सिमट गई हैं। रंगोली के रंग फीके पड़ने लगे हैं, पटाखों की आवाजें शांत हो गई हैं और बाजारों की रौनक भी अब सामान्य दिनों की भीड़ में समा गई है। लेकिन त्योहारों का वास्तविक उत्सव केवल दीप जलाने, मिठाइयां बांटने या नए कपड़े पहनने तक सीमित नहीं होता। त्योहारों का असली उद्देश्य मन में प्रेम, आत्मीयता और रिश्तों की गर्माहट जगाना है। दिवाली के दिनों में हम अपने घरों की सफाई करते हैं, पुरानी वस्तुओं को व्यवस्थित करते हैं, घरों को रंग-रोगन से सजाते हैं और नई चीजों की खरीदारी करते हैं। लेकिन इसी बीच एक सवाल मन में उठता है कि क्या हमने कभी अपने रिश्तों की भी इसी तरह सफाई करने का प्रयास किया है? क्या वर्षों से मन में जमा गलतफहमियों, अहंकार, नाराजगी और खामोशी को दूर करने की कोशिश की है? जिस तरह हम घर के कोने-कोने से धूल हटाते हैं, उसी तरह रिश्तों में आई दूरियों को मिटाना भी जरूरी है। आज के समय में इंसान के पास सुख-सुविधाएं तो बढ़ गई हैं, लेकिन रिश्तों को देने के लिए समय लगातार कम होता जा रहा है। मोबाइल की स्क्रीन पर सैकड़ों लोगों से जुड़े रहने के बावजूद घर के ही किसी सदस्य से दो मीठे शब्द बोलने का समय नहीं मिलता। त्योहारों पर सामाजिक माध्यमों पर शुभकामनाओं की बौछार होती है, लेकिन किसी के मन का हाल जानने और उसके साथ आत्मीयता से बैठकर बातचीत करने का चलन कम होता जा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि हम तकनीक से जुड़े रहने के साथ-साथ अपनों के दिलों से जुड़ने का प्रयास भी करें। त्योहार हमें एक-दूसरे के करीब आने का संदेश देते हैं। पूरे वर्ष कामकाज, जिम्मेदारियों और व्यस्तताओं के कारण जिन रिश्तों में दूरियां आ गई हों, उन्हें फिर से प्रेम और विश्वास के साथ जोड़ने का यह अच्छा अवसर होता है। किसी बुजुर्ग का आशीर्वाद लेना, किसी पुराने मित्र से मिलना, किसी नाराज परिजन को मनाना या किसी अकेले व्यक्ति के साथ कुछ पल बिताना भी जीवन की बड़ी खुशियों में शामिल है। कई बार रिश्तों को जोड़ने के लिए बड़े उपहारों की नहीं, बल्कि थोड़े से समय, अपनत्व और सच्चे व्यवहार की जरूरत होती है। जीवन की एक सच्चाई यह भी है कि हर घर में दिवाली की रोशनी एक जैसी नहीं होती। किसी घर में नई खरीदारी की खुशी होती है, तो किसी परिवार में आर्थिक संघर्ष की खामोश पीड़ा होती है। किसी के लिए त्योहार अपनों के साथ मिलन का अवसर होता है, तो किसी के लिए यह अपनों की यादों और अकेलेपन के पल लेकर आता है। इसलिए त्योहारों की सच्ची खुशी तभी सार्थक होती है, जब हमारी खुशियों में किसी दूसरे के चेहरे पर मुस्कान लाने की भावना भी शामिल हो। किसी जरूरतमंद की सहायता करना, किसी दुखी व्यक्ति का हाल पूछना और किसी अकेले इंसान के साथ कुछ समय बिताना भी त्योहार की भावना को जीवंत बनाता है। दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। शायद जीवन का सबसे बड़ा संदेश भी यही है कि हम अपने अहंकार को कम करके दूसरों के जीवन में खुशियों का प्रकाश फैलाएं। रिश्तों में क्षमा, विश्वास, सहानुभूति और समझदारी का दीप जलाएं। यदि हम एक-दूसरे की भावनाओं को समझने लगें, छोटी-छोटी बातों पर नाराज होना छोड़ दें और जरूरत पड़ने पर पहल करके रिश्तों को संभालें, तो जीवन का हर दिन त्योहार जैसा बन सकता है।त्योहार हर वर्ष आएंगे और चले जाएंगे। बाजार फिर सजेंगे, घर फिर रोशनी से जगमगाएंगे और दीपों की कतारें फिर आंगन में चमकेंगी। लेकिन रिश्तों में एक बार पैदा हुई दूरी कभी-कभी वर्षों तक बनी रहती है। इसलिए दिवाली की विदाई को केवल उत्सव का अंत नहीं, बल्कि रिश्तों को नए सिरे से जीवंत बनाने की शुरुआत के रूप में देखना चाहिए। आइए, इस बार घरों की सजावट के साथ अपने मन को भी प्रेम से सजाएं और उन रिश्तों को फिर से संवारें, जिन्हें समय और परिस्थितियों ने कमजोर कर दिया है। क्योंकि घर में जलाया गया दीपक कुछ घंटों तक प्रकाश देता है, लेकिन हृदय में प्रज्वलित प्रेम जीवनभर उजाला फैलाता है। यही दिवाली का वास्तविक संदेश और रिश्तों की सबसे सुंदर रोशनी है।

लेखक : रूपेश सोलंकी,
भचाऊ, कच्छ

पत्रकारिता की स्वतंत्रता या राष्ट्रीय सुरक्षा?

नॉर्वेजियन पत्रकार हेले लिंग का वीजा रद्द होने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज

नई दिल्ली/हैदराबाद/ओस्लो। पत्रकारिता की स्वतंत्रता, राष्ट्रीय सुरक्षा और अभिव्यक्ति के अधिकारों को लेकर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय बहस छिड़ गई है। नॉर्वे की पत्रकार हेले लिंग का भारतीय वीजा ऐन मौके पर रद्द किए जाने की घटना ने मीडिया जगत से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल पैदा कर दी है। हेले लिंग को हैदराबाद में आयोजित भारत शिखर सम्मेलन में पैनलिस्ट के रूप में शामिल होना था, लेकिन सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत रवाना होने से ठीक पहले उनका वीजा रद्द कर दिया गया। इस घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर एक विदेशी पत्रकार को भारत आने से रोकने के पीछे क्या वजह थी और क्या यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा था या पत्रकारिता के सवालों से? हेले लिंग के मुताबिक, उन्होंने भारत आने के लिए सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर ली थीं। वह हवाई अड्डे पर बोर्डिंग गेट तक पहुंच चुकी थीं और यात्रा की तैयारी में थीं। इसी दौरान उन्हें जानकारी दी गई कि उनका भारतीय वीजा रद्द कर दिया गया है। उनके दावे के अनुसार, हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि यह फैसला उच्च स्तर से मिले निर्देशों के आधार पर लिया गया है, जिसमें गृह मंत्रालय के आदेश भी शामिल थे। हालांकि, इस कार्रवाई के पीछे के आधिकारिक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से विवाद और गहरा गया है। इस घटनाक्रम के बाद हेले लिंग के पिछले पत्रकारिता कार्य को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान उन्होंने एक प्रेस वार्ता में उनसे सीधे सवाल पूछे थे। इसके अलावा वह भारत सरकार की कुछ नीतियों और लोकतंत्र से जुड़े मुद्दों पर आलोचनात्मक टिप्पणियां और लेखन करती रही हैं। इसी पृष्ठभूमि को देखते हुए कुछ लोग वीजा रद्द किए जाने की कार्रवाई को उनके पत्रकारिता संबंधी सवालों से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि, केवल इस आधार पर कार्रवाई के पीछे की वास्तविक वजह तय नहीं की जा सकती। हैदराबाद में आयोजित शिखर सम्मेलन के आयोजकों और प्रेस की स्वतंत्रता के समर्थकों ने इस घटनाक्रम पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जिस सम्मेलन में पत्रकारिता, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर चर्चा होनी थी, उसमें शामिल होने जा रही विदेशी पत्रकार को ऐन मौके पर रोकना चिंताजनक है।

विपक्षी नेताओं ने भी इस मुद्दे को उठाते हुए कहा है कि ऐसी घटनाओं से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि प्रभावित हो सकती है। उनके अनुसार, लोकतंत्र में पत्रकारों के सवालों और आलोचनात्मक विचारों के लिए भी जगह होनी चाहिए। दूसरी ओर, राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की संप्रभुता को प्राथमिकता देने वाले पक्ष का तर्क है कि प्रत्येक देश को अपनी सीमाओं, आंतरिक सुरक्षा और वीजा नियमों के पालन का अधिकार है। किसी विदेशी नागरिक को प्रवेश देना या उसका वीजा रद्द करना संबंधित देश की नीतियों और कानूनी प्रक्रियाओं के दायरे में आता है।

यदि किसी व्यक्ति की वीजा श्रेणी, दस्तावेजों या अन्य कानूनी आवश्यकताओं को लेकर कोई समस्या हो, तो प्रशासन नियमानुसार कार्रवाई कर सकता है। इस पक्ष का मानना है कि वीजा रद्द करने के फैसले को बिना आधिकारिक कारण जाने सीधे राजनीतिक प्रतिशोध से जोड़ना उचित नहीं है।

दरअसल, यह पूरा विवाद एक व्यापक सवाल की ओर ध्यान खींचता है। किसी लोकतांत्रिक देश में पत्रकारिता की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए? एक ओर पत्रकारों को सवाल पूछने, सरकार की नीतियों की समीक्षा करने और असहमति व्यक्त करने का अधिकार मिलना चाहिए, वहीं दूसरी ओर किसी भी देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े नियमों का पालन भी आवश्यक है। लेकिन ऐसे मामलों में पारदर्शिता बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है, ताकि किसी प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर अनावश्यक संदेह और विवाद पैदा न हों। हेले लिंग का वीजा रद्द होने का मामला अब केवल एक पत्रकार की यात्रा रुकने तक सीमित नहीं रह गया है। यह प्रेस की स्वतंत्रता, सरकारी जवाबदेही, वीजा नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न सामने ला रहा है। भारत और नॉर्वे के संबंधों के संदर्भ में भी इस घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है।

आने वाले समय में यदि इस फैसले के पीछे के आधिकारिक कारण सार्वजनिक होते हैं, तो विवाद की वास्तविक तस्वीर अधिक स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल यह मामला इस बहस को फिर से सामने ले आया है कि लोकतंत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वतंत्र पत्रकारिता के बीच संतुलन बनाए रखना कितना जरूरी है।

आज का राशिफल

(रविवार) 15 नवम्बर 2026

मेष
विद्यार्थियों को करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। दोस्तों और परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा

वृषभ
मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों पर काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आपके काम की सराहना होगी।

मिथुन
कारोबार के लिहाज से दिन लाभदायक रहेगा। होटल, रेस्टोरेंट या खानपान से जुड़े जातकों को अच्छा मुनाफा मिल सकता है।

कर्क
व्यापार में उम्मीद से बढ़कर लाभ हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और पुराने मित्रों से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी।

सिंह
आपको अपने फैसलों में थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। विशेषकर पैसों के लेन-देन या जोखिम भरे निवेश से बचें।

कन्या
कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। विदेश या दूर-दूर के स्रोतों से मुनाफा हो सकता है। खान-पान पर विशेष ध्यान दें

तुला
आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण से दिन बहुत शानदार है। व्यापार में बिक्री बढ़ने से मुनाफा होगा।

वृश्चिक
आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा और उत्साह देखने को मिलेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी बड़े व्यक्ति से डील हो सकती है।

धनु
संतान पक्ष से कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है जिससे घर में उल्लास का माहौल रहेगा। नौकरी में पदोन्नति ट्रांसफर मिल सकता है।

मकर
अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में अपने अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। वरिष्ठ जनों की सलाह आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।

कुंभ
परिवार में लंबे समय से चली आ रही किसी समस्या का समाधान निकलेगा। यात्रा के दौरान थोड़ी सावधानी बरतें।

मीन
वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में समझदारी से कदम उठाएं। किसी पुराने निवेश से आपको बड़ा मुनाफा मिल सकता है।

दूध-दही, पनीर के पैकेट पर नया लोगो दिखेगाःइससे असली डेयरी प्रोडक्ट्स पहचान होगी

अब बाजार से दूध, दही और पनीर खरीदते समय असली डेयरी प्रोडक्ट्स को पहचानना आसान हो जाएगा। फूड सेफ्टी रेगुलेटर ने दूध और इससे बने सभी सामानों के पैकेट पर एक जैसा नया लोगो लगाना अनिवार्य कर दिया है।

1 जुलाई 2028 से डेयरी प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों को पैकेट पर नीले चौकोर बॉक्स के अंदर सफेद रंग की एक बूंद वाला निशान छापना होगा। इससे ग्राहक दुकान पर पैकेट देखते ही आसानी से पहचान सकेंगे कि वह असली डेयरी प्रोडक्ट है।

अभी दूध, दही, पनीर या घी जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स की पहचान के लिए पैकेट पर कोई खास या अलग कॉमन लोगो नहीं होता है। अभी डेयरी प्रोडक्ट के पैकेट पर सामान्य फूड प्रोडक्ट्स की तरह 3 मुख्य लोगो दिखाई देते हैं।

सवाल-1: डेयरी प्रोडक्ट्स अब नया लोगो क्यों जरूरी?

जवाबः डेयरी प्रोडक्ट्स पर दिखने वाले लोगों से अभी तक असली दूध-पनीर और नकली या प्लांट-बेस्ड ऑप्शन (जैसे सोया मिल्क या एनालॉग पनीर) के बीच पैकेट देखकर तुरंत फर्क करना मुश्किल था। इसी उलझन को खत्म करने के लिए अब सभी असली डेयरी प्रोडक्ट्स पर एक जैसा नीले-सफेद रंग की बूंद वाला लोगो अनिवार्य किया गया है।

सवाल -2: डेयरी प्रोडक्ट्स पर नया लोगो कब से दिखेगा?

जवाबः सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर खाने-पीने के सामानों की पैकेजिंग से जुड़े 2020 के पुराने नियमों में बदलाव किया है।

नया नियम अभी जारी हो गया है, लेकिन डेयरी कंपनियों को अपनी पैकेजिंग में यह बदलाव करने के लिए 1 जुलाई 2028 तक का समय दिया गया है।

इसके बाद दूध, दही, पनीर, घी, मक्खन और दूध से बनने वाली सभी चीजों (जैसे फ्लेवर्ड मिल्क या आइसक्रीम) के पैकेट पर यह नया लोगो छापना पूरी तरह जरूरी हो जाएगा।

सवाल-3: डेयरी प्रोडक्ट्स पर लोगो कैसा दिखेगा?

जवाब : नया लोगो नीले रंग के चौकोर बॉक्स के अंदर सफेद रंग की एक बूंद जैसा दिखेगा। ग्राहक इसे दूर से ही साफ देख सकें, इसके लिए FSSAI ने पैकेट के सामने वाले हिस्से के साइज के हिसाब से इस लोगो का कम से कम साइज भी तय कर दिया है। यानी पैकेट जितना बड़ा होगा, उस पर छपने वाला लोगो भी उतना ही बड़ा होगा।

सवाल-4: डेयरी प्रोडक्ट्स पर नए लोगो से क्या फायदा होगा?

जवाबः नए लोगो से ग्राहकों को 3 फायदे होंगे...

ग्राहक दुकान या सुपरमार्केट में पैकेट देखते ही समझ जाएंगे कि वह असली दूध या डेयरी से बना सामान है।

सभी कंपनियों के पैकेट पर एक जैसा लोगो होने से असली और नकली या मिलते-जुलते प्रोडक्ट्स के बीच भ्रम नहीं रहेगा।

खरीदारों के लिए पैकेट पर लिखी जरूरी जानकारियों को समझना और सही सामान चुनना आसान हो जाएगा।



सवाल-5: कंपोजिट मिल्क प्रोडक्ट्स क्या होते हैं?

जवाबः ऐसे प्रोडक्ट्स जिनमें दूध या मिल्क सॉलिड्स मुख्य हिस्सा होते हैं, लेकिन उनमें स्वाद या अन्य गुणों के लिए गैर-डेयरी सामग्री (जैसे चीनी, फल, कोको, नट्स या मसाले) भी मिलाई जाती है। उदाहरण के लिए- फ्लेवर्ड मिल्क, आइसक्रीम, मिल्क चॉकलेट या श्रीखंड।

फरवरी 2025 के ड्राफ्ट के बाद लिया गया अंतिम फैसला

इस नए नियम को बनाने की शुरुआत फरवरी 2025 में हुई थी, जब FSSAI ने इसका शुरुआती ड्राफ्ट (कच्चा मसौदा) जारी किया था। उस समय सरकार ने डेयरी कंपनियों, व्यापारियों और आम लोगों से इस बदलाव पर उनकी राय और आपत्तियां मांगी थीं। सभी की सलाह पर विचार करने के बाद अब इस नियम को पक्का कर दिया गया है खाने-पीने के किसी पैक सामान में अगर नमक-शकर या सैचुरेटेड फैट की मात्रा लिमिट से ज्यादा हुई तो पैकेट पर षटकोण लाल निशान होगा। चेतावनी भी लिखी होगी। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट में पेश किया है। इसका मकसद ऐसे फूड आइटम को लेकर लोगों को सावधान करना है। FSSAI के प्रस्ताव के मुताबिक, यह वार्निंग लेबल लाल रंग के षटकोण आकार का होगा। इसे पैकेट के सामने लगाया जाएगा।

पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ी, अब विधानसभा के सामने प्रोटेस्ट... आखिर क्यों गुस्से में हैं लखनऊ के वकील?

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लखनऊ। बार एसोसिएशन और सेंट्रल बार एसोसिएशन ने वकीलों की सुरक्षा के लिए अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर विधानसभा का घेराव करने का आह्वान किया था. वकीलों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग लगाई गई थी, लेकिन वकील ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और वे विधानसभा के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं.लखनऊ में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर वकील विधानसभा के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं. लखनऊ बार एसोसिएशन और सेंट्रल बार एसोसिएशन ने इस प्रदर्शन का आह्वान किया था. लखनऊ बार एसोसिएशन और सेंट्रल बार एसोसिएशन के मद्देनजर पुलिस ने व्यापक व्यवस्था की थी. बैरिकेडिंग लगाई गई थी, लेकिन वकील बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया. वकील हजरतगंज चौराहे से लेकर विधानसभा तक की कई बैरिकेडिंग तोड़ते हुए विधानसभा के सामने पहुंचे.सेंट्रल बार एसोसिएशन के महामंत्री अवनीश दीक्षित ने आज तक से बातचीत करते हुए कहा कि हापुड़ में हुई घटना के बाद वकीलों की सुरक्षा के लिए अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम का एक ड्राफ्ट तैयार किया गया था, लेकिन उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया. दरअसल, वकीलों के साथ आए दिन हो रही आपराधिक घटनाएं असुरक्षा का भाव पैदा कर रही हैं. इसलिए वकील अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग कर रहे हैं.वकीलों की मांग है कि सरकार उस ड्राफ्ट को वकीलों के सामने रखें और जल्द से जल्द अधिवक्ता की सुरक्षा के लिए इस अधिनियम को लागू करें. बीते दिनों कानपुर में हुए अधिवेशन के बाद आज यानी शनिवार को विधानसभा घेराव का फैसला लिया गया. वकीलों का कहना है कि अगर आज इस प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की तरफ सरकार ने कदम नहीं बढ़ाया तो फिर लखनऊ में अधिवक्ता महापंचायत रखी जाएगी.लखनऊ बार एसोसिएशन के महामंत्री जितेंद्र सिंह यादव का कहना है कि जिस तरह से दलित उत्पीड़न के लिए एससी एसटी एक्ट बना है, उसी तरह अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए भी एक्ट लागू किया जाए. उन्होंने कहा, 'वकील न्याय दिलाने का काम करता है

21 साल की गर्लफ्रेंड, पिज्जा पार्टी और मटन काटने वाला चाकू...



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। कोचिंग संचालक ओम प्रकाश यादव की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. आरोपी निखिल को शक था कि टीचर उसकी गर्लफ्रेंड को ब्लैकमेल कर रहे हैं. उसने गर्लफ्रेंड को टीचर के साथ पिज्जा खाते देख लिया था. इसी शक में उसने मटन काटने वाले चाकू से ओम प्रकाश की हत्या कर दी.आगरा में 58 साल के कोचिंग संचालक ओम प्रकाश यादव की हत्या की वजह गर्लफ्रेंड को लेकर पैदा हुआ शक बना. आरोपी निखिल ने अपनी गर्लफ्रेंड को टीचर के साथ पिज्जा खाते देख लिया था. उसे लगा कि टीचर उसकी गर्लफ्रेंड को ब्लैकमेल कर रहे हैं. इसी शक में वह टीचर से भिड़ने पहुंचा और विवाद के बाद मटन काटने वाले चाकू से उनकी बेरहमी से हत्या कर दी. लेकिन हत्या के बाद आरोपी ने जो किया, उसने पुलिस को भी चौंका दिया. आरोपी ने कोचिंग के बोर्ड पर लिख दिया- 'ओपी यादव रेपिस्ट'. आरोपी ने ऐसा इसलिए किया, ताकि पूरे हत्याकांड को दूसरी दिशा में मोड़ दिया जाए. हालांकि पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा कर दिया.दरअसल, ये पूरी वारदात आगरा के जगदीशपुरा थाना क्षेत्र के सेक्टर-3 स्थित बीएस प्लाजा की है. यहां 58 साल के ओमप्रकाश यादव अपनी कोचिंग चलाते थे. मूलरूप से कानपुर देहात के रसूलाबाद क्षेत्र के कठिका गांव के रहने वाले ओमप्रकाश करीब 30 साल से आगरा में रह रहे थे. वह सेक्टर-7 के शिवालिक कैंब्रिज स्कूल में शिक्षक थे और साथ ही कोचिंग भी चलाते थे. 2 नवंबर को ओमप्रकाश रोज की तरह कोचिंग पढ़ाने पहुंचे, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटे. किसी को अंदाजा नहीं था कि कोचिंग के अंदर उनके साथ ऐसी वारदात हो चुकी है, जिसकी जानकारी चार दिन बाद मिलेगी.

स्टेशन के आउटर पर खड़ी थी ट्रेन, चोरों के गैंग ने डीजल चुरा लिया

21 कैन भरकर पिकअप से जा रहे थे



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। खड़ी ट्रेनों के जनरेटर से डीजल चोरी करने वाले छह लोगों को पुलिस ने पकड़ा है. आरोपियों के पास से 960 लीटर डीजल, कैन और घटना में इस्तेमाल की गई पिकअप बरामद हुई है. पुलिस का कहना है कि यह गैंग नागल के अलावा पिलखनी रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन से भी डीजल चोरी कर चुका था.ट्रेन कई दिनों तक रेलवे स्टेशन के आउटर पर खड़ी रहे तो उसके जनरेटर में भरा डीजल भी चोरों के निशाने पर आ सकता है. सहारनपुर में ऐसा मामला सामने आया है. यहां एक गिरोह खड़ी ट्रेनों के जनरेटर से डीजल चोरी करता था. फिर उसे बड़ी-बड़ी कैनों में भरकर पिकअप के जरिए ले जाता था.नागल थाना पुलिस ने इस गिरोह के छह लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उनके कब्जे से 960 लीटर डीजल बरामद किया है. इसके अलावा डीजल रखने वाली कैन और चोरी में इस्तेमाल की गई पिकअप भी जब्त की गई है. पूछताछ में आरोपियों ने सरसावा क्षेत्र के पिलखनी रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन से भी डीजल चोरी करने की बात कबूल की है.पुलिस के मुताबिक, 12 नवंबर को नागल थाना पुलिस रेलवे रोड पर गश्त कर रही थी. इसी दौरान संदिग्ध वाहनों की चेकिंग भी की जा रही थी. रेलवे पुल के पास हाईवे की तरफ जा रही एक पिकअप को पुलिस ने रोक लिया.वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें बड़ी संख्या में कैन रखी मिलीं. इन कैनों में डीजल भरा हुआ था. पुलिस ने पिकअप सवार लोगों से डीजल से जुड़े दस्तावेज मांगे, लेकिन वे कोई कागज नहीं दिखा सके. इसके बाद पुलिस ने वाहन में सवार छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की.जांच में पता चला कि ये लोग रेलवे की खड़ी ट्रेनों के जनरेटर से डीजल चोरी करते थे.

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, कई जिलों के DM बदले, 38 IAS अफसरों का तबादला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है जिसमें 38 ढ्ढस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं. इस फेरबदल में नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, वाराणसी सहित कई जिलों के जिलाधिकारी और अन्य अधिकारी बदले गए.उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है. 38 ढ्ढस अफसरों के तबादले किए गए हैं. इस फेरबदल में कई जिलों के जिलाधिकारियों के साथ ही नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और वाराणसी में भी बदलाव किया गया है. प्रथमेश कुमार को सीतापुर का जिलाधिकारी बनाया गया है, वहीं सीतापुर के डीएम राजागणपति आर को सूडा का निदेशक बनाया गया है. विक्रमादित्य सिंह मलिक को मेरठ विकास विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष और संभागीय खाद्य नियंत्रक बनाया गया है. हिमांशु नागपाल को गाजियाबाद का नगर आयुक्त बनाया गया है, वहीं शाश्वत त्रिपुरारी को वाराणसी का नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है. अभिषेक कुमार को गोरखपुर का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है. संजय कुमार मीणा को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है. राजेश कुमार को अयोध्या का मुख्य विकास अधिकारी नियुक्त किया गया है. कृष्ण कुमार सिंह को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है. डॉ. नितिन मदान को उत्तर जल निगम (नगरीय) का संयुक्त प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है. वंदना त्रिपाठी को सहारनपुर मंडल का अपर आयुक्त बनाया गया है, जबकि प्रीति जयसवाल को नोएडा का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है. गौरव सिंह सोगरवाल को सिद्धार्थनगर और



शिवशरणप्पा जीएन को महराजगंज का जिलाधिकारी बनाया गया है. प्रत्युष पांडेय को उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के अपर निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार दिया है. उमेश मिश्रा को नगर विकास का विशेष सचिव बनाया गया है. वहीं, सुनील कुमार सिंह को मुजफ्फरनगर का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है. नूपुर गोयल को ग्रेटर नोएडा का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी और संदीप कुमार को मेरठ का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है. जोगिंद्र सिंह को बिजनौर का जिलाधिकारी बनाया गया है, जबकि उमेश प्रताप सिंह को लोक निर्माण विभाग का विशेष सचिव नियुक्त किया गया है. पूनम निगम को फतेहपुर का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है. प्रमीण वर्मा को ग्रेटर नोएडा का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है. सुनील कुमार चौधरी को राजस्व परिषद में अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है. वहीं, शाहिद अहमद को डॉ. राम मनोहर लोहिया प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी का अपर निदेशक बनाया गया है. शिशिर कुमार सिंह को श्रावस्ती का मुख्य विकास अधिकारी और शैलेंद्र कुमार सिंह को अलीगढ़ का मुख्य विकास अधिकारी नियुक्त किया गया है. इसके अलावा, योगेंद्र कुमार को फिरोजाबाद का मुख्य विकास अधिकारी, शत्रोहन वैश्य को यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी और मनोज कुमार को वाराणसी मंडल का अपर आयुक्त बनाया गया है.

'मोहल्ले में रहना है तो 500 रुपये हफ्ता दो...', परिवार को धमकाने वाले बदमाश का पुलिस ने निकाला जुलूस

महानगर मेट्रो ब्यूरो



उज्जैन। पंवासा में 500 रुपये महीने की हफ्ता वसूली से इनकार करने पर एक परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है. पुलिस ने इस मामले में आदतन अपराधी विजय उर्फ टोकन को गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकाला. आरोप है कि आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर महिला, उसके माता-पिता और बीच-बचाव करने आए पड़ोसी के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी.उज्जैन में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है. इसी क्रम में पंवासा थाना पुलिस ने हफ्ता वसूली, मारपीट और धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए आदतन अपराधी विजय उर्फ टोकन को गिरफ्तार किया है. साथ ही पुलिस ने उसका जुलूस भी निकाला. आरोपी क्षेत्र में रहने के एवज में एक परिवार से हर महीने 500 रुपए की मांग की थी. परिवार द्वारा रुपये देने से इनकार करने पर आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर फरियादिया और उसके माता-पिता के साथ मारपीट की थी. इतना ही नहीं, बीच-बचाव करने आए पड़ोसी के साथ भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई थी.

पीड़ित ने 21 अक्टूबर को दर्ज कराई थी FIR

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 21 अक्टूबर 2026 को फरियादिया सोना सोलंकी निवासी तलाई की पाल, पंवासा ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी. फरियादिया ने पुलिस को बताया कि विजय उर्फ टोकन और उसके साथी उसके घर के सामने पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मोहल्ले में रहने के एवज में 500 रुपए प्रतिमाह देने की मांग करने लगे. जब फरियादिया और उसके परिवार ने रुपये देने से मना किया तो आरोपी और उसके साथियों ने विवाद शुरू कर दिया. देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया. आरोपियों ने फरियादिया और उसके माता-पिता के साथ डंडों से मारपीट की. शोर-शराबा सुनकर जब पड़ोसी बीच-बचाव करने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई. आरोपियों ने परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी. घटना के बाद फरियादिया ने पंवासा थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की.

आबकारी एक्ट के मामले में पहले हो चुका था गिरफ्तार

विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला कि मारपीट और अवैध वसूली के मामले में शामिल विजय उर्फ टोकन पिता गंगाराम राठौर, उम्र 25 वर्ष, निवासी तलाई की पाल, पंवासा क्षेत्र का आदतन अपराधी है. आरोपी को पूर्व में थाना पंवासा के आबकारी एक्ट से संबंधित अपराध क्रमांक 326/2026 में गिरफ्तार किया जा चुका था.पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार विजय उर्फ टोकन के खिलाफ वर्ष 2018 से लेकर वर्ष 2026 तक कुल 11 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं. इनमें मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, अवैध वसूली, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और आबकारी अधिनियम से जुड़े मामले शामिल हैं.

रसगुल्ला समझकर मुंह में डाल लिया देसी बम, चबाते ही हुआ धमाका, युवक की मौत!

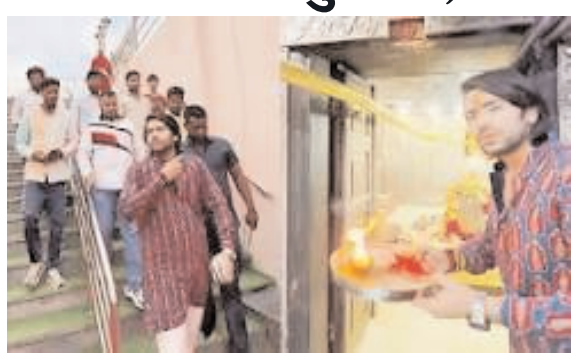


महानगर मेट्रो ब्यूरो

डिंडोरी। एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है जिसे सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे. डिंडोरी में रसगुल्ले जैसा दिखने वाला एक देसी बम शख्स के मौत की वजह बन गया. दोस्त ने मजाक-मजाक में उसे रसगुल्ले जैसा दिखने वाला बम खाने के लिए दिया. शख्स ने मिठाई समझकर उसे मुंह में रख लिया, लेकिन जैसे ही उसने उसे चबाया उसके मुंह में जोरदार धमाका हुआ. बम उसके मुंह में ही फट गया. उसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान न बच सकी.पुलिस ने बताया कि यह घटना 10 नवंबर की है. मृतक की पहचान राजेंद्र के रूप में हुई. कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नागपुरे ने बताया कि राजेंद्र के दोस्त रामभगत ने उसे मजाक में रसगुल्ले जैसा दिखने वाला देसी बम दिया था. राजेंद्र ने रसगुल्ला समझ कर उसे मुंह में रख लिया लेकिन जैसे ही उसने उसे चबाया वह मुंह के अंदर ही फट गया. गंभीर हालत में राजेंद्र को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

महाकाल मंदिर में विधायक पुत्र ने बनाई रील, सुरक्षा कंपनी पर 5 लाख का जुर्माना; 3 गार्ड बर्खास्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो



उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर प्रतिबंध के बावजूद विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला ने मंदिर परिसर में रील बनाई, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. मामले की जांच के बाद मंदिर प्रबंध समिति ने सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाली कोर सिक्योरिटी कंपनी पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है.नियमों के उल्लंघन को लेकर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है. मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाली कोर सिक्योरिटी कंपनी पर समिति ने पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है. इतना ही नहीं, ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में कंपनी के तीन कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त भी कर दिया गया है. दरअसल, शुक्रवार को महाकाल मंदिर में दर्शन के दौरान इंदौर के विधायक गोलू शुक्ला के बेटे रुद्राक्ष शुक्ला ने मंदिर परिसर में रील बनाई थी और उसे सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया था. मंदिर परिसर में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर पूरी तरह प्रतिबंध होने के बावजूद हुई इस घटना को समिति ने गंभीरता से लिया और पूरे मामले की जांच कराई. जांच में सुरक्षा ड्यूटी में लापरवाही सामने आने के बाद संबंधित कंपनी के खिलाफ यह कार्रवाई की गई.मंदिर प्रबंध समिति ने साफ कर दिया है कि महाकाल मंदिर परिसर में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के नियमों का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी. बताया जा रहा है कि इंदौरी विधायक गोलू शुक्ला का पुत्र रूद्राक्ष शुक्रवार को भगवान महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आया था. दर्शन पूजन के दौरान उसने मंदिर के नियमों को ताक पर रखते हुए, मंदिर में दर्शन और वहां सभी से मेलमिलाप की रील बनाई.

सुरक्षा कंपनी पर 5 लाख का जुर्माना, 3 सुरक्षाकर्मी बर्खास्त

सोशल मीडिया पर रुद्राक्ष शुक्ला द्वारा मंदिर परिसर में फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी किए जाने का वीडियो वायरल हुआ. मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रबंध समिति ने जांच कराई. जांच में ड्यूटी में लापरवाही सामने आने पर समिति ने संबंधित कोर सुरक्षा कंपनी पर ?5 लाख का जुर्माना लगाया है. साथ ही ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले तीन सुरक्षाकर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है. महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक आशीष फलवाड़िया ने मामले की पुष्टि करते हुए जानकारी दी कि महाकाल मंदिर परिसर में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पूरी तरह प्रतिबंधित है.नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी. आपको बता दें कि विधायक पुत्र रूद्राक्ष शुक्ला द्वारा मंदिर में नियमों को तोड़ने का ये पहला मामला नहीं है. इसके पहले भी विधायक पुत्र रूद्राक्ष मंदिर के गर्भगृह में बगैर अनुमति प्रवेश कर चुका है. इसके अलावा देवास की माता टेकरी में भी पुजारी के साथ विवाद के मामले में रूद्राक्ष शुक्ला का नाम काफी सुर्खियों रहा है.

रथ पर बैठा दूल्हा, हाथ में बंदूक और खुश होकर करने लगा फायरिंग...

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मुजफ्फरनगर। एक दूल्हे का हर्ष फायरिंग करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में दूल्हा शादी से पहले घुड़चढ़ी की रस्म के दौरान रथ पर बैठा दिखाई दे रहा है. इसी दौरान वह बंदूक उठाकर हवा में फायरिंग करता है. शुरुआती तौर पर सामने आया है कि जिस बंदूक से फायरिंग की गई, वह दूल्हे की नहीं, बल्कि उसके पड़ोसी की लाइसेंसी बंदूक थी. वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.अधिकारियों के निर्देश पर चरथावल थाने की तीन टीमें लगाई गई हैं. पुलिस वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान कर रही है. साथ ही बंदूक के लाइसेंस को निरस्त करने की कार्रवाई भी शुरू की जा रही है. यह मामला मुजफ्फरनगर के चरथावल थाना क्षेत्र के बुड्ढा खेड़ा गांव का है. गांव के रहने वाले भूरा नाम के युवक की गुरुवार रात शादी की रस्में चल रही थीं. इसके बाद शुक्रवार को उसकी बारात सहारनपुर गई. इस दौरान दूल्हा रथ पर बैठा हुआ था. इसी दौरान उसने अपने पड़ोसी की लाइसेंसी बंदूक से हवाई फायरिंग की. वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया. बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने इस मामले का संज्ञान लिया. अधिकारियों के निर्देश पर चरथावल थाने की तीन टीमें मामले की जांच में जुट गई हैं. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वीडियो में फायरिंग करने वाला युवक कौन है और बंदूक किसके नाम पर लाइसेंसी है. पुलिस का कहना है कि मामले में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

SIR के 9 महीने बाद मध्य प्रदेश में 8 लाख से ज्यादा वोटर्स बढ़े, प्रदेश में कुल 5.48 करोड़ मतदाता

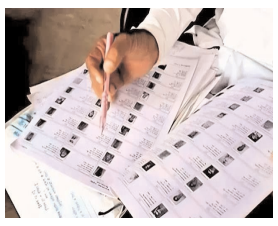
महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में फाइनल मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद वोटर्स की संख्या में वृद्धि हुई है। इस साल फरवरी में 'विशेष सघन पुनरीक्षण' (SIR) के बाद फाइनल मतदाता सूची जारी की गई थी। मध्य प्रदेश में मतदाताओं की संख्या में लगभग 8.9 लाख की वृद्धि हुई है। 12 नवंबर को जारी मसौदा वोटर लिस्ट (ड्राफ्ट रोल) के अनुसार, अब कुल मतदाताओं की संख्या 5.48 करोड़ हो गई है।

नौ महीने में 8 लाख मतदाता जुड़े-पिछले साल हुए विवादित 'विशेष सघन पुनरीक्षण' (स्ढ्ढक्र) के बाद राज्य में मतदाता सूची का यह पहला बड़ा पुनरीक्षण है। 21 फरवरी को जब अंतिम SIR मतदाता सूची जारी की गई थी, तब राज्य में 5,39,81,065 मतदाता थे। अब कुल मतदाताओं की संख्या 5,48,71,158 है। नौ महीने से भी कम समय में 8,90,093 नए मतदाता जुड़े हैं।

बीजेपी ने किया था SIR का बचाव- लगभग दो दशकों के बाद किए गए इस SIR के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटा दिए गए थे, जिससे राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। कांग्रेस ने पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर बार-बार चिंता जताई और सत्यापन प्रक्रिया पर सवाल उठाए, जबकि भाजपा ने इस कवायद का बचाव करते हुए कहा कि मृत, दूसरी जगह चले गए, अनुपस्थित और डुप्लिकेट मतदाताओं को सूची से हटाने के लिए यह जरूरी था।

कितने मतदाता हैं -23 दिसंबर,



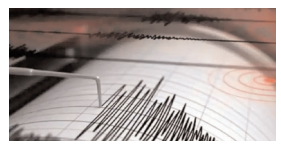
2025 को जारी SIR मसौदा सूची से लगभग 42.7 लाख नाम हटा दिए गए थे। दावों और आपत्तियों के बाद, 8.49 लाख मतदाताओं को वापस सूची में शामिल किया गया, जबकि 21 फरवरी को जारी अंतिम सूची में कुल 34.25 लाख मतदाताओं के नाम कम हो गए थे। 12 नवंबर को जारी मसौदा सूची में 5,47,99,628 सामान्य मतदाता और 71,530 सर्विस वोटर शामिल हैं। सामान्य मतदाताओं में 2,82,85,144 पुरुष, 2,65,13,547 महिलाएं और 937 थर्ड-जेंडर मतदाता हैं।

4 जनवरी 2027 को प्रकाशित होगी फाइनल लिस्ट

'विशेष सारांश पुनरीक्षण' (स्स्क्र) प्रक्रिया पात्र वोटर्स को अपना नाम दर्ज कराने, सुधार करवाने और आपत्तियां उठाने का अवसर दिया जा रहा है। दावे और आपत्तियां 11 दिसंबर तक जमा की जा सकती हैं। 21-22 नवंबर और 5-6 दिसंबर को विशेष अभियान चलाए जाएंगे।

खरगोन में 4.5 तीव्रता का भूकंप, SP ने कहा- बंगले की खिड़कियां और आलमारी हिलने लगीं, कोई जनहानि नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो



खरगोन । खरगोन जिले में शनिवार सुबह 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। तेज कंपन महसूस होते ही लोगों में दहशत फैल गई और वे अपनी जान बचाने के लिए घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ह्यष्ट्स्) के अनुसार, भूकंप सुबह 9 बजकर 15 मिनट 28 सेकंड पर आया। भूकंप का केंद्र खरगोन जिले में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप का केंद्र 21.590 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया।खरगोन एसपी रवींद्र वर्मा ने बताया कि वह अपने शासकीय बंगले में बैठे थे, तभी अचानक तेज कंपन महसूस हुआ। इस दौरान बंगले की खिड़कियां और अलमारी हिलने लगीं। उनके बच्चे भी घबरा गए। वर्मा के अनुसार, कंपन काफी तेज था और करीब दो से तीन सेकंड तक महसूस हुआ। शहर के अमन नगर, करीम नगर और गुलशन नगर सहित विभिन्न इलाकों में भी लोगों ने धरती में कंपन महसूस किया। अचानक आए झटकों से घबराकर लोग घरों से बाहर निकल आए। कुछ देर तक इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। एसपी वर्मा ने बताया कि खरगोन शहर के अलावा भीकनगांव से भी भूकंप के झटके महसूस होने की सूचना मिली है। वहीं, कलेक्टर गुरु प्रसाद ने बताया कि जिले के विभिन्न स्थानों से कंपन की जानकारी मिल रही है। संबंधित अधिकारियों को अलर्ट कर स्थिति की जानकारी जुटाई जा रही है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (रविवार)
15 नवंबर 2026

25 दिन पहले महिला के पति की भी हुई थी जहरीला पदार्थ खाने से मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। के मोहन गार्डन इलाके में एक सफेद कार के अंदर बेहोश मिले 45 साल की गीता और 46 साल के सुरेंद्र की अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस को कार से सेल्फॉस के दो पैकेट मिले। जांच में सामने आया कि गीता के पति की भी करीब 25 दिन पहले जहरीला पदार्थ खाने से मौत हुई थी। पुलिस दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंधों और पूरे मामले की परिस्थितियों की जांच कर रही है। दिल्ली के मोहन गार्डन इलाके में 11 नवंबर को पुलिस को सूचना मिली कि लाल फार्म क्षेत्र में खड़ी एक सफेद कार के अंदर महिला और पुरुष बेहोशी की हालत में पड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कार के अंदर 45 वर्षीय गीता और 46 वर्षीय सुरेंद्र बेहोश मिले। दोनों को तत्काल तारक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान पहले गीता और फिर सुरेंद्र की मौत हो गई। पुलिस को कार की तलाशी के दौरान 10-10 ग्राम के सेल्फॉस के दो पैकेट भी मिले। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 11 नवंबर 2026 को मोहन गार्डन थाने में पीसीआर कॉल आई थी। सूचना देने वाले ने बताया कि लाल फार्म इलाके में एक गाड़ी के अंदर महिला और पुरुष बेहोश पड़े हैं। दोनों के जहरीला पदार्थ खाने की आशंका जताई गई थी। सूचना मिलने पर सब-इंस्पेक्टर सुमित पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां 18 वर्षीय अर्जुन मिला, जिसने पुलिस को घटना की जानकारी दी थी। पुलिस ने सफेद रंग की कार की जांच की तो अंदर दो लोग बेहोश मिले। उनकी पहचान सुल्तानपुरी निवासी 46 वर्षीय सुरेंद्र और मोहन गार्डन निवासी 45 वर्षीय गीता के रूप में हुई। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका मेडिकल-लीगल केस (एमएलसी) तैयार किया। पुलिस के अनुसार, दोनों की हालत बयान देने योग्य नहीं थी और डॉक्टरों ने उन्हें बयान के लिए अनफिट बताया। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।



पार्क में चाकू-बंदूक के दम पर गैंगरेप... आस्था कुंज गैंगरेप मामले में 450 पन्नों की चार्जशीट में क्या-क्या?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। के आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने 450 पन्नों का आरोपपत्र साकेत अदालत में दाखिल किया है। घटना के करीब 60 दिन बाद दाखिल किए गए इस आरोपपत्र में तीन आरोपियों आसिफ, हेमंत और मुकेश को नामजद किया गया है। पुलिस ने मामले में 55 गवाहों के बयान भी शामिल किए हैं।यह घटना 22 सितंबर की है। उस दिन पीड़िता का जन्मदिन था। वह अपने एक दोस्त के साथ कालकाजी मंदिर में दर्शन करने पहुंची थी। दोनों शाम करीब 4:55 बजे मंदिर पहुंचे और दर्शन करने के बाद लगभग सात बजे वहां से निकले। इसके बाद उन्होंने चिप्स और पानी खरीदा और आस्था कुंज पार्क के सातवें प्रवेश द्वार से अंदर चले गए। दोनों ने कुछ समय पार्क में बैठने और फिर इस्कॉन मंदिर जाने का फैसला किया था। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि वह दोस्त के साथ पार्क की एक बेंच पर बैठकर चिप्स खा रही थी। इसी दौरान 30 से 35 वर्ष की उम्र के तीन युवक पीछे से आए। आरोप है कि उन्होंने उसके दोस्त को पकड़कर उसके साथ मारपीट की और दोनों के मोबाइल फोन छीन लिए। इसके बाद दो आरोपियों ने पीड़िता को झाड़ियों के पास चलने के लिए कहा। पीड़िता ने उनसे वहीं बात करने और अपनी मां से बात कराने की गुहार लगाई, लेकिन आरोपियों ने उसकी बात नहीं मानी। इसी दौरान एक आरोपी ने दूसरे से बंदूक निकालने के लिए कहा। पीड़िता के बयान के मुताबिक, आसिफ ने काले रंग की बंदूक निकालकर उसे डराया। इसके बाद आरोपी चाकू दिखाकर उसे पार्क के अंधेरे हिस्से की ओर ले गए। आरोप है कि आसिफ ने हेमंत को पीड़िता के दोस्त पर नजर रखने के लिए कहा। इसके बाद आसिफ ने चाकू की नोक पर डराकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। तीनों आरोपियों पर सामूहिक दुष्कर्म में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। दिल्ली पुलिस ने आसिफ, हेमंत और मुकेश के खिलाफ दुष्कर्म, आपराधिक साजिश, चोट पहुंचाने और आपराधिक धमकी देने से संबंधित धाराओं में आरोपपत्र दाखिल किया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 70(2), 61(2), 115(2), 351(3) और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 6 और 17 लगाई गई हैं। पुलिस ने आरोपपत्र में 55 गवाहों के बयान शामिल किए हैं। अब मामले में अदालत की कार्यवाही के दौरान आरोपों और प्रस्तुत साक्ष्यों पर विचार किया जाएगा।



बिना लाइसेंस बन रहे थे स्किनकेयर प्रोडक्ट्स, दिल्ली में 2 फैक्ट्रियों पर बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पूठ खुर्द इलाके में औषधि नियंत्रण विभाग ने बिना लाइसेंस संचालित दो कॉस्मेटिक निर्माण इकाइयों पर बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की दो टीमों ने एक साथ छापेमारी कर भारी मात्रा में तैयार उत्पाद, मशीनरी, उपकरण, कच्चा माल, अर्धनिर्मित उत्पाद और पैकेजिंग सामग्री जब्त की है। दोनों परिसरों में बिना वैध निर्माण लाइसेंस के त्वचा की देखभाल और व्यक्तिगत उपयोग से जुड़े विभिन्न कॉस्मेटिक उत्पादों का निर्माण और पैकेजिंग किया जा रहा था। मौके से उत्पादों के कानूनी नमूने भी एकत्र किए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए सरकारी प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई के दौरान औषधि निरीक्षकों ने दोनों परिसरों में पहुंचकर निर्माण गतिविधियों, तैयार उत्पादों और संबंधित दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। विभाग को पूठ खुर्द इलाके में अवैध रूप से कॉस्मेटिक उत्पाद बनाने वाली इकाइयों के संचालन की विशेष खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद दो अलग-अलग टीमों का गठन कर दोनों परिसरों में एक साथ निरीक्षण और छापेमारी की कार्रवाई की गई। जांच के दौरान सामने आया कि दोनों प्रतिष्ठानों में बिना किसी वैध निर्माण लाइसेंस के कॉस्मेटिक उत्पाद तैयार किए जा रहे थे। यहां त्वचा की देखभाल और व्यक्तिगत उपयोग से जुड़े विभिन्न उत्पादों का निर्माण करने के साथ उनकी पैकेजिंग भी की जा रही थी। विभाग के मुताबिक, यह गतिविधियां औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा प्रसाधन सामग्री नियम, 2020 के प्रावधानों का उल्लंघन हैं। छापेमारी के दौरान विभागीय टीमों ने दोनों परिसरों में मौजूद उत्पादों की जांच कर नियमानुसार कानूनी नमूने एकत्र किए। इन नमूनों को उत्पादों की गुणवत्ता, सुरक्षा और निर्धारित मानकों के अनुरूप होने की जांच के लिए सुरक्षित किया गया है। इसके अलावा उत्पादों की प्रामाणिकता और अन्य आवश्यक पहलुओं का सत्यापन करने के लिए भी नमूने जुटाए गए। कार्रवाई के दौरान तैयार उत्पादों के शेष भंडार के साथ निर्माण में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी, उपकरण, कच्चा माल, अर्धनिर्मित उत्पाद और पैकेजिंग सामग्री जब्त कर ली गई। इस कार्रवाई पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।



महाराष्ट्र में पाकिस्तानी ब्यूटी क्रीम का खतरनाक खुलासा, तय सीमा से 48 हजार गुना ज्यादा पारा मिला; 40 लाख का माल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में पुलिस ने एक दुकान पर छापेमारी कर करीब 39.69 लाख रुपये मूल्य की पाकिस्तानी सौंदर्य क्रीम और अन्य उत्पाद जब्त किए थे। अब सरकारी प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट में इन उत्पादों को लेकर चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में क्रीम के अंदर पारा और आर्सेनिक जैसी जहरीली भारी धातुओं की मात्रा खतरनाक स्तर पर पाई गई है। एक क्रीम में पारे की मात्रा निर्धारित सीमा से 48 हजार गुना से भी अधिक मिली है। इस खुलासे के बाद सौंदर्य उत्पादों की गुणवत्ता और उनके इस्तेमाल से होने वाले संभावित स्वास्थ्य नुकसान को लेकर चिंता बढ़ गई है। करीब चार महीने पहले नांदेड़ पुलिस ने मक्का गली इलाके में स्थित अफराह कलेक्शन (अफराह टूर्स एंड ट्रैवल्स) नामक दुकान पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई 9 जुलाई को इतवारा थाने की पुलिस टीम ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों के साथ मिलकर की थी। छापेमारी के दौरान दुकान से करीब 39.69 लाख रुपये मूल्य के सौंदर्य उत्पाद जब्त किए गए थे। इन उत्पादों पर



लगे उर्दू और अंग्रेजी के लेबल में उनके पाकिस्तान में निर्मित होने का दावा किया गया था। दुकान संचालक की पहचान मोहम्मद जियाउद्दीन मोहम्मद वाजिद के रूप में हुई थी। जब्त उत्पादों के नमूने जांच के लिए सरकारी प्रयोगशाला भेजे गए थे। अब सामने आई जांच रिपोर्ट के अनुसार, पार्ले 24 कैरेट गोल्ड ग्लीम ब्यूटी क्रीम में पारे की मात्रा 48,453.44 भाग प्रति दस लाख पाई गई, जबकि इसकी स्वीकार्य सीमा केवल एक भाग प्रति दस लाख है। इस तरह उत्पाद में पारे की मात्रा निर्धारित सीमा से 48 हजार गुना से भी अधिक पाई गई। इसी तरह गोरी ब्यूटी क्रीम विद लाइकोपीन में भी पारे की मात्रा बेहद अधिक मिली। जांच में इस क्रीम में 6,924.94 भाग प्रति दस लाख पारा पाया गया। रिपोर्ट में पारे के अलावा आर्सेनिक जैसी अन्य जहरीली भारी धातुओं की मौजूदगी को लेकर भी चिंता जताई गई है। इन नतीजों ने जब्त किए गए सौंदर्य उत्पादों की सुरक्षा और गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों और अधिकारियों के अनुसार, सौंदर्य प्रसाधनों के माध्यम से पारे और आर्सेनिक जैसी जहरीली धातुओं के संपर्क में लंबे समय तक रहने से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं। इनके लगातार संपर्क से त्वचा संबंधी बीमारियां, गुर्दे को नुकसान और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्याएं पैदा होने का खतरा रहता है। खासकर त्वचा का रंग हल्का करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली क्रीमों में ऐसे खतरनाक तत्वों की मौजूदगी चिंता का विषय है। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम और विदेशी व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे नकली, बिना अनुमति वाले या संदिग्ध रूप से आयात किए गए सौंदर्य उत्पादों की बिक्री की जानकारी संबंधित विभाग को दें। पुलिस और संबंधित विभाग इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कुछ महीने पहले भी पाकिस्तान से आए त्वचा का रंग हल्का करने वाले उत्पादों में जहरीली धातुओं की अधिक मात्रा होने को लेकर चेतावनी जारी की थी। प्रशासन ने ऐसे तीन उत्पादों की बिक्री और वितरण पर तत्काल रोक लगाने का आदेश दिया था। वहीं, सितंबर में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने भी पाकिस्तान के नाम वाले दो रंग निखारने वाले उत्पादों को लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य चेतावनी जारी की थी। इसमें बताया गया था कि भारत में इन उत्पादों की बिक्री के लिए अनुमति नहीं है और इनमें भारी धातुओं की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई है। इस मामले ने एक बार फिर बाजार में बिकने वाले सौंदर्य उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा की जांच की जरूरत को सामने ला दिया है। विशेषज्ञों ने उपभोक्ताओं को बिना प्रमाणित स्रोत से मिलने वाली और संदिग्ध उत्पादों के इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है।

छठ पूजा पर दिल्ली में दो दिन बदली रहेगी यातायात व्यवस्था, 15-16 नवंबर को कई प्रमुख रास्तों पर प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। छठ पूजा के मद्देनजर 15 और 16 नवंबर को राजधानी दिल्ली में यातायात व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। यमुना घाटों और विभिन्न छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने पूर्वी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली और शाहदरा जिले में विशेष इंतजाम किए हैं। पूजा के दौरान कई प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन लागू रहेंगे। ऐसे में इन इलाकों से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे घर से निकलने से पहले अपने मार्ग की जानकारी लें और घाटों के आसपास के रास्तों से बचते हुए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुना के विभिन्न घाटों पर पहुंचेंगे। शाम के अर्घ्य और अगले दिन सुबह के अर्घ्य के समय घाटों पर विशेष भीड़ रहने की संभावना है। इसे देखते हुए यातायात पुलिस ने



संवेदनशील मार्गों पर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की है। पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ प्रमुख चौराहों और मार्गों पर यातायात की निगरानी भी की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही के दौरान जाम की स्थिति से बचा जा सके। यातायात पुलिस के अनुसार, शास्त्री पार्क से खजूरी चौक और वापस पुस्ता रोड, नानकसर टी-पॉइंट से सोनिया विहार टोल टैक्स तथा शांतिवन से श्मशान घाट तक के रास्तों पर जाने से बचने की सलाह दी गई है। इन मार्गों पर छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही अधिक रहने की संभावना है। ऐसे में सामान्य वाहन चालकों को इन रास्तों के बजाय दूसरे मार्गों का इस्तेमाल करना चाहिए। विशेष रूप से उन लोगों को पहले से अपनी यात्रा की योजना बना लेनी चाहिए, जिन्हें इन इलाकों से होकर कार्यालय, बाजार या अन्य जरूरी स्थानों पर जाना है। उत्तर, मध्य, पूर्वी और नई दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालक दिल्ली-देहरादून द्रुतगति मार्ग और जीटी रोड का इस्तेमाल कर सकते हैं। यातायात पुलिस ने इन मार्गों को वैकल्पिक रास्तों के रूप में सुझाया है। इसके अलावा नानकसर टी-पॉइंट से खजूरी चौक, आरटीसी पुस्ता रोड और सभापुर गांव होते हुए सोनिया विहार चौहान पट्टी जाने का विकल्प भी दिया गया है। वाहन चालक अपनी मंजिल के अनुसार इन रास्तों का चयन कर सकते हैं, जिससे छठ घाटों के आसपास लगने वाले संभावित जाम से बचा जा सके। छठ पूजा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए भी अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

पुणे में दो मशहूर रेस्टोरेंट पर कार्रवाई, शौचालय के पास मिला तवा और फ्रिज; खाद्य लाइसेंस निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने शहर के दो मशहूर रेस्टोरेंट वैशाली और रूपाली के खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की जांच में दोनों रेस्टोरेंट में साफ-सफाई की कमी और खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन से जुड़ी कई खामियां सामने आई हैं। जांच के दौरान वैशाली रेस्टोरेंट को 98 में से केवल 58 अंक मिले। वहीं, रूपाली रेस्टोरेंट में रसोई खुली पाई गई, जिससे खाने की स्वच्छता और सुरक्षा को लेकर सवाल उठे हैं। शुक्रवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने वैशाली रेस्टोरेंट में छापेमारी कर साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा से जुड़े मानकों की जांच की। इस दौरान अधिकारियों ने रेस्टोरेंट की व्यवस्था में कई कमियां पाईं। निरीक्षण में मिले कम अंकों के आधार पर विभाग ने रेस्टोरेंट का खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिया। जांच में सामने आई लापरवाही ने रेस्टोरेंट की रसोई और खाद्य सामग्री रखने के तरीके पर भी सवाल खड़े किए। जांच अधिकारियों के मुताबिक, डोसा और उत्तपम बनाने वाला तवा पुरुषों के शौचालय के पास रखा हुआ था। वहीं, कच्चे खाद्य पदार्थों से भरा फ्रिज महिलाओं के शौचालय के पास पाया गया। इसके अलावा कच्ची खाद्य सामग्री खुले गलियारे में रखी हुई थी। अधिकारियों ने इन व्यवस्थाओं को





खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता के निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया। इसके बाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए वैशाली रेस्टोरेंट का खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिया। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने रूपाली रेस्टोरेंट का भी निरीक्षण किया। यहां भी साफ-सफाई से जुड़ी कई कमियां सामने आईं। जांच के दौरान रेस्टोरेंट की रसोई खुली हुई पाई गई, जिससे खाद्य पदार्थों के दूषित होने की आशंका जताई गई। अधिकारियों ने स्वच्छता संबंधी कमियों को गंभीरता से लेते हुए रूपाली रेस्टोरेंट का खाद्य लाइसेंस भी निलंबित कर दिया। गौरतलब है कि वैशाली और रूपाली पुणे के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट में शामिल हैं। दोनों ही दक्षिण भारतीय व्यंजनों के लिए काफी लोकप्रिय हैं। इनके डोसा और फिल्टर कॉफी की विशेष पहचान है। हालांकि, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की जांच में सामने आई कमियों के बाद दोनों प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। विभाग की इस कार्रवाई से रेस्टोरेंटों में साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा के नियमों के पालन को लेकर एक बार फिर सवाल उठे हैं।

छठ पूजा पर यूपी बिहार वालों को रेलवे ने दी गुड न्यूज, मुंबई-छपरा के बीच 4 और खड़की-खातीपुरा 2 स्पेशल ट्रेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दीपावली के बाद छठ पूजा पर उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विशेष ट्रेनों के संचालन का फैसला किया है। त्योहारों के दौरान यात्रियों को राहत देने के लिए लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई)-छपरा और खड़की-खातीपुरा के बीच कुल 6 विशेष ट्रेन सेवाएं चलाई जाएंगी। इनमें मुंबई-छपरा के बीच 4 और खड़की-खातीपुरा के बीच 2 ट्रेन सेवाएं शामिल हैं। इन ट्रेनों से मुंबई, पुणे और नासिक सहित आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले यात्रियों को उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान की ओर यात्रा करने में सुविधा मिलेगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 05084 विशेष ट्रेन 18 नवंबर 2026 (बुधवार) और 23 नवंबर 2026 (सोमवार) को लोकमान्य तिलक टर्मिनस, मुंबई से दोपहर 3 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन तीसरे दिन सुबह 5:45 बजे छपरा पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05083 विशेष ट्रेन 16 नवंबर 2026 (सोमवार) और 21 नवंबर 2026 (शनिवार) को छपरा से रात 8 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन दोपहर 12 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी।



मुंबई और छपरा के बीच चलने वाली इस विशेष ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए अलग-अलग श्रेणियों के डिब्बे लगाए जाएंगे। इसमें एक वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, एक वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, दो वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी, 16 शयनयान श्रेणी के डिब्बे और दो सामान, जनरेटर तथा गार्ड यान शामिल होंगे। इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को अपनी सुविधा के अनुसार यात्रा का विकल्प मिलेगा। मुंबई-छपरा विशेष ट्रेन का ठहराव कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, गोमती नगर, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, गोरखपुर कैंट, पिपराइच, कप्तानगंज, रामकोला, पड़रौना, तमकुही रोड, थावे, गोपालगंज, दिघवा दुबौली और मसरख स्टेशनों पर होगा। इन स्टेशनों पर ठहराव से रास्ते में पड़ने वाले विभिन्न शहरों और कस्बों के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। इसी तरह खड़की और खातीपुरा के बीच भी दो विशेष ट्रेन सेवाएं चलाई जाएंगी। गाड़ी संख्या 09730 विशेष ट्रेन 16 नवंबर 2026 (सोमवार) को सुबह 8:45 बजे खड़की से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 8:30 बजे खातीपुरा पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09729 विशेष ट्रेन 15 नवंबर 2026 (रविवार) को सुबह 6 बजे खातीपुरा से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 7 बजे खड़की पहुंचेगी। इस ट्रेन में दो वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, छह वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, छह शयनयान श्रेणी, पांच सामान्य द्वितीय श्रेणी, एक सामान और गार्ड यान तथा एक जनरेटर डिब्बा लगाया जाएगा। इससे महाराष्ट्र और राजस्थान के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। खड़की-खातीपुरा विशेष ट्रेन का ठहराव लोणावला, पनवेल, वसई रोड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर और गांधीनगर स्टेशनों पर होगा।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को सौंपी, एसीपी सदाशिव राणे संभालेंगे जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के मामले में मुंबई पुलिस ने जांच को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल से इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच वापस लेकर क्राइम ब्रांच की यूनिट-2 को सौंप दी गई है। मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) की धाराएं लगने के बाद जांच की जिम्मेदारी में यह बदलाव किया गया है। अब सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सदाशिव राणे इस मामले के नए जांच अधिकारी होंगे। उनकी मदद के लिए यूनिट-2 की एक विशेष टीम भी बनाई गई है। इस बदलाव को मुंबई पुलिस आयुक्त के एक अहम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती के निर्देश पर क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल को अपने पास मौजूद तीन से चार महत्वपूर्ण और हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच दूसरी क्राइम ब्रांच इकाइयों को सौंपने के लिए कहा गया है। इसके बाद टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले को भी एंटी-एक्सटॉर्शन सेल से लेकर यूनिट-2 को सौंप दिया गया। इस फैसले के बाद क्राइम ब्रांच के भीतर हलचल तेज हो गई है। क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मकोका के कानूनी प्रावधानों के तहत इस कानून के अंतर्गत आने वाले मामलों की जांच एसीपी स्तर के अधिकारी द्वारा किया जाना जरूरी है। इसी नियम को ध्यान में रखते हुए टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच एसीपी सदाशिव राणे को सौंपी गई है। अब नई टीम मकोका के तहत मामले की आगे की जांच करेगी। टाइगर श्रॉफ पर 18 अक्टूबर को फायरिंग की घटना हुई थी। जुहू इलाके में फुटबॉल मैदान और क्लब के पास हुई इस घटना के समय अभिनेता फुटबॉल खेलकर वहां से निकल रहे थे। इसी दौरान उन्हें निशाना बनाया गया। फायरिंग में टाइगर के चालक फिरदौस और एक ऑटो चालक राकेश घायल हो गए थे। मामले की शुरुआती जांच में पुलिस को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े लोगों के कथित संबंधों का पता चला था। जांच के दौरान फूल सिंह, रेहान और ऋतिक उर्फ रोशन समेत कई नाम सामने आए। बताया गया कि आरोपियों ने फायरिंग की साजिश को अंजाम देने के लिए इलाके की पहले से रेकी की थी।



अजित पवार के निधन के बाद एनसीपी के विलय पर सुप्रिया सुले ने लगाया विराम



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के फिर से एक होने की चर्चाओं पर सांसद सुप्रिया सुले ने विराम लगा दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अजित पवार के रहते दोनों गुटों के विलय को लेकर बातचीत चल रही थी और इसकी तारीख भी तय हो गई थी, लेकिन भाई के निधन के बाद उनके लिए यह मुद्दा पूरी तरह समाप्त हो गया है। महाराष्ट्र की राजनीति में पिछले कई दिनों से एनसीपी के दोनों गुटों के एक होने की चर्चाएं चल रही थीं। नेताओं की मुलाकातों और बयानों के बीच विलय को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे। इसी बीच एनसीपी (शरद पवार) गुट की सांसद सुप्रिया सुले ने मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन अटकलों पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि अजित पवार के रहते दोनों गुटों के विलय पर बातचीत हुई थी और इस दिशा में तारीख भी तय कर ली गई थी। हालांकि, उन्होंने उस तारीख का खुलासा नहीं किया। इस दौरान सुप्रिया सुले ने हाथ जोड़कर कहा कि वह अब विलय के मुद्दे पर कोई बात नहीं करना चाहतीं। उन्होंने कहा, 'मेरा भाई अब नहीं रहा तो विलय की बातें क्या करना।' उनका कहना था कि अजित पवार के जाने के बाद यह विषय उनके लिए खत्म हो चुका है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इस संबंध में सवाल पूछे जाने पर वह कोई जवाब नहीं देंगी। सुप्रिया सुले ने स्वीकार किया कि अजित पवार के साथ दोनों गुटों को फिर से एक करने को लेकर बातचीत हुई थी। यह कोई नई चर्चा नहीं थी, बल्कि दोनों पक्षों के बीच इस दिशा में बात आगे बढ़ चुकी थी। हालांकि, अजित पवार के निधन के बाद अब इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने को लेकर उनकी ओर से कोई पहल नहीं है। दरअसल, जुलाई 2023 में अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से अलग होकर अपना गुट बना लिया था। इसके बाद पार्टी दो हिस्सों में बंट गई थी। एक तरफ शरद पवार का गुट रहा, जबकि दूसरी तरफ अजित पवार के नेतृत्व वाला गुट था। पिछले कुछ समय से दोनों गुटों के फिर साथ आने की चर्चा तेज थी। हाल के दिनों में दोनों पक्षों के नेताओं की मुलाकातों ने इन अटकलों को और हवा दी थी। अजित पवार गुट की ओर से विलय को लेकर कोई संदेश नहीं मिलने के सवाल पर सुप्रिया सुले ने कहा कि उन्हें इस संबंध में कोई फोन, संदेश या ईमेल नहीं मिला है। उनकी जानकारी में ऐसा कोई नया प्रस्ताव भी नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने को लेकर भी कोई बातचीत नहीं हुई है। इस दौरान उन्होंने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत के बयान और उनके लेख पर भी प्रतिक्रिया दी। सुप्रिया सुले ने कहा कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है। संजय राउत उनके बड़े भाई जैसे हैं।

ग्रीन एसएम चेन्नई और बेंगलुरु में शुरू होगी इलेक्ट्रिक कैब सेवा

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक कैब सेवा प्रदाता कंपनी ग्रीन एसएम अपनी सेवाओं का विस्तार करने जा रही है। फिलहाल दिल्ली-एनसीआर और हैदराबाद में सक्रिय यह कंपनी अब चेन्नई और बेंगलुरु के बाजारों में भी प्रवेश करेगी। कंपनी का लक्ष्य इन शहरों में किफायती और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन समाधान प्रदान करना तथा हजारों स्थानीय लोगों के लिए आय के अवसर सृजित करना है। ग्रीन एसएम ने बताया कि इस विस्तार का उद्देश्य अधिक से अधिक ग्राहकों को सस्ती और पूरी तरह इलेक्ट्रिक परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराना है। कंपनी को दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में संबंधित राज्य के एग्रीगेटर नियमों के तहत लाइसेंस मिल चुके हैं। ग्रीन एसएम इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोहित शर्मा ने इस पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली-एनसीआर में मिली सफलता के बाद हरित परिवहन के लाभ देश के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का यह एक और महत्वपूर्ण अवसर है। इस बीच, कंपनी ने उन खबरों को गलत और निराधार बताया है, जिनमें दावा किया गया था कि वह प्रति किलोमीटर आठ रुपये किराया लेती है। ग्रीन एसएम ने स्पष्ट किया है कि किराये की सटीक जानकारी उसकी आधिकारिक वेबसाइट और अन्य संचार माध्यमों पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

आरबीआई ने वन मोबिक्विक सिस्टम्स पर नौ लाख का जुर्माना लगाया

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वन मोबिक्विक सिस्टम्स पर नियामकीय मानदंडों का उल्लंघन किए जाने के लिए नौ लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आरबीआई ने कंपनी के जून, 2025 से मार्च, 2026 तक के कामकाज के संदर्भ में वैधानिक निरीक्षण किया था। आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं किए जाने संबंधी निगरानी निष्कर्षों और इस बारे में हुए पत्राचार के आधार पर वन मोबिक्विक सिस्टम्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। कंपनी के जवाब पर विचार करने के बाद आरबीआई ने पाया कि वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने कुछ प्रीपेड भुगतान साधन (पीपीआई) धारकों को निर्धारित सीमा से अधिक राशि ऐसे लाभार्थियों को हस्तांतरित करने की अनुमति दी थी, जिनका पहले से पंजीकरण नहीं था। आरबीआई ने कहा कि कंपनी निर्धारित समयसीमा के भीतर कुछ धोखाधड़ी के मामलों की जानकारी देने में भी विफल रही। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है। इसका उद्देश्य कंपनी और उसके ग्राहकों के बीच हुए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर फैसला देना नहीं है।

आयशर मोटर्स का मुनाफा 15 प्रतिशत बढ़कर 1,573 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

वाहन विनिर्माता आयशर मोटर्स का चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 1,573 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में उसका मुनाफा 1,369 करोड़ रुपये रहा था। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 20 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 7,422 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 6,172 करोड़ रुपये था। आलोच्य तिमाही में कंपनी का एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) 16 प्रतिशत बढ़कर 1,760 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 1,512 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि परिचालन प्रदर्शन बेहतर रहने के साथ रॉयल एनफील्ड और वाणिज्यिक वाहन खंड की बिक्री में मजबूत वृद्धि से मुनाफा बढ़ा।

टीवीएस मोटर ने हलदर को भारत में दोपहिया कारोबार का प्रमुख बनाया

नई दिल्ली ।

चेन्नई स्थित प्रमुख वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने भारत में अपने दोपहिया कारोबार के शीर्ष नेतृत्व में बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने अनिरुद्ध हलदर को देश में अपने दोपहिया कारोबार का नया प्रमुख नियुक्त किया है। यह नियुक्ति गौरव गुप्ता के इस्तीफे के बाद हुई है, जिन्होंने बाहरी अवसर तलाशने के लिए कंपनी छोड़ दी है। गुप्ता का इस्तीफा 24 दिसंबर से प्रभावी होगा। हलदर इससे पहले कम्प्यूटर मोबिलिटी के कारोबार प्रमुख और कॉरपोरेट ब्रांड एवं मीडिया के प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्हें पदोन्नत कर वरिष्ठ उपाध्यक्ष (पीपल मोबिलिटी-भारत दोपहिया कारोबार) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी।

उछाल और गिरावट के बीच झूलता रहा बाजार

जोरदार तेजी के बाद हावी हुई मुनाफावसूली, हफ्ते भर दिखा उतार-चढ़ाव

भारतीय शेयर बाजार- दिवाली के बाद शानदार तेजी, निफ्टी 25,000 पार, सप्ताह के अंत में मुनाफावसूली

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने दिवाली के उत्साह के साथ-साथ शानदार तेजी दर्ज की। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के दम पर प्रमुख सूचकांकों ने नए रिकॉर्ड उच्च स्तर छुए, जिसमें निफ्टी ने पहली बार 25,000 का आंकड़ा पार किया। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन मुनाफावसूली हावी रही, जिसने बाजार की बढ़त को कुछ हद तक कम किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हल्की गिरावट के साथ हुई, लेकिन बाजार ने जल्द ही खुद को संभाला। पिछले हफ्ते की शानदार तेजी और एफआईआई की आक्रामक खरीदारी, बेहतर वैल्यूएशन, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और दूसरी तिमाही के मजबूत नतीजों जैसी सकारात्मक खबरों ने निवेशकों का मनोबल बढ़ाया। बीएसई सेंसेक्स 107.25 अंक की मामूली बढ़त के साथ 81,106.65 पर और निफ्टी 58.25 अंक चढ़कर 25,044.65 पर बंद हुआ। मंगलवार को दिवाली-बालीप्रतिपदा के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहा। बुधवार को बाजार ने जबरदस्त उछाल देखा। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह, उम्मीद से बेहतर दूसरी तिमाही के परिणामों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को मजबूत आधार दिया। सेंसेक्स 1,097.33 अंक चढ़कर 82,186.92 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 274.30 अंक की बढ़त के साथ 25,317.55 पर कारोबार कर रहा था।



एफएसएसएआई का दूध-डेयरी उत्पादों के लिए नया लोगो

नीला चौकोर निशान बताएगा असली डेयरी प्रोडक्ट, 1 जुलाई 2028 से होगा लागू

नई दिल्ली ।

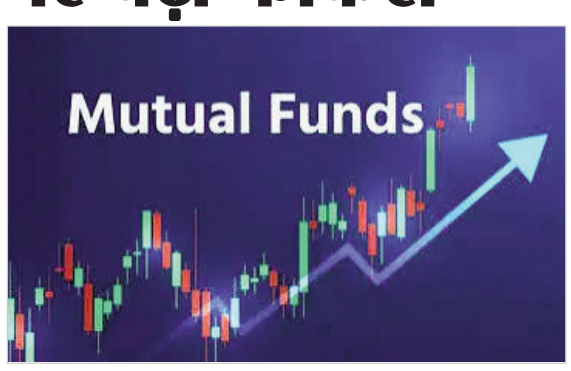
भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दूध और डेयरी उत्पादों की शुद्धता व पहचान सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब जल्द ही आपको अपने पसंदीदा दूध, दही और पनीर जैसे उत्पादों के पैकेट पर एक खास नया लोगो दिखाई देगा, जो ग्राहकों को असली डेयरी उत्पाद पहचानने में मदद करेगा।

एफएसएसएआई द्वारा तय किए गए इस नए समान लोगो में नीले रंग का एक चौकोर निशान होगा, जिसके अंदर सफेद रंग की बूंद का निशान बना होगा। देश की सभी डेयरी कंपनियों को अपने दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स के पैकेट पर एक जैसा ही यह निशान लगाना अनिवार्य होगा। यह नया लोगो ग्राहकों को बाजार में असली दूध और दूध से बने उत्पादों को नकली से अलग करने में सहायक होगा। जिस तरह खाने-पीने की चीजों पर शाकाहारी होने का संकेत हरा निशान और मांसाहारी होने का संकेत लाल निशान देता है, ठीक उसी तर्ज पर यह नीला चौकोर निशान दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स की स्पष्ट पहचान कराएगा। एफएसएसएआई ने इस नए नियम को लागू करने की तारीख भी निर्धारित कर दी है। 1 जुलाई 2028 से सभी डेयरी निर्माण कंपनियों को अपने उत्पादों की पैकेजिंग पर इस नीले-सफेद रंग के लोगो को लगाना अनिवार्य होगा।

म्यूचुअल फंड्स का नया दांव, हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी पर बढ़ा फोकस

नई दिल्ली।

अक्टूबर महीने में म्यूचुअल फंड्स ने अपने निवेश पोर्टफोलियो में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। मोतीलाल ओसवाल की फंड फोलियो रिपोर्ट के अनुसार, फंड मैनेजर्स ने हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी सेक्टर के शेयरों पर अपना दांव बढ़ाया है। हेल्थकेयर सेक्टर में लगातार छठे महीने निवेश बढ़ने के साथ ही यह म्यूचुअल फंड्स के कुल पोर्टफोलियो में दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर बन गया है, जो फंड्स की बदलती निवेश रणनीति को दर्शाता है। अक्टूबर में हेल्थकेयर शेयरों में म्यूचुअल फंड्स का आवंटन मासिक आधार पर 0.20 फीसदी और सालाना आधार पर 1.40 फीसदी बढ़कर 8.8 फीसदी हो गया। टेक्नोलॉजी सेक्टर में भी फंड्स की दिलचस्पी बढ़ी, जहां आवंटन मासिक आधार पर 0.80 फीसदी बढ़कर 6.8 फीसदी हो गया, जो सात महीने का उच्चतम स्तर है। रिपोर्ट बताती है कि टेलीकॉम, निजी बैंकों और कर्ज नहीं देने वाली एनबीएफसी कंपनियों के शेयरों में भी निवेश बढ़ा है। दूसरी ओर, मेटल, वाहन, तेल एवं गैस, पूंजीगत सामान, खुदरा और बीमा जैसे सेक्टरों में म्यूचुअल फंड्स का आवंटन घटा है। मेटल सेक्टर में सितंबर के 62 महीने के उच्चतम स्तर से 0.30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे आवंटन 3.5 फीसदी रह गया। वाहन सेक्टर में भी लगातार दूसरे महीने निवेश का हिस्सा कम हुआ, जो मासिक आधार पर 0.20 फीसदी घटकर 8.4 फीसदी पर आ गया। बीएसई 200 इंडेक्स के सापेक्ष सेक्टरों के विश्लेषण में, हेल्थकेयर और कर्ज नहीं देने वाली एनबीएफसी कंपनियां म्यूचुअल फंड्स की सबसे पसंदीदा सेक्टर बनीं, जहाँ 16-16 फंड्स ने बेंचमार्क से ज्यादा निवेश किया। ई-कॉमर्स, पूंजीगत सामान और रसायन सेक्टर में भी फंड्स की दिलचस्पी दिखी। इसके विपरीत, तेल एवं गैस सेक्टर में 18 फंड्स ने बेंचमार्क से कम निवेश किया, जबकि निजी बैंक, सरकारी बैंक, टेक्नोलॉजी और उपभोक्ता सेक्टर भी कम पसंदीदा रहे। यह रुझान बताता है कि फंड मैनेजर्स जोखिम कम करने और भविष्य के विकास की संभावनाओं वाले सेक्टरों की ओर बढ़ रहे हैं।



भारत एक ट्रिलियन डॉलर निर्यात लक्ष्य की ओर अग्रसर- गोयल

भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद मजबूत प्रदर्शन

नई दिल्ली ।



केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और वैश्विक मंदी के बावजूद भारत चालू वित्त वर्ष में 1 लाख करोड़ डॉलर के महत्वाकांक्षी निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सही रास्ते पर है। उन्होंने देश के मजबूत व्यापार प्रदर्शन पर गहरा भरोसा व्यक्त किया। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए गोयल ने बताया कि अक्टूबर माह में भारत ने लगभग 90 अरब डॉलर का अब तक का सबसे अधिक निर्यात दर्ज किया। इसमें लगभग 50 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 40 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है। मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश का कुल निर्यात 570 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। गोयल ने विश्वास व्यक्त किया कि दो युद्धों, वैश्विक अस्थिरता और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की धीमी वृद्धि (3.5 फीसदी) के बावजूद, चालू वित्त वर्ष में भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार 15-16 फीसदी की प्रभावशाली दर से बढ़ेगा। उन्होंने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन किया।

भारत का व्यापार घाटा 12 महीने के उच्चतम स्तर पर, निर्यात-आयात ने भी तोड़े रिकॉर्ड

अक्टूबर में निर्यात 49.47 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

अक्टूबर माह में भारत का व्यापार घाटा पिछले 12 महीनों के उच्चतम स्तर 39.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह वृद्धि रिकॉर्ड वस्तुओं के आयात के कारण हुई, जो 89.35 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इसी अवधि में भारत का निर्यात भी 49.47 अरब डॉलर के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 45 फीसदी की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्शाता है। इस परिदृश्य में, सेवा क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए देश के समग्र व्यापार संतुलन में सकारात्मक योगदान दिया है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 39.88 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले 12 महीनों का सर्वाधिक स्तर है। इस दौरान वस्तुओं का आयात रिकॉर्ड 89.35 अरब डॉलर रहा, जबकि निर्यात में भी 45 फीसदी की वृद्धि के साथ यह 49.47 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। अधिकारियों के अनुसार, आयात में यह वृद्धि और बढ़ता व्यापार घाटा काफी हद तक मौसमी रुझान का हिस्सा हो सकता है, जैसा कि पिछले वर्ष भी अक्टूबर में देखा गया था, जब व्यापार घाटा 42.58 अरब डॉलर था। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान, वस्तुओं का कुल निर्यात 22 फीसदी बढ़कर 309.06 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 16 फीसदी बढ़कर 527.21 अरब डॉलर हो गया। इस तरह, इस अवधि में देश का व्यापार घाटा 218.15 अरब डॉलर दर्ज किया गया। अच्छी खबर यह है कि सेवा क्षेत्र ने अक्टूबर में शानदार प्रदर्शन किया। अनुमानित आंकड़ों के मुताबिक, सेवा निर्यात 15 फीसदी बढ़कर 40.51 अरब डॉलर रहा, जबकि सेवा आयात 17 फीसदी बढ़कर 20.72 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इसके परिणामस्वरूप, अक्टूबर में सेवाओं के व्यापार से भारत को लगभग 19.79 अरब डॉलर का अनुमानित अधिशेष प्राप्त हुआ।

यस बैंक ने साइबर फ्रॉड की खबर को नकारा, कहा- सिस्टम सुरक्षित

नई दिल्ली ।

प्राइवेट सेक्टर के यस बैंक ने एक वित्तीय समाचार प्रकाशन की एक रिपोर्ट में किए गए साइबर फ्रॉड के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। बैंक ने 3.4 मिलियन डॉलर (लगभग 32 करोड़ रुपये) के कथित नुकसान को निराधार बताया है, जोर देकर कहा कि उसके सिस्टम के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है और न ही उसे कोई वित्तीय क्षति हुई है। यस बैंक ने एक स्पष्टीकरण में कहा कि उसकी बैंकिंग प्रणाली पूरी तरह सुरक्षित है, किसी भी सरकारी खाते पर कोई असर नहीं पड़ा है और इस कथित घटना के कारण बैंक को कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ है। बैंक ने रिपोर्ट के दावों को तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए कहा कि यह असल स्थिति नहीं दिखाती। बैंक ने आगे कहा कि गलत जानकारी छपने से उसकी साख को नुकसान पहुंचा है और इससे उसके हितधारकों के बीच बेवजह चिंता पैदा हो सकती है। यस बैंक ने संबंधित मीडिया हाउस के सामने इस मामले को उठाया है, गलत तथ्यों की ओर इशारा किया है और रिपोर्ट वापस लेने की मांग की है। बैंक ने अपने बयान में बैंकिंग सुरक्षा, ऑपरेशनल इंटीग्रिटी और ग्राहकों के भरोसे के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

हल्दीराम की 10 हजार करोड़ का आईपीओ लाने की योजना

नागपुर । देश की मशहूर नमकीन और मिठाई निर्माता कंपनी हल्दीराम अब शेयर बाजार में कदम रखने की तैयारी में है। रिपोर्टों के अनुसार, कंपनी साल 2027 तक अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लांच करने की योजना बना रही है, जिसके माध्यम से करीब 10,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। इस बड़े कदम से कंपनी को अपने कारोबार का विस्तार करने और नई पूंजी प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिससे वह अपनी बाजार स्थिति को और मजबूत कर सकेगी। इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए हल्दीराम ने प्रमुख सलाहकार फर्म ईवाई (ईवाई) को नियुक्त कर तैयारियां शुरू कर दी हैं। यह पहल दिल्ली के हल्दीराम स्नैक्स और नागपुर के हल्दीराम फूड्स इंटरनेशनल के एक साल से अधिक समय पहले हुए विलय के बाद सामने आई है, जिससे अब हल्दीराम स्नैक्स फूड कंपनी एक एकीकृत इकाई के रूप में काम कर रही है। कंपनी का लक्ष्य आईपीओ के जरिए 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मूल्यांकन हासिल करना है, हालांकि इस संबंध में कंपनी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। आंतरिक तैयारियों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट ऑफिस (पीएमओ) टीम भी बनाई गई है, जो विभिन्न व्यावसायिक इकाइयों के बीच तालमेल और नियामक अनुपालन सुनिश्चित करेगी।

प्रस्तावित आईपीओ में नए शेयर जारी किए जाएंगे, जिससे कंपनी को विकास के लिए सीधी पूंजी मिलेगी। इसके साथ ही, मौजूदा शेयरधारक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से अपनी कुछ हिस्सेदारी बेच सकते है। जिससे उन्हें निवेश भुनाने का मौका मिलेगा। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद हल्दीराम का मुकाबला बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल और प्रताप स्नैक्स जैसी स्थापित कंपनियों से होगा।

पेटीएम को आरबीआई से बड़ी राहत वॉलेट सेवा की वापसी की राह खुली, शेयर रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) को प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) जारी करने और उनका संचालन करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय में डिजिटल वॉलेट सर्विस भी शामिल है, जो लंबे समय से नियामक चुनौतियों का सामना कर रही कंपनी के लिए अहम उपलब्धि मानी जा रही है। इस खबर के बाद पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली और कारोबार के दौरान 1,960 का नया 52-वीक हाई छू लिया।

कंपनी ने 13 नवंबर 2026 को शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने पीपीएसएल को भारत में प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट जारी करने और उनका संचालन करने के लिए इन-प्रिंसिपल ऑथराइजेशन दिया है। इसका सीधा अर्थ है कि कंपनी अब डिजिटल वॉलेट जैसी अपनी लोकप्रिय सेवाओं को फिर से शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। हालांकि, यह मंजूरी कुछ शर्तों के साथ मिली है, जिसमें पीपीएसएल को आरबीआई के 27 अगस्त 2021 के प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट से जुड़े मास्टर निर्देशों और उनमें समय-समय पर होने वाले बदलावों का सख्ती से पालन करना होगा।

आरबीआई की मंजूरी की खबर का असर शेयर बाजार में तुरंत देखने को मिला। शुक्रवार को एनएससी पर पेटीएम का शेयर 1,920 पर खुला और दिन के कारोबार में 1,960 तक पहुंच गया। अंत में यह 1,939.90 पर बंद हुआ, जिसने कंपनी के पुराने लिस्टिंग प्राइस को भी पार कर लिया। यह तेजी निवेशकों का ध्यान एक बार फिर कंपनी की ओर खींचने में सफल रही है।

हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आरबीआई की सैद्धांतिक मंजूरी मिलने का मतलब यह नहीं है कि ग्राहक तुरंत पेटीएम वॉलेट का इस्तेमाल कर पाएंगे। कंपनी को पहले केंद्रीय बैंक से अंतिम मंजूरी हासिल करना होगा। इसके बाद ही पीपीएसएल वॉलेट और दूसरी पीपीआई सेवाएं शुरू कर सकेगी।

सॉफ्टबैंक ने मीशो में 1,885 करोड़ के शेयर बेचे, दिग्गज निवेशकों ने लपका मौका

जापानी दिग्गज ने 1.65 फीसदी हिस्सेदारी घटाई, अब बची 5.19 फीसदी

नई दिल्ली ।

जापान की प्रमुख निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ग्रुप ने ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म मीशो में अपनी हिस्सेदारी एक बार फिर कम कर दी है। कंपनी ने मीशो के करीब 7.64 करोड़ शेयर बेचकर 1,885 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं।

इस बड़े सौदे के बाद मीशो में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी घटकर 5.19 फीसदी रह गई है, जो पहले 6.84 फीसदी थी। खास बात यह रही कि इस डील में घरेलू और विदेशी, दोनों तरह के कई बड़े निवेशकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जो मीशो के प्रति उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर हुए ब्लॉक डील के आंकड़ों के अनुसार, सॉफ्टबैंक से जुड़ी इकाई एसवीएफ- 2 मीरकैट एलएलसी ने मीशो में 1.65 फीसदी हिस्सेदारी बेची। इन शेयरों की औसत कीमत 246.75 रुपये प्रति शेयर रही, जिससे कुल 1,885.17 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ।

मीशो के इन बेचे गए शेयरों को खरीदने में फ्रांस की वित्तीय सेवा कंपनी सोसाइटी जनरल सबसे आगे रही, जिसने करीब 364.65 करोड़ रुपये में 1.47 करोड़ से अधिक शेयर खरीदे, जो मीशो की 0.32 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। घरेलू निवेशकों में मोतीलाल ओसवाल, एचडीएफसी, एडलवाइस और आदित्य बिड़ला सन लाइफ के म्यूचुअल फंडों के साथ-साथ बजाज लाइफ इंश्योरेंस ने भी बड़ी खरीदारी की। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मॉर्गन स्टेनली, फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स, बीएनपी पारिबा, गोल्डमैन सैक्स, घिसालो कैपिटल मैनेजमेंट, विलियम ब्लेयर इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट, टेक्सास म्युनिसिपल रिटायरमेंट सिस्टम, सिंगापुर सरकार और नॉर्वे के सरकारी निवेश कोष जैसे कई प्रतिष्ठित नामों ने इस सौदे में हिस्सा लिया।

दालों की महंगाई पर केंद्र सरकार का वार- व्यापारियों को देना होगा साप्ताहिक स्टॉक का हिसाब

नई दिल्ली ।

देश में त्यौहारों का मौसम बीतने के बाद भी दालों की कीमतें कम न होने से चिंतित केंद्र सरकार ने महंगाई पर लगाम कसने और जमाखोरी रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब दाल कारोबार से जुड़े सभी व्यापारियों, आयातकों, मिलर्स, डीलरों, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को अपने पास मौजूद दालों के स्टॉक की जानकारी हर सप्ताह ऑनलाइन पोर्टल पर देनी होगी। केंद्र सरकार का मानना है कि इस पहल से बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी और कृत्रिम कमी पैदा करने वालों पर शिकंजा कसा जा सकेगा।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की सचिव निधि खरे ने हाल ही में बड़े कारोबारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट किया कि त्यौहारों के बाद दालों की कीमतों में बढ़ोतरी का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि मंडियों में दालों के दाम घटने का फायदा आम उपभोक्ताओं तक भी पहुंचना चाहिए। दरअसल, केंद्र सरकार को आशंका है कि कुछ कारोबारी जमाखोरी और मुनाफाखोरी के जरिए कीमतों को कृत्रिम रूप से ऊंचा बनाए हुए हैं, जबकि मंडियों में कीमतें अपेक्षाकृत कम हुई हैं।

केंद्र सरकार के इन सख्त कदमों और बेहतर आपूर्ति स्थितियों के चलते आने वाले दिनों में दालों की कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है। खरीफ में उड़द और अन्य दालों की अच्छी बुवाई हुई है, वहीं रबी फसलों की बुवाई में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

नियमित आयात भी बाजार में दालों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है।

सिर्फ दालें ही नहीं, केंद्र सरकार ने चावल और चीनी जैसे अन्य आवश्यक खाद्य पदार्थों पर निगरानी बढ़ा दी है। हाल ही में, व्यापारियों और मिलर्स के लिए बासमती, गैर-बासमती चावल, टूटे चावल और धान का साप्ताहिक स्टॉक बताना भी अनिवार्य किया है।

वहीं, नए चीनी सीजन के दौरान डीलरों के लिए अधिकतम 1,000 क्विंटल या 15 दिन की खपत के बराबर स्टॉक रखने की सीमा निर्धारित की गई है। सरकार के इन व्यापक प्रयासों का उद्देश्य खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी रोकना और आम जनता को बढ़ती महंगाई से राहत दिलाना है।

सर्दियों में बच्चों को रहता है इन 4 बीमारियों का खतरा, ऐसे करें बचाव



ठंड के इस मौसम में इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण शरीर वायरल समस्याओं से बहुत ही जल्दी घिरता है। खासतौर पर छोटे बच्चों की इम्यूनिटी कमजोर ही रहती है। ऐसे में बच्चों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से इस मौसम में जूझना पड़ता है। सर्दियों में बच्चों को सांस से जुड़ी समस्याएं भी बहुत ही जल्दी परेशान करती हैं इसके कारण बच्चों के गले में खराश, नाक बहना और सर्दी खांसी जैसे लक्षण आम होते हैं। कुछ बच्चों को थकान और सुस्ती भी इसके कारण महसूस होती है।

निमोनिया

इस समस्या के कारण बच्चे सर्दियों में परेशान हो सकते हैं। यह बीमारी बच्चों में सर्दियों में ज्यादा देखने को मिलती है। यह सांस से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जो फेफड़ों को प्रभावित करती है। इस स्थिति में बच्चों को सांस लेने में परेशानी होती है। यह बैक्टीरिया या फिर कवक के कारण हो सकता है। निमोनिया बच्चों को सर्दियों में ज्यादा परेशान करता है हालांकि यह व्यस्कों को भी हो सकता है।

साइनस

यह समस्या हर उम्र के लोगों के देखने में मिलती है। बच्चों को साइनस हो सकता है। इस समस्या में नाक और आंख के पीछे हवा से भरी थैलियों में द्रवा जमा हो जाता है जिससे संक्रमण का खतरा रहता है। बच्चों को साइनस होने के कारण सिरदर्द, बुखार, सर्दी-जुकाम जैसे लक्षण भी दिखते हैं। यदि आपके बच्चों को साइनस की बीमारी है तो सर्दियों में आपको उनका ज्यादा ध्यान रखने की जरुरत होती है।

अस्थमा

यह बीमारी सर्दियों में ज्यादा बढ़ती हैं। बच्चों को भी अस्थमा हो सकता है। यह बीमारी फेफड़ों को वायुमार्ग को संकरा कर देता हैं। इससे बच्चों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। इसके कारण बच्चों को सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। इससे कफ की समस्या भी होती है और बच्चों को घबराहट भी हो सकती है। ऐसे में सर्दी के मौसम में आपको बच्चों की धूल-मिट्टी और प्रदूषण से बचाना चाहिए।

ब्रोंकियोलाइटिस

यदि सर्दियों में आपके बच्चे को बार-बार सर्दी-खांसी होती है तो यह ब्रोंकियोलाइटिस का संकेत भी हो सकता है। यह शिशुओं और बच्चों को प्रभावित करने वाली बीमारी हो जो फेफड़ों में वायुमार्ग में सूजन का कारण बन सकता है। यह एक संक्रामक बीमारी है जो खांसी या छींक के माध्यम से निकलने वाली बूंदों के संपर्क में आने से फैलता है। इस स्थिति में बच्चों को नाक बहना, बुखार या फिर सीने में घरघराहट जैसे लक्षणों का सामना भी करना पड़ सकता है।



बच्चों का कैसे करें बचाव?

.सांस की बीमारियों से बच्चों को बचाने के लिए हाइजीन का खास ध्यान रखें।
.खाना खाने से पहले बच्चों के हाथ साबुन से धुलाएं।
. यदि बच्चों को खांसी हो रही है तो खांसते हुए और छींकते हुए मुंह ढकने के लिए कहें।
.ठंड से बचाने के लिए बच्चों को पूरे कपड़े पहनाएं। बच्चों को दस्ताने और मास्क भी जरुर पहनाएं।
.भीड़-भाड़ वाली जगहों पर बच्चों को न जाने दें।
.बच्चे के खान-पान का ध्यान रखें।

शरीर को गरम रखें

अक्सर बच्चों को ठंड लगने की वजह से, वे बुखार और खांसी-जुकाम का शिकार हो सकते हैं। इसलिए उन्हें अच्छे से कपड़े पहना कर रखें। अक्सर बच्चे जुराब और टोपी नहीं पहनते, जिस वजह से उन्हें ठंड लग जाती है। इसलिए कोशिश करें कि उन्हें ठीक से कपड़े पहनाएं और ठंड से बचा कर रखें।

हाइजीन का ध्यान रखें

सर्दियों के मौसम में अक्सर बच्चे ठंड की वजह से अपनी हाइजीन का ख्याल नहीं रखते। वे गंदे हाथों से अपने मुंह और नाक को छूते हैं, जिस वजह से, वे आसानी से वायरस और बैक्टीरिया की चपेट में आ सकते हैं। इसलिए बच्चों को हाइजीन का महत्व समझाएं और हमेशा बाहर से आने के बाद अच्छे से साबुन से हाथों को धोने की सलाह दें और गंदे हाथों से मुंह न छूने दें।



संतुलित आहार खिलाएं

पोषक तत्वों की कमी की वजह से बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है और वे बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। इसलिए अपने बच्चों की डाइट का खास ख्याल रखें। उन्हें संतुलित आहार दें।

बीमार लोगों से दूर रखें

सर्दी और जुकाम ऐसी बीमारियां हैं, जो बीमार व्यक्ति से स्वस्थ व्यक्तियों में फैल सकता है। ऐसे में बच्चे उनका आसान शिकार हो सकते हैं। इसलिए अपने बच्चों को बीमार व्यक्तियों के पास न जाने दें।

छींकते वक्त मुंह ढकें

छींकते और खांसते वक्त हवा में मुंह और नाक से ड्रॉपलेट्स आते हैं, जिनकी वजह से इन्फेक्शन फैल सकता है। इसलिए बच्चों में आदत डालें कि हमेशा छींकते या खांसते वक्त अपने मुंह और नाक को रुमाल या कोहनी से ढकें, ताकि वायरस और बैक्टीरिया हवा में न फाइलें।

पानी की कमी न होने दें

पानी की कमी की वजह से म्यूकस लाइनिंग मोटी होने लगती है, जिस वजह से रेस्पिरेशन में तकलीफ हो सकती है और बलगम इकट्ठा हो सकता है। इसलिए बच्चों को भरपूर मात्रा में पानी पिलाएं, ताकि म्यूकस की परत मोटी न हो।

एआई के जमाने में टिके रहने के लिए हर पैरेंट अपने टीनेज बच्चों को सिखाएं ये 3 स्किल्स



आज की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इतनी तेज़ी से बढ़ रही है कि आने वाले कुछ सालों में कई नौकरियां पूरी तरह बदल जाएंगी। ऐसे में माता-पिता के लिए ज़रूरी है कि वे अपने बच्चों को सिर्फ़ अच्छे मार्क्स नहीं, बल्कि ऐसी स्किल्स सिखाएं जो मशीनें नहीं सीख सकतीं। जानिए 3 ज़रूरी जॉब स्किल्स जो हर पैरेंट को अपने टीनेज बच्चों को सिखानी चाहिए, ताकि वे भविष्य के करियर में सफल रह सकें।

क्रिटिकल थिंकिंग – सोचने और सवाल करने की कला

एआई डेटा से फैसले ले सकता है, लेकिन सोचने, तर्क करने और सही-गलत समझने की क्षमता सिर्फ इंसानों के पास होती है।बच्चों को सिखाएँ कि वे हर जानकारी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, खुद से सवाल करें जैसे- क्यों?, कैसे?,क्या इसका और कोई तरीका हो सकता है? किसी समस्या को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखें। उन्हें समाचारों या सोशल मीडिया पोस्ट पर चर्चा करने को कहें और तर्क पूछें 'तुम्हें क्यों लगता है ये सही है?'

कम्युनिकेशन और इमोशनल इंटेलिजेंस

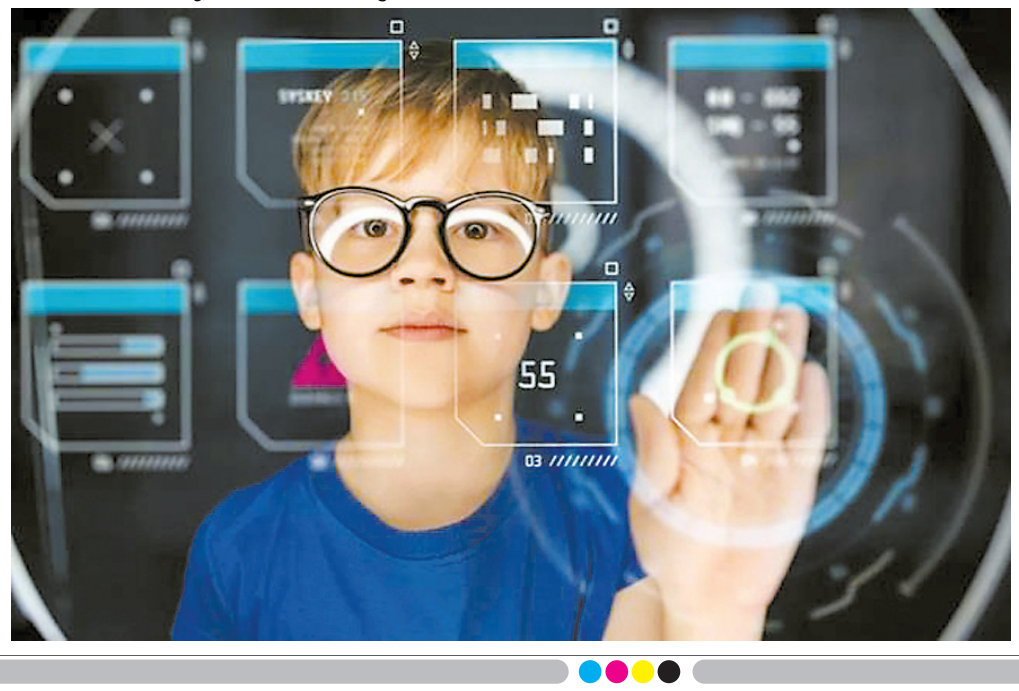
एआई चैट कर सकता है, लेकिन भावनाएं समझ नहीं सकता। भविष्य में जो इंसान दूसरों से जुड़ना, टीम में काम करना और सहानुभूति दिखाना जानता है, वही आगे बढ़ेगा। बच्चों को सिखाएं कि वे दूसरों की बात ध्यान से सुनें, अपनी भावनाएं साफ़ और सम्मानजनक तरीके से व्यक्त करें, दूसरों की स्थिति को समझने की कोशिश करेंज उन्हें ग्रुप एक्टिविटीज़, वॉलंटियर वर्क या स्कूल डिबेट में हिस्सा लेने को प्रेरित करें।

क्रिएटिविटी और प्रॉब्लम सॉल्विंग

एआई पुराने डेटा पर चलता है, लेकिन नई सोच और नए आइडिया इंसानों से ही आते हैं। क्रिएटिव बच्चे हर बदलते दौर में अपने लिए नए मौके बना लेते हैं। बच्चों को सिखाएं कि वे असफलता से डरें नहीं, बल्कि उससे सीखें, हर समस्या को एक 'पज़ल' की तरह देखें,कला, संगीत, डिजाइन या इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में अपनी रुचि आज़माएं। उन्हें घर के छोटे प्रोजेक्ट्स सुलझाने का मौका दें – जैसे कोई टूटी चीज़ ठीक करना, बजट बनाना या कोई नया आइडिया ट्राय करना।

जरूरी बात

भविष्य उन्हीं का होगा जो सोच सकते हैं, महसूस कर सकते हैं और नई दिशा बना सकते हैं। इसलिए बच्चों को सिर्फ़ एआई से डरना नहीं, बल्कि एआई के साथ आगे बढ़ना सिखाए। ध्यान रखें कि मशीनें काम कर सकती हैं, लेकिन सोचने का काम इंसान का ही रहेगा।





बच्चों के पढ़ाई और संस्कारों के साथ सिखा दें ये बातें भी, हमेशा बचे रहेंगे गलत संगत से

आज के समय में बच्चों को सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि जीवन के संस्कार और सुरक्षा के गुण भी सिखाना बेहद जरूरी है। ऐसे बच्चे न केवल समझदार बनते हैं बल्कि बुरे लोगों या गलत संगति से खुद को बचाना भी जानते हैं। यहाँ कुछ जरूरी बातें हैं जो हर पैरेंट्स को अपने बच्चों को सिखानी चाहिए

'ना' कहना सिखाएं

बच्चों को यह समझाएं कि अगर कोई व्यक्ति उन्हें असहज महसूस कराता है चाहे वो कोई जान-पहचान वाला ही क्यों न हो तो वे तुरंत 'ना' कहें। ये आत्म-सुरक्षा का पहला कदम है। ना कहना गलत नहीं, अपनी सुरक्षा जरूरी है।

अच्छे और बुरे स्पर्श की समझ

बच्चे को सिखाएं कि शरीर के कौन से हिस्से 'प्राइवेट' हैं और वहां कोई छूए तो उसे तुरंत बताना चाहिए।इसके लिए कहानी या चित्रों के माध्यम से सिखाना आसान होता है।

खुलकर बात करना

बच्चों को डरने नहीं बोलने की हिम्मत दें। अगर स्कूल, बस, या बाहर कुछ गलत लगे तो वे तुरंत मां-पापा को बताएं।जो बच्चा अपने माता-पिता से खुलकर बात करता है, वो कभी शिकार नहीं बनता। उन्हें समझाएं कि किसी अजनबी से गिफ्ट, खाना या लिफ्ट न लें। अगर कोई अनजान व्यक्ति बुलाए, तो तुरंत भरोसेमंद बड़े को बताएं।

ऑनलाइन सुरक्षा

आजकल खतरे सिर्फ बाहर नहीं,इंटरनेट पर भी हैं। बच्चों को सिखाएं कि अपनी फोटो, लोकेशन या जानकारी किसी से साझा न करें। पैरेंट्स को भी बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटी पर नज़र रखनी चाहिए।

भरोसे का रिश्ता बनाए रखें

बच्चा तभी सच बोलेगा जब उसे लगेगा कि आप डांटेंगे नहीं, समझेंगे। मां-बाप का भरोसा बच्चे की सबसे बड़ी ढाल होता है। जो बच्चे इन बातों को समझते हैं, उन पर कभी बुरे लोगों का साया नहीं पड़ता। वे साहसी, समझदार और सुरक्षित बनते हैं।

सैंडपेपर विवाद

वसीम अकरम बोले- निशान खरोंच से बिल्कुल अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 के केपटाउन टेस्ट से जुड़ा सैंडपेपर विवाद एक बार फिर चर्चा में है। उस्मान ख्वाजा के बयान के बाद इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अब पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के उस दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने से इनकार किया था। अकरम का कहना है कि एक अनुभवी गेंदबाज गेंद पर सैंडपेपर से किए गए बदलाव को तुरंत पहचान सकता है।

विवाद पर वसीम अकरम ने दी प्रतिक्रिया

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एक बार फिर सुर्खियों में आए सैंडपेपर विवाद पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सवाल उठाया कि 2018 के केपटाउन टेस्ट में गेंदबाजी इकाई का अहम हिस्सा रहे पैट कमिंस की गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी कैसे नहीं हो सकती थी। अकरम के मुताबिक, गेंद की स्थिति में इस तरह का बदलाव अनुभवी गेंदबाजों की नजर से छिपना मुश्किल है।



एक गेंदबाज के तौर पर मुझे तुरंत पता चल जाएगा कि कुछ गड़बड़ है

अकरम ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में कहा, मैंने पैट कमिंस की यह कहते हुए देखा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। यह मेरे सबसे करीबी दोस्त, शानदार क्रिकेटर और मिश्र क्रिकेट के बेहतरीन नेताओं में से एक हैं। इसलिए ही सकता है कि उस समय पूरी टीम को पता न हो कि क्या हो रहा था। यह मेरी राय है, जो सही भी हो सकती है और गलत भी।

गेंद रगड़कर खुद अंतर देख सकते हैं

रिवर्स स्विंग के विशेषज्ञ माने जाने वाले अकरम ने क्रिकेट प्रशंसकों को भी इस अंतर को समझाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, अगर आप क्रिकेट प्रेमी हैं और इस अंतर को देखना चाहते हैं, तो एक पीढ़ी पुरानी क्रिकेट गेंद और सैंडपेपर का टुकड़ा लीजिए। उसे गेंद पर रगड़कर देखिए, आपको समझ आ जाएगा कि दोनों तरह के निशान बिल्कुल अलग होते हैं।

मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं

वसीम अकरम ने स्पष्ट किया कि वह इस विवाद में किसी एक पक्ष का समर्थन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैदान के अंदर और बाहर अपने सीधे रवैये, कड़े प्रतिस्पर्धी स्वभाव और सबसे महत्वपूर्ण ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि आठ साल पहले भी इस पूरे मामले के कारण ऑस्ट्रेलिया एक मुश्किल दौर से गुजरा था और अब एक बार फिर पूरा देश बवाल में है। उम्मीद है कि इस मामले का जल्द समाधान निकल जाएगा।

ख्वाजा के बयान पर भड़के थे पैट कमिंस

यह विवाद उस्मान ख्वाजा के हालिया बयान के बाद फिर से चर्चा में आया। ख्वाजा ने दावा किया था कि केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद पर सैंडपेपर इस्तेमाल किए जाने की जानकारी थी। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया।

तेज गेंदबाज बरार न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज के लिए चुना गया

- कुलदीप बाहर, पंत भी टीम से जुड़े, 19 नवंबर से पहला टेस्ट

नईदिल्ली(एजेंसी)। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वे अब भारत में घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। बीसीसीआई ने शनिवार



की टीम में बदलाव की जानकारी दी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी वेलिंगटन में टीम से जुड़ गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। शुभमन गिल टीम की कमान संभालेंगे, जबकि केएल राहुल उपकप्तान होंगे। गुरनूर बरार न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में दोनों टीमों की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं। गुरनूर इस साल वनडे में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

टी-20 क्रिकेट के सबसे युवा कप्तान बने वैभव, बनाया विश्व रिकॉर्ड



15 साल 232 दिन की उम्र में बिहार की कमान

38 टीमें खेलेंगी घरेलू टी-20 टूर्नामेंट

इंदौर (एजेंसी)। भारत के घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नया सीजन आज से शुरू हो गया। शनिवार को 19 मैच ही रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी नेटी-20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे युवा कप्तान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपना लिया है।वहीं, भारतीय टीम से बाहर चल रहे पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 15 बॉल पर हाफ सेंचुरी जमा दी है। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार और सौराष्ट्र के बीच मैच खेला गया। वैभव 15 साल और 232 दिन की उम्र में बिहार की कप्तानी कर रहे हैं। इसके साथ ही वे इस फॉर्मेट में अब तक के सबसे युवा कप्तान बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड जीम्बाब्वे के जैक वुकुसिक के नाम था। उन्होंने 7 अगस्त 2025 को सहारस के खिलाफ 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी टीम की कमान संभाली थी।

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हराया

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हरा दिया। बिहार की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन ही बना सकी। सूर्यवंशी ने 12 गेंदों पर 18 रन बनाए। सौराष्ट्र ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हराया

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ौदा ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 148 रन बनाए। कप्तान करुणाल पंड्या 40 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शिवालिक शर्मा ने 45 रन की पारी खेली।चंडीगढ़ की ओर से अमनदीप लाकरा ने 2 विकेट लिए। संदीप शर्मा, चिरागवीर खिंडसा और शिवम भांबरी को 1-1 विकेट मिला।

38 टीमें दो डिवीजन में खेलेंगी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी भारत का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट है। इसमें रणजी ट्रॉफी खेलने वाली टीमें हिस्सा लेती हैं। इस बार 38 टीमों को दो डिवीजन में बांटा गया है।फ्लैगशिप डिवीजन में 32 टीमें होंगी। इन्हें चार ग्रुप में रखा गया है और हर ग्रुप में 8 टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी 7 टीमों से खेलेगी। चारों ग्रुप की टॉप 2-2 टीमें सुपर लीग में पहुंचेंगी।सुपर लीग में 8 टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर टीम 3 मैच खेलेगी। दोनों ग्रुप की टॉप टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। प्लेट डिवीजन का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।प्लेट डिवीजन में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। सभी टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी और हर टीम के 5 लीग मैच होंगे। पॉइंट्स टेबल की शीर्ष 2 टीमें 24 नवंबर को फाइनल खेलेंगी।

पुडुचेरी ने महाराष्ट्र को 15 रन से हराया-पुडुचेरी ने महाराष्ट्र को 15 रन से हराया।पहले बल्लेबाजी करते हुए पुडुचेरी ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 204 रन बनाए। भानु आनंद और परमेश्वरन शिवशमन ने 46-46 रन की पारी खेली, जबकि पुगाझेंथी आकाश ने 14 गेंदों पर 42 रन बनाए।

अच्छी खबर

दीप्ति दूसरी बार आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को अक्टूबर के लिए दूसरा विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। 29 साल की दीप्ति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 इंटरनेशनल मैच में 155 रन बनाए और 7 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी-20 और तीन वनडे समेत सभी 6 मुकाबले जीते। दीप्ति ने इस पुरस्कार की दौड़ में बांग्लादेश की सोभना मोस्तारी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। यह उनके करियर का दूसरा आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2023 में यह सम्मान मिला था।दीप्ति शर्मा टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज की शुरुआत रायपुर में हुए पहले टी-20 इंटरनेशनल से हुई। इस मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 19 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में दीप्ति ने तेजी से 49 रन बनाए।टी-20 सीरीज में दीप्ति ने कुल 2 विकेट भी लिए।

बुरी खबर

तेलंगाना की अंडर-19 क्रिकेटर ने किया सुसाइड

नईदिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में बीसीसीआई अंडर-19 टीम में चुनी गई 17 साल की क्रिकेटर नंदिनी ने सुसाइड कर लिया है। वे यहां अपनी नानी के घर रहकर पढ़ाई और क्रिकेट की तैयारी कर रही थीं। इस घटना के विरोध में उनके रिश्तेदारों ने प्रदर्शन किया। घटना शुक्रवार की है। परिजन का आरोप है कि इलाके में रहने वाला युवक अनिल प्यार के नाम पर नंदिनी का पीछा करता था। अनिल का दोस्त कृष्णा उसका साथ देता था। नंदिनी मूल रूप से विकाराबाद जिले के कलाल मंडल के संगवपल्ली गांव की रहने वाली थी। हाल ही में उनका सिलेक्शन बीसीसीआई अंडर-19 टीम में हुआ था। नंदिनी की मौत के बाद परिजन ने सड़क पर प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों युवकों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद नंदिनी का शव परिवार को सौंप दिया गया। विकाराबाद के सर्किल इंस्पेक्टर रवि के मुताबिक, पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे घटना की सूचना मिली। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारत का न्यूजीलैंड के साथ निर्णायक मुकाबला आज



माउंट मोनगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में 89 रन पर सिमटने के बाद भारतीय टीम अब आखिरी मुकाबले में सम्मान बचाने और सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। माउंट मौनगानुई में रविवार को होने वाले पांचवें और निर्णायक वनडे में भारतीय बल्लेबाजी के सामने स्विंग और सीम लेती गेंदों की बड़ी चुनौती होगी।

भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला रविवार को माउंट मौनगानुई में खेला जाएगा। भारतीय बल्लेबाज पिछले मैच में न्यूजीलैंड की स्विंग और सीम गेंदबाजी के सामने पूरी तरह नाकाम रहे थे। पैट हेनरी ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट लेकर भारत की बैकफुट पर धकेल दिया था। ऐसे में टीम इंडिया को कोहिनूर आखिरी मुकाबले में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की होगी।

89 रन पर सिमटी थी टीम इंडिया, झेलनी पड़ी बड़ी हार

चौथे वनडे में 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम महज 26.4 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट हो गई थी।न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में 244 रन से जीत दर्ज की। इस हार के बावजूद भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे है और आखिरी मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।

रोहित पर रहेंगी निगाहें

पांच मैचों की इस सीरीज में रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर अब तक अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं। चौथे वनडे में रोहित मैट हेनरी की शानदार गेंद पर एकमात्र खराब रिलैप में कैच दे बैठे। वहीं श्रेयस अय्यर तेज गति से अंदर आती गेंद पर एलबीडब्यू आउट हो गए। पावरप्ले के रूप में अय्यर का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। अब दोनों बल्लेबाज आखिरी मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

भारतीय गेंदबाज रहे बेअसर

पावरप्ले में न्यूजीलैंड ने मारी बाजी, चौथे वनडे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर नौ रन कर दिया था। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती ओवरों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर हावी नहीं बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए परिस्थितियां काफी अनुकूल हो गई थीं।

न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा

चौथे वनडे में बड़ी जीत हासिल करने के बाद न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। टीम के दाएंहाथ बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतक लगाकर अपनी फॉर्म दिखाई, जबकि मिचेल यंग ने दो बार कैच छूटने के बाद शानदार शतक जड़ा। न्यूजीलैंड की कोशिश पांचवां वनडे जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर करने की होगी।

अल्वी फरहान को 3 गेम में हराया, दूसरे खिताब से एक जीत दूर

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य

कुमामोटो (एजेंसी)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। तीन गेम तक चले इस मुकाबले की जीत में लक्ष्य को एक घंटा 9 मिनट का समय लगा। अब वे खिताब से एक जीत दूर हैं। फाइनल में उनका सामना कोकी वतानाबे या पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसार्न से होगा। लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 21-12 से जीत दर्ज की।



दूसरे गेम में अल्वी फरहान ने वापसी करते हुए 21-15 से गेम अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक गेम में लक्ष्य ने आक्रामक खेल दिखाया और 21-11 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। जापान मास्टर्स से पहले लक्ष्य ने जर्मनी में हाइली ओपन का खिताब जीता था। फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के डिकेम्बिंग चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था।यह इस सीजन का उनका पहला और करियर का सातवां बीडब्ल्यूएफ खिताब था। अब जापान मास्टर्स में भी वे उसी लय की बरकरार रखे हुए हैं। लक्ष्य ने जापान मास्टर्स में अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चो यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर की थी।

दूसरे राउंड में उन्होंने चीन के डेंग यिपान याओ को 21-8, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 35 मिनट चला था। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला 39 मिनट से कम समय में खत्म हुआ था। लक्ष्य सेन ने हाल ही में कोरिया ओपन से नाम वापस ले लिया था। हालांकि, जापान मास्टर्स में उनके प्रदर्शन से साल के अंत में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।

सूर्यकुमार ने की तूफानी वापसी, 60 रन की खेली ताबड़तोड़ पारी



मुंबई (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में धमाकेदार वापसी की है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में मुंबई की कप्तानी करते हुए सूर्या ने हैदराबाद के खिलाफ महज 21 गेंदों में नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी और मुशीर खान के अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने 173 रनों का लक्ष्य महज 13.1 ओवर में हासिल कर लिया और मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया।

6 महीने बाद टी20 में सूर्यकुमार की वापसी

भारतीय टी20 टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने करीब छह महीने बाद प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के पहले मुकाबले में मुंबई की कप्तानी की। हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्या ने मैदान के चारों तरफ शानदार शॉट लगाए। उनकी पारी ने मुंबई की जीत को बेहद आसान बना दिया।

सिर्फ 15 गेंदों में जड़ दी फिफ्टी

सूर्यकुमार यादव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से हैदराबाद के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो उनके टी20 करियर की 66वीं फिफ्टी रही। सूर्या ने 21 गेंदों में नाबाद 60 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनकी इस पारी ने मुकाबले का रुख पूरी तरह मुंबई के पक्ष में कर दिया।

हैदराबाद की टीम 172 रन पर सिमटी

इससे पहले मुंबई के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। हैदराबाद की शुरुआत अच्छी रही और अभिषेक शर्मा ने पहले ओवर में शार्दुल ठाकुर के खिलाफ तीन चौके लगाए। हालांकि ठाकुर ने अपने दूसरे ओवर में पोवेल को आउट कर बदला चुकता किया। पावरप्ले के छह ओवर में हैदराबाद ने दो विकेट के नुकसान पर 54 रन बना लिए थे।

मुंबई ने 41 गेंद शेष रहते दर्ज की जीत

हैदराबाद के 172 रनों के जवाब में मुंबई ने 13.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 173 रन बना लिए। इस तरह मुंबई ने 41 गेंद शेष रहते मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव और मुशीर खान की अर्धशतकीय पारियां टीम की जीत की सबसे बड़ी वजह रहीं। मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज में की।



प्रलयः रणवीर की फिल्म की शूटिंग पर उठे सवाल

रणवीर सिंह अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि उनकी फिल्म की शूटिंग पर विवाद हो रहा है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने महाराष्ट्र खेल विभाग की तरफ से फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई के आजाद मैदान को इस्तेमाल करने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे इस खेल मैदान का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इस शूटिंग की वजह से अंडर-14 और अंडर-16 इंटर-स्कूल मैचों को टालना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एमसीए ने खेल विभाग के उप-निदेशक को पत्र लिखकर पूछा है कि व्यावसायिक अनुमति देने से पहले एसोसिएशन से सलाह क्यों नहीं ली गई। एमसीए एपेक्स काउंसिल के सदस्य नदीम मेमन ने बताया कि खेल विभाग युवा खिलाड़ियों की जरूरतों के बजाय व्यावसायिक बुकिंग को ज्यादा अहमियत दे रहा है।

मैदान पर अतिक्रमण का इल्जाम

मेमन ने कहा, 'आजाद मैदान का एक बड़ा हिस्सा पहले ही मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए दे दिया गया था, मगर कई बार याद दिलाने के बावजूद ठेकेदारों ने अभी तक वह जगह खाली नहीं की है। मुंबई पुलिस भी अपनी मूल जगह पर वापस जाने के बजाय अभी भी मैदान पर कब्जा जमाए हुए है। अब यहां फिल्मों की शूटिंग की भी अनुमति दी जा रही है।'

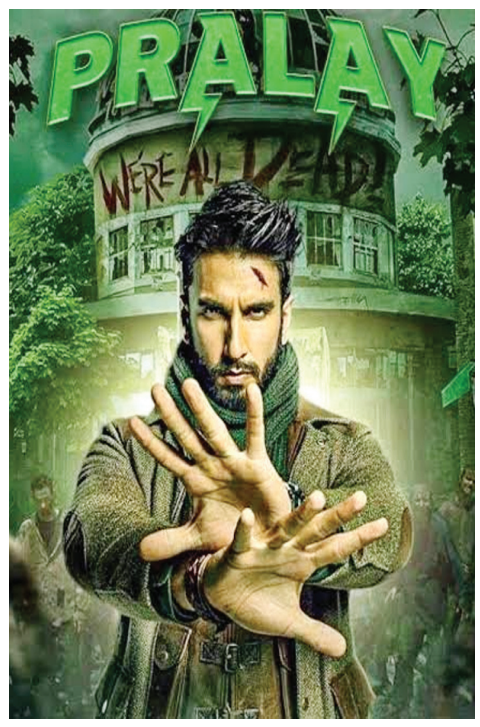
मेमन ने उठाए सवाल

मेमन ने बताया कि फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग के लिए मैदान पर बड़े-बड़े सेट लगाए गए और खेलने वाली सतह पर कृत्रिम घास बिछा दी गई। आजाद मैदान ट्रेनिंग ग्राउंड है, न कि कोई व्यावसायिक जगह। धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों, मैराथन और प्रदर्शनियों की वजह से पहले भी यहां खेल गतिविधियों में रुकावटें आई हैं। मेमन ने सवाल उठाया कि युवा टूर्नामेंटों में आने वाली रुकावटों की जिम्मेदारी कौन लेगा? एमसीए ने अपने आधिकारिक पत्र में खेल विभाग से आग्रह किया है कि वे पहले से तय खेल आयोजनों को प्राथमिकता दें। एसोसिएशन ने जोर देकर कहा कि उनके अंडर-14 और अंडर-16 टूर्नामेंट काफी पहले से तय कर लिए जाते हैं और ये राज्य में क्रिकेट के विकास तंत्र का एक अहम हिस्सा हैं।

राज्य सरकार ने प्रोडक्शन हाउस 'लाइट रेज' को आजाद मैदान में 5000 वर्ग गज सरकारी जमीन का छह घंटे तक इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। इसके लिए 40000 रुपये का किराया और 40000 रुपये की रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट (सुरक्षा राशि) ली गई है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, खेल उप निदेशक नवनाथ फर्टाडे ने कहा एक सरकारी प्रस्ताव (ठक्र) के तहत विभाग को यह अधिकार है कि वह साल में 30 दिनों तक आजाद मैदान को खेल-कूद के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए आवंटित कर सकता है।

क्या बोले निर्माता

'प्रलय' के निर्माता हंसल मेहता ने बताया कि शूटिंग शुरू करने से पहले उनकी प्रोडक्शन टीम ने संबंधित अधिकारियों से सभी जरूरी अनुमतियां ले ली थीं।







बॉलीवुड एक्ट्रेस राइमा सेन ने महल छोड़कर चुनी फिल्मों की दुनिया

फिल्म दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है, लेकिन जब कोई शाही परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद अभिनय की राह चुनता है, तो उनकी कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। अभिनेत्री राइमा सेन भी शाही परिवार से आती हैं, जिनका नाता राजघराने से रहा है। शाही परिवार से पली-बढ़ी राइमा ने ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला किया। 7 नवंबर 1979 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री राइमा सेन शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य हैं। उनकी दादी, इला देवी, कूच बिहार की राजकुमारी थीं और उनकी छोटी बहन गायत्री देवी जयपुर की महारानी थीं। वहीं, अभिनेत्री की मां मुनमुन सेन जानी-मानी अभिनेत्री हैं और उनकी नानी सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की महान नायिका (महानायिका) मानी जाती थीं। घर में नानी और मां के अभिनय से जुड़े होने के कारण उन्हें अभिनय की दुनिया विरासत में मिली। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में आई फिल्म 'गॉडमदर' से की थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वे फिल्म 'दमन' में नजर आईं। बंगाली सिनेमा में रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में ऐश्वर्या राय के साथ उनके काम की बहुत सराहना हुई थी। इसके अलावा वह प्रमुख बंगाली फिल्मों 'बैशे श्राबोन', 'नौका डूबी', 'ह्रद मझारे' और 'माछ मिष्टी एंड मोर' में नजर आई थीं। उन्होंने साल 2005 में विद्या बालन के साथ फिल्म 'परिणीता' में काम किया, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और विद्या बालन के साथ काम किया था। साल 2011 में अभिनेत्री 'बैशे श्राबोन' में नजर आई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ-साथ राइमा सेन के काम की भी सराहना हुई थी। उन्होंने 'द जापानी वाइफ', 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'द वैक्सीन वॉर' और 'मिस्ट्री चेज़' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। उनकी प्रमुख वेब सीरीज में 'हैलो!', 'द लास्ट ओवर' और 'माई' शामिल हैं।



आईपीएस अफसर किरदार निभाने के लिए खुद से ज्यादा निर्देशक को भरोसा था

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी पैन-इंडियन एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ओमः चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी आईपीएस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार को निभाने के लिए उनसे ज्यादा निर्देशक को उन पर ज्यादा भरोसा था। शुक्रवार को साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज में हुए फिल्म के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च इवेंट में हिस्सा लेते हुए साई पल्लवी ने कहा, 'राजकुमार पेरियासामी कमाल के निर्देशक हैं। मैंने उन्हें पिछली फिल्म में ही कह दिया था कि मैं उनकी अगली फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं लेकिन उन्होंने मेरी बात को सीरियस लिया और यह फिल्म बनाई। मेरे पुलिसवाले रोल पर उन्हें मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। स्टंट सीक्वेंस पर काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। राजकुमार सर ने इस किरदार को कई परतों के साथ लिखा है। वो हर एक्ट्रेस के ड्रीम डायरेक्टर हैं, जिस तरह से वो महिलाओं के किरदार लिखते हैं, वो कमाल है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पिछली फिल्म 'अमरन' में उनके किरदार को पूरे समय 'ममूटी' कहकर पुकारा जाता था और अब उन्हें उसी मलयालम सुपरस्टार के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'पिछली फिल्म में ममूटी-ममूटी कहकर अब ममूटी सर के साथ। पता नहीं क्या मैंने इसे मैनिफेस्ट कर लिया था।' फिल्म 'ओमः चैप्टर 1 - उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी एक कड़क और शक्तिशाली पुलिस अधिकारी नित्या रेड्डी (आईपीएस/सीबीआई अधिकारी) की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म लाल चंदन की अवैध तस्करी के इर्द-गिर्द घूमती है। नित्या रेड्डी इसी तस्करी के नेटवर्क की जांच करने के लिए 'ऑपरेशन ओम' के तहत मैदान में उतरती हैं। उनकी जांच के पीछे एक व्यक्तिगत नुकसान की वजह जुड़ी है, जो उन्हें न्याय पाने के लिए प्रेरित करती है।

फिल्म 'लड़ाकू' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं कार्तिक आर्यन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कार्तिक आर्यन और कबीर खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। दोनों की अगली फिल्म का नाम और रिलीज डेट सामने आ गई है। बता दें कि फिल्म का नाम 'लड़ाकू' है। मेकर्स ने इसे एक ऐसी फिल्म बताया है, जो दर्शकों को भावुक करने के साथ प्रेरित भी करेगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कार्तिक आर्यन बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं।

बुधवार को बिरला स्टूडियोज ने फिल्म 'लड़ाकू' की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह फिल्म 18 जून, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को बिरला स्टूडियोज और कबीर खान एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, डोपामिन स्टूडियोज के जरिए कार्तिक आर्यन भी बतौर निर्माता इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, 'लड़ाकू' एक सच्ची घटना पर आधारित असाधारण कहानी है, जिसमें महत्वाकांक्षा, हिम्मत और उम्मीद की झलक देखने को मिलेगी। इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की कहानी, बाकी कलाकारों और क्रू से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

'चंदू चैंपियन' में कर चुके हैं साथ काम

बता दें कि कार्तिक आर्यन और कबीर खान इससे पहले साल 2024 में आई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को क्रिटिक्स की खूब तारीफ मिली थी। कई लोगों ने इसे कार्तिक के करियर की अब तक की बेहतरीन परफॉर्मेंस भी बताया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को खास सफलता नहीं मिली। करीब 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग 88 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। बाद में ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और यह फैंस की पसंदीदा फिल्मों में शामिल हो गई।

'बेवफा सनम' में नील नितिन मुकेश के साथ काम कर बोलीं कशिका कपूर

अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई। कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं।



अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार करना हमेशा मजेदार होता है

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपनी आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' के रिलीज से पहले कहा है कि किसी फिल्म या किरदार का चुनाव करते समय वह अपने अंदर के बच्चे की बात सुनती हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान मुंबई में अपने सह-कलाकार पंकज त्रिपाठी के साथ बातचीत में अदिति ने कहा कि उन्हें इस फिल्म की कहानी बेहद प्यारी लगी। उन्होंने कहा, मुझे यह एक साधारण जिंदगी से जुड़ी कहानी वाली फिल्म लगी। इसके साथ जुड़े लोग भी ऐसे थे, जिनके साथ काम करने का मौका मुझे आम तौर पर नहीं मिलता। यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे यह फिल्म करने के लिए प्रेरित किया। अदिति ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार में काम करना हमेशा मजेदार होता है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में एक हल्कापन था, जो मुझे बहुत पसंद आया। मैं बस इसे करना चाहती थी। मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरे भीतर एक उत्साह और सहज भावना थी। मैं अपने अंदर के बच्चे की सुनती हूं। अगर किसी चीज को लेकर मैं उत्साहित होती हूं, तो मेरे लिए उस सफर का महत्व सबसे ज्यादा होता है क्योंकि परिणाम मेरे हाथ में नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'अगर यात्रा मजेदार हो, उसमें रोमांच हो, सीखने का अवसर हो और अच्छे लोग साथ हों, तो वही सबसे महत्वपूर्ण होता है। आखिरकार वही अनुभव आपके साथ हमेशा रहता है।'



राहुल गांधी के फोन टैपिंग आरोपों के बीच सैम पित्रोदा का बड़ा दावा, बोले- मेरा फोन भी टैप हो रहा है

सैम पित्रोदा का दावा- फोन टैप हो रहा है, लेकिन पीएम मोदी खुद नहीं कर रहे ऐसा; निजी रिश्तों पर भी रखी बात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राहुल गांधी के फोन टैपिंग के आरोपों के बीच इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने दावा किया है कि उनका फोन भी टैप किया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद ऐसा नहीं कर रहे हैं। एनडीटीवी को दिए साक्षात्कार में पित्रोदा ने कहा, 'प्रधानमंत्री खुद पेचकस लेकर ऐसा नहीं कर रहे हैं।' हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनके फोन की कथित निगरानी के पीछे किसका हाथ है। दरअसल, राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका मोबाइल फोन टैप करवा रहे हैं। इसी बीच सैम पित्रोदा का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने अपने फोन की निगरानी किए जाने का दावा किया है। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में किसी व्यक्ति या एजेंसी का नाम नहीं लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों को लेकर सैम पित्रोदा ने कहा कि राजनीति की लड़ाई को निजी रिश्तों पर हावी नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने बताया कि मोदी के साथ उनके निजी संबंध अच्छे हैं, लेकिन राजनीति और विचारधारा के मामले में दोनों की सोच अलग-अलग है। पित्रोदा के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी हमेशा उनके और उनकी पत्नी के साथ अच्छे तरीके से पेश आए हैं। पित्रोदा ने आगे कहा कि भारत में धर्म को राजनीति से ऊपर नहीं रखना चाहिए। प्रधानमंत्री पूरे देश का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए उसे मंदिरों में जाने और पूजा-पाठ करने में इतना अधिक समय नहीं देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिवाली पर प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनाएं देने का मतलब कांग्रेस और भाजपा के बीच संबंधों में सुधार करना नहीं था। यह केवल उनके और नरेंद्र मोदी के बीच निजी बातचीत का हिस्सा था। दिवाली पर मोदी और पित्रोदा ने दी थी एक-दूसरे को शुभकामनाएं12 नवंबर को दिवाली के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैम पित्रोदा को सामाजिक माध्यम पर शुभकामनाएं दी थीं। मोदी ने उन्हें 'सैम भाई' कहकर संबोधित किया था और उनकी पत्नी अंजना बेन के लिए भी खुशहाल एवं स्वस्थ वर्ष की कामना की थी। इसके जवाब में पित्रोदा ने प्रधानमंत्री को 'नरेंद्र भाई' कहकर धन्यवाद दिया और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की थी। इसके बाद दोनों के बीच हुई इस बातचीत को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई थी। हालांकि, पित्रोदा ने साफ किया कि इस संदेश का कोई राजनीतिक अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए। पहले भी चर्चा में रहे हैं पित्रोदा के बयान सैम पित्रोदा अपने बयानों को लेकर पहले भी चर्चा में रहे हैं। 1 सितंबर 2026 को समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में उन्होंने कहा था कि मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध और यहूदी समुदाय के लोगों से पूछा जाना चाहिए कि वे आज भारत में कैसा महसूस करते हैं।



उनके इस बयान पर भी राजनीतिक चर्चा हुई थी। इस बार फोन टैपिंग को लेकर उनका दावा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ निजी संबंधों पर दिया गया बयान चर्चा का विषय बना हुआ है।

सोने की बढ़ती कीमतों के बीच गिरवी कारोबार में धोखाधड़ी का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महासमुंद। सोने-चांदी की बढ़ती कीमतों के बीच गिरवी रखे गए आभूषणों को लेकर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। घरेलू जरूरतों के लिए अपने गहने गिरवी रखकर रकम लेने वाले ग्रामीणों को आरोप है कि पूरी रकम और ब्याज लौटाने के बाद भी उनके आभूषण वापस नहीं मिले। सांकरा स्थित श्याम ज्वेलर्स के संचालक पर ग्रामीणों के सोने-चांदी के आभूषण गिरवी रखने,



बिना पावती दिए लेन-देन करने और बाद में कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतों का फायदा उठाते हुए जेवर गलाने का आरोप लगा है। सांकरा पुलिस ने दुकान संचालक राकेश उर्फ विक्की अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे और उसकी निशानदेही पर करीब 15 ग्राम गला हुआ सोना, लेन-देन से जुड़े दस्तावेज और साहूकारी कारोबार से संबंधित सामग्री बरामद की गई है। मामले की शुरुआत पीड़ित शनिलाल चौहान की शिकायत से हुई। उसने घरेलू जरूरतों के लिए अपनी पत्नी सावित्री चौहान की सोने की माला और कान के टॉप्स, कुल करीब 15 ग्राम वजन के आभूषण श्याम ज्वेलर्स में गिरवी रखे थे। इन आभूषणों की कीमत लगभग 2 लाख 10 हजार रुपये बताई गई है। इसके बदले दुकान संचालक से दो प्रतिशत मासिक ब्याज पर रकम उधार ली गई थी। जेवर जमा करते समय शनिलाल ने रसीद मांगी, लेकिन दुकान संचालकों ने इसकी जरूरत नहीं होने की बात कहकर पावती देने से इनकार कर दिया। पीड़ित ने उन पर भरोसा करते हुए फोन-पे के माध्यम से समय-समय पर ब्याज की रकम चुकाई। 24 जून 2026 को शनिलाल गवाहों के साथ मूलधन और ब्याज की पूरी रकम लेकर अपने गिरवी रखे आभूषण छुड़ाने दुकान पहुंचा। आरोप है कि दुकान संचालकों ने समय अधिक हो जाने और सोना डूब जाने की बात कहकर उसे वापस लौटा दिया।

42 हजार वेतन लेने वाले कई कर्मचारी बने करोड़पति; मजदूरों से कराते हैं गांवों की सफाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी सफाई कर्मचारियों की नौकरी से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है। राज्य में कई ऐसे सफाई कर्मचारी हैं, जो हर महीने सरकार से करीब 42 हजार रुपये वेतन लेते हैं, लेकिन गांवों की गलियों में झाड़ू लगाने और नालियों की सफाई करने के लिए खुद नहीं जाते। इनमें से कुछ कर्मचारी करोड़ों की संपत्ति और कई कारोबार के मालिक बन चुके हैं। कि सी के पास मैरिज हॉल है, तो कोई सीमेंट एजेंसी और दर्जनों दुकानों का मालिक है। कुछ कर्मचारियों के पास पेट्रोल पंप तक होने की बात सामने आई है। दैनिक भास्कर की पड़ताल में सफाई कर्मचारियों के कथित सिंडिकेट का खुलासा हुआ है। इस जांच के लिए उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े जिले लखीमपुर को चुना गया। पड़ताल में सामने आया कि गांवों में सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाले कुछ कर्मचारी अपना काम खुद करने के बजाय दिहाड़ी मजदूरों से करवा रहे हैं। आरोप है कि इस पूरे खेल में ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव की मिलीभगत भी शामिल है। जांच के मुताबिक, कुछ सफाई कर्मचारियों ने गांवों में सफाई कराने के लिए 300 से 400 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी पर लोगों को रखा हुआ है। ये मजदूर सरकारी कर्मचारियों के बदले गांवों में झाड़ू लगाते और सफाई करते हैं। एक ठेका कर्मचारी पांच-पांच सरकारी सफाई कर्मचारियों के हिस्से का काम अलग-अलग ग्राम पंचायतों में करता हुआ पाया गया। पड़ताल में यह भी सामने आया कि कुछ सफाई कर्मचारी मुख्य सड़कों से सटे गांवों में अपनी ड्यूटी नहीं लगवाते, क्योंकि इन इलाकों में अधिकारियों का दौरा होने की संभावना अधिक रहती है। ऐसे कर्मचारी कथित तौर पर अपनी पहुंच और साठगांठ का इस्तेमाल करके खुद को किसी अधिकारी के कार्यालय से संबद्ध करवा लेते हैं।

हैदराबाद में कांग्रेस के भारत समिट का समापन आज, राहुल गांधी देंगे भाषण; 115 से ज्यादा लोगों को वीजा नहीं मिलने पर सलमान खुर्शीद ने जताई नाराजगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित कांग्रेस के भारत समिट का आज समापन होगा। कार्यक्रम का आयोजन हैदराबाद के नोवोटेल होटल में किया जाएगा, जहां लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भाषण देंगे। इस सम्मेलन में 70 देशों के 315 वक्ताओं को शामिल होना था, लेकिन कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने आरोप लगाया कि करीब 115 से 116 लोगों को वीजा जारी नहीं किया गया या बाद में उनके वीजा रद्द कर दिए गए। उन्होंने कहा कि इन लोगों के सम्मेलन में शामिल नहीं हो पाने का उन्हें दुख है। वहीं, भारत समिट के आयोजन स्थल पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की और उन्हें वापस जाने की मांग की। इस दौरान आयोजन स्थल पर राजनीतिक माहौल गरमा गया। कांग्रेस ने इस सम्मेलन में इक्वाडोर के पूर्व विदेश मंत्री गिलाउम लॉन्ग को भी आमंत्रित किया है। उन्हें सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड पॉलिसी रिसर्च (सीईपीआर) में वरिष्ठ शोधकर्ता और 'द हेग ग्रुप' के वरिष्ठ कूटनीतिक सलाहकार के रूप में बताया गया है।



लॉन्ग को हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 में वक्ता के तौर पर बुलाया गया है। उनके निमंत्रण को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर सवाल उठाए हैं।

लॉन्ग को बुलाने पर भाजपा ने उठाए सवाल

भाजपा का आरोप है कि लॉन्ग से जुड़ी संस्था सीईपीआर को वर्ष 2021 में जॉर्ज सोरोस समर्थित ओपन सोसाइटी पॉलिसी सेंटर से 4.20 लाख डॉलर यानी करीब 3.8 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता मिली थी। इसी आधार पर भाजपा ने सम्मेलन में लॉन्ग को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई है। भाजपा नेता आशीष अग्रवाल ने राहुल गांधी से सवाल किया कि गिलाउम लॉन्ग को भारत समिट में बुलाने के पीछे कांग्रेस का क्या एजेंडा है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस जॉर्ज सोरोस से जुड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के लोगों को मंच देकर भारत विरोधी एजेंडे और सत्ता परिवर्तन की कोशिशों को बढ़ावा दे रही है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी लॉन्ग के सोरोस समर्थित नेटवर्क से कथित संबंधों को लेकर सवाल उठाए हैं।

निवेश और रोजगार को बढ़ावा देना सम्मेलन का उद्देश्य

तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू के अनुसार, भारत समिट 2026 का मुख्य उद्देश्य राज्य में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाना है। इस सम्मेलन के माध्यम से तेलंगाना को अपना औद्योगिक और सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि ऐसे आयोजनों से निवेशकों का ध्यान तेलंगाना की ओर आकर्षित किया जा सकता है। कांग्रेस की ओर से आयोजित यह दूसरा भारत समिट है। इससे पहले पहला सम्मेलन 25 और 26 अप्रैल 2025 को हैदराबाद में आयोजित किया गया था।

आईफोन और मोटरसाइकिल के लिए 13 साल की लड़की ने रची नाना की हत्या की साजिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

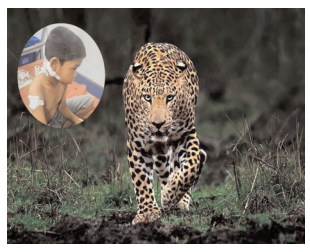
कोट्टायम। केरल के कोट्टायम में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां आईफोन और मोटरसाइकिल खरीदने की चाह में 13 साल की लड़की ने अपने ही 67 वर्षीय नाना की हत्या की साजिश रचने का आरोप झेला है। पुलिस की चार्जशीट के अनुसार, इस योजना में लड़की ने अपने तीन नाबालिग दोस्तों को भी शामिल किया था। चारों करीब दो महीने तक इंस्टाग्राम के जरिए एक-दूसरे के संपर्क में रहे और कथित तौर पर वारदात की योजना बनाते रहे। पुलिस का दावा है कि घटना के बाद लड़कों ने व्हाट्सऐप कॉल के जरिए लड़की को घटनास्थल भी दिखाया था। इस मामले में पुलिस ने किशोर न्याय बोर्ड के सामने 740 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। इसमें चार नाबालिगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें दो लड़कों की उम्र 17 साल, एक की उम्र 16 साल और लड़की की उम्र 13 साल है। पुलिस ने चार्जशीट में साजिश से लेकर घटना के बाद तक की गतिविधियों का विवरण शामिल किया है। पुलिस जांच के अनुसार, लड़की अपने लिए आईफोन और अपने एक दोस्त के लिए मोटरसाइकिल खरीदना चाहती थी। इसी इच्छा को पूरा करने के लिए उसने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर नाना की हत्या की योजना बनाई। पुलिस का दावा है कि इस साजिश को अंजाम देने की तैयारी करीब दो महीने तक चलती रही। इस दौरान चारों आरोपी इंस्टाग्राम पर लगातार संपर्क में थे और कथित तौर पर वहीं से योजना से जुड़ी बातचीत करते थे। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों के मोबाइल फोन से छह सिम कार्ड मिले। इनमें एक सिम कार्ड ऐसा था, जो केवल घटना वाले दिन ही सक्रिय हुआ था। साइबर विशेषज्ञों की मदद से पुलिस ने इन सिम कार्ड से जुड़ी जानकारी जुटाई और उसे जांच का हिस्सा बनाया। चार्जशीट में 87 गवाहों के बयान, 98 दस्तावेज और 12 भौतिक साक्ष्यों का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा छह सीसीटीवी फुटेज भी अहम साक्ष्य के तौर पर शामिल किए गए हैं।



आंगन में खेलते बच्चे को गर्दन से दबोचकर ले जाने लगा तेंदुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी। गुजरात के नवसारी जिले की वांसदा तहसील के सरा गांव में घर के आंगन में मां के साथ खेल रहे सात वर्षीय बच्चे पर अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुआ बच्चे को गर्दन के पास से दबोचकर खींचने लगा। यह देखकर मां ने हिम्मत दिखाई और अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चे को बचाने के लिए तेंदुए का पीछा किया। मां के जोर-जोर से चिल्लाने और आसपास के लोगों के मौके पर पहुंचने के बाद तेंदुआ बच्चे को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। हमले में बच्चा घायल



हो गया, जिसे उपचार के लिए वांसदा कॉटेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, सरा गांव के कमदी फलिया निवासी सात वर्षीय सनी अजय कुकणा अपनी मां जागृति बेन के साथ घर के आंगन में खेल रहा था। इसी दौरान जंगल की ओर से अचानक एक तेंदुआ वहां पहुंचा और बच्चे पर हमला कर दिया। तेंदुए ने बच्चे को गर्दन के पास से पकड़ लिया और उसे खींचकर ले जाने लगा। अचानक हुए हमले से परिवार में अफरा-तफरी मच गई। बच्चे को तेंदुए के चंगुल में फंसा देखकर मां जागृति बेन ने घबराने के बजाय उसे बचाने की कोशिश की। उन्होंने जोर-जोर से आवाज लगाते हुए तेंदुए का पीछा करना शुरू कर दिया। मां की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग भी तुरंत मौके पर दौड़कर पहुंच गए। लोगों के पहुंचने और शोर मचाने पर तेंदुआ बच्चे को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। घटना के बाद घायल बच्चे को तत्काल वांसदा कॉटेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार किया गया। घर के आंगन में हुई इस घटना से गांव के लोगों में चिंता का माहौल है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर आग का गोला बनी दिल्ली से छतरपुर जा रही बस, डेढ़ घंटे बाद बुझी आग

मथुरा में आधी रात चलती डबल डेकर बस में भीषण आग, 40 यात्रियों ने कूदकर बचाई जान; सामान जलकर राख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दिल्ली से मध्य प्रदेश के छतरपुर जा रही खजुराहो ट्रैवल्स की चलती डबल डेकर वातानुकूलित बस में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया और करीब 20 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं। बस में सवार 40 यात्रियों ने समय रहते नीचे उतरकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर पहुंची दमकल की टीम ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी और उसमें रखा यात्रियों का सामान भी राख हो गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बस की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगी। खजुराहो ट्रैवल्स की यह बस दिल्ली से मध्य प्रदेश के छतरपुर के लिए रवाना हुई थी। मध्य प्रदेश निवासी चालक जितेंद्र बस में 40 यात्रियों को लेकर दिल्ली के कश्मीरी गेट से निकला था। बस का पंजीकरण नंबर एमपी 14 जेडएच 5063 था। यात्रा के दौरान मथुरा जिले के राया थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे के राया कट पुल के पास अचानक बस से धुआं उठने लगा। हादसे के समय बस में सवार ज्यादातर यात्री सो रहे थे। अचानक धुआं दिखाई देने पर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में बस के अंदर चीख-पुकार शुरू हो गई। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए चालक ने बिना देर किए बस को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद









यात्रियों ने तेजी से नीचे उतरकर सुरक्षित स्थान की ओर जाना शुरू किया। सभी 40 यात्री समय रहते बस से बाहर निकल आए और इस तरह एक बड़ा हादसा टल गया। यात्रियों के मुताबिक, आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को अपना सामान निकालने का मौका नहीं मिला। लोग अपनी जान बचाने के लिए बस से बाहर निकल गए, लेकिन उनका बैग, कपड़े और अन्य जरूरी सामान अंदर ही छूट गया। कुछ ही समय में आग ने पूरी बस को घेर लिया। बस से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और दूर से ही आग का धुआं दिखाई देने लगा। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग को जानकारी दी गई। सीओ संजीव कुमार राय ने बताया कि शनिवार रात 1 बजकर 38 मिनट पर पुलिस प्रतिक्रिया वाहन को बस में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। इसके बाद दमकल विभाग को भी सूचना दी गई। कुछ ही देर में दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गईं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया।

पवन कल्याण की पूर्व पत्नी रेणु देसाई ने उठाए समाज की दोहरी सोच पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की निजी जिंदगी एक बार फिर चर्चा में है। हाल ही में उनकी तीसरी पत्नी अन्ना लेझनेवा से अलग होने की खबरों के बीच उनकी पूर्व पत्नी और अभिनेत्री रेणु देसाई के पुराने बयान भी चर्चा में आ गए हैं। रेणु ने समाज के दोहरे रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा था कि पुरुष कितनी भी बार शादी कर सकता है, लेकिन किसी महिला के दूसरे रिश्ते के बारे में सोचने पर भी सवाल उठाए जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पवन कल्याण से तलाक के 14 साल बाद भी लोग उन्हें उनकी अपनी पहचान के बजाय उनकी पूर्व पत्नी के रूप में देखते हैं। इस स्थिति को उन्होंने भगवान राम के वनवास से जोड़कर अपना दर्द जाहिर किया। रेणु देसाई ने पवन कल्याण से वर्ष 2012 में तलाक लिया था। इसके करीब पांच साल बाद एक साक्षात्कार में उन्होंने अपनी निजी जिंदगी और दोबारा शादी करने की इच्छा पर खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानी के बाद उन्हें महसूस हुआ कि जीवन में एक साथी की जरूरत हो सकती है। हालांकि, उनके इस बयान के बाद पवन कल्याण के कुछ प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उन्हें निशाना बनाया था। कुछ लोगों ने यहां तक कहा था कि यदि रेणु दोबारा शादी करती हैं।

किश्तवाड़ में दो एसपीओ की हत्या के मामले में छह लोग हिरासत में, आतंकियों ने लूटे सर्विस हथियार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जम्मू-कश्मीर। किश्तवाड़ जिले में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या के मामले में पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में लिया है। दोनों अधिकारियों के शव दुर्गम इलाके में मिले थे। उनके शरीर पर गोलियों के निशान थे। हत्या के बाद आतंकियों ने दोनों के सर्विस हथियार भी लूट लिए। वहीं, कुलगाम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की चौकी



पर हुए हमले की जांच के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम भी पहुंचने वाली है। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान बाबी चंद (57) और रशपाल कुमार (45) के रूप में हुई है। दोनों किश्तवाड़ के दच्छन इलाके में स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान दल में तैनात थे। वे अपने शिविर से सेना की चौकी पर गश्त के लिए देहरना-मरवाह की ओर निकले थे। इसी दौरान दोनों लापता हो गए। दोनों स्थानीय निवासी थे और इलाके की भौगोलिक स्थिति से अच्छी तरह परिचित थे। शुरुआत में उनके मोबाइल फोन चालू मिले, लेकिन कुछ समय बाद फोन बंद हो गए। इसके बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया। गुरुवार सुबह अतिरिक्त जवानों के साथ विशेष टीमों को इलाके में भेजा गया। तलाशी अभियान में ड्रोन और खोजी कुत्तों की भी मदद ली गई। काफी तलाश के बाद दोनों के शव कियार और देहरना गांवों के बीच करीब 8,858 फीट की ऊंचाई पर मिले। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। अधिकारियों के मुताबिक, आतंकियों ने दोनों एसपीओ की सर्विस राइफलें भी अपने कब्जे में ले लीं। इनमें एक इंसास और दूसरी .303 राइफल थी। दोनों हथियारों के साथ उनकी मैगजीन और कुछ कारतूस भी गायब हैं।

खरगोन में 25 दिन में दूसरी बार कांपी धरती, 4.5 तीव्रता का भूकंप सोफे खिसके तो घरों से बाहर भागे लोग, स्कूल से बच्चों को निकाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में 25 दिन के भीतर दूसरी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। शनिवार सुबह 9 बजकर 15 मिनट पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.5 दर्ज की गई। करीब 3 से 4 सेकंड तक जमीन में कंपन महसूस हुआ। अचानक आए झटकों से लोगों में घबराहट फैल गई। कई घरों में रखे सामान हिलने लगे और लोग अपने परिवार के सदस्यों के साथ घरों से बाहर निकल आए। राहत की बात यह रही कि फिलहाल जिले में किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप का केंद्र मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा से लगे सतपुड़ा क्षेत्र में बताया गया है। यह खरगोन जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर और जमीन से 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। शनिवार सुबह आए झटकों का असर खरगोन के अलावा सेंधवा, खंडवा, बुरहानपुर और



भीकनगांव के सीमावर्ती इलाकों में भी महसूस किया गया। कई स्थानों पर लोगों ने कुछ सेकंड तक जमीन में कंपन होने की जानकारी दी। इससे पहले 18 अक्टूबर को भी खरगोन जिले में भूकंप आया था। उस दिन दोपहर 12 बजकर 14 मिनट पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 दर्ज की गई थी। उस समय भी भूकंप का



केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। लगातार दूसरी बार झटके महसूस होने से स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। शनिवार सुबह अचानक जमीन में कंपन महसूस होने पर लोग घबरा गए। स्थानीय निवासी दीपक कानूनगो, प्रभुराम मालवी और बसंत सोनी ने बताया कि घर के अंदर रखे सोफे अपनी जगह से खिसकने लगे। पहले तो उन्हें कुछ समझ नहीं आया, लेकिन जब कंपन महसूस हुआ तो वे तुरंत अपने परिवार के सदस्यों के साथ घरों से बाहर निकल आए। लोगों के मुताबिक, कंपन कुछ ही सेकंड तक रहा, लेकिन अचानक हुए इस अनुभव से आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई लोग घरों से बाहर निकलकर एक-दूसरे से भूकंप के झटकों की जानकारी लेने लगे। सनावद रोड स्थित अविसंस स्कूल में भी सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। स्थिति को देखते हुए शिक्षकों ने सावधानी बरतते हुए बच्चों को स्कूल भवन से बाहर निकालकर मैदान में पहुंचाया। इसके बाद बच्चों को भूकंप के दौरान सुरक्षित रहने और बचाव के जरूरी तरीके बताए गए। स्कूल प्रबंधन की सतर्कता के चलते बच्चों को सुरक्षित खुले स्थान पर ले जाया गया। खरगोन के एसडीएम सत्येंद्र बैरवा ने बताया कि जिले के कई इलाकों से भूकंप के झटके महसूस होने की सूचनाएं मिली हैं। प्रशासन की ओर से इन जानकारियों को जुटाया गया है। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की सूचना सामने नहीं आई है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.